युवाओं के लिए सबक है विराट.. 09

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फिर साथ दिख सकती है माधुरी... 11

वर्ष - 02, अंक - 59 | गाजियाबाद / मंगलवार 02 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

ममता के 80 में से 60 विधायक हो गए 'गायब'

- टीएमसी की बैठक में पहुंचे ही नहीं, मचा हड़कंप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। कई विधायक और सांसद नाराज बताए जा रहे हैं। इसको बल रविवार को तब और मिला, जब अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद ममता के घर होने वाली बैठक में 80 में से 60 विधायक पहुंचे ही नहीं। इससे हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, ममता के घर पर रविवार को अहम बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें विधायकों को बुलाया गया था, लेकिन बैठक से 60 विधायक गायब रहे, जिससे उसे रद्द करना पड़ गया। हालांकि, बाद में पार्टी की ओर से सफाई पेश की गई कि अभिषेक और कल्याण बनर्जी पर हुए हमले

के मामले में तमाम विधायक व्यस्त थे और यही वजह रही कि वे ममता की बैठक में नहीं पहुंचे। टीएमसी के सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बैठक पार्टी के विधायक दल के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने ममता बनर्जी के घर पर बुलाई थी। काफी देर तक विधायकों का इंतजार किया गया, लेकिन जब वे नहीं पहुंचे तो आखिरकार बैठक ही रद्द करनी पड़ी। गैर-हाजिर रहे विधायकों से संपर्क भी नहीं हो पा रहा था। इसकी वजह से भी सवाल खड़े होने लगे हैं कि क्या टीएमसी में बड़ी फूट पड़ने वाली है। पिछले महीने टीएमसी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

शादी के दिन हेलीकॉप्टर क्रैश में भारतवंशी पायलट की मौत

- अमेरिका के जॉर्जिया में हादसा, पत्नी 6 घंटे मलबे में फंसी रही

जॉर्जिया (एजेंसी)। अमेरिका के जॉर्जिया में शादी के कुछ घंटों बाद भारतीय मूल के पायलट की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई। उनकी पत्नी घायल हो गई और करीब 6 घंटे तक मलबे में फंसी रहीं। डेव फिजी और जेस्नी की शादी 29 मई को डॉसनविल के द रिवेरे वेडिंग वेन्यू में हुई थी।

समारोह में करीब 400 मेहमान शामिल हुए थे। नवविवाहित जोड़ा शादी के बाद हेलीकॉप्टर से अटलांटा के लिए रवाना हुआ था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डेव के पिता जॉर्ज फिजी ने बताया कहा, मेरा बेटा बहुत खुश था। मैं उसे देख रहा था और उसकी खुशी महसूस कर रहा था। वह बेहद हैंडसम लग रहा था। जॉर्ज के मुताबिक, डेव और जेस्नी की दोस्ती चर्च के जरिए हुई थी। दोनों परिवारों का संबंध अमेरिकी राज्यों साउथ कैरोलाइना और जॉर्जिया के चर्च समुदायों से रहा है। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और दोनों ने जीवनसाथी बनने का फैसला किया।

डॉक्टर बनने के लिए अब मिलेंगे पूरे 10 साल

- एनएमसी का ड्राफ्ट जारी, एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के 4 मौके ही रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि दाखिले की तारीख से 10 साल के अंदर एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करनी होगी। ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशंस (अमेंडमेंट) 2023 में यह स्पष्ट किया गया है कि एमबीबीएस छात्रों को अनिवार्य रोटेटरी मेडिकल इंटर्नशिप सहित कोर्स पूरा करने के लिए अधिकतम 10 साल का समय मिलेगा। नीट एग्जाम की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को भी एनएमसी के ड्राफ्ट नियम को समझना जरूरी है। इससे पहले एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के लिए दस साल की ही समय सीमा लागू थी लेकिन 2023 रेगुलेशंस में इसे 9 साल कर दिया गया था। इसके साथ ही फर्स्ट ईयर (फर्स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस) के लिए अधिकतम चार प्रयास ही मिलेंगे।

1.4 लाख से ज्यादा हो सकती हैं एमबीबीएस सीटें- देश में एमबीबीएस कोर्स की सीटों की संख्या में हर साल इजाफा हो रहा है और 2026-27 की सीटों को लेकर फाइनल डेटा तैयार किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इस वर्ष एमबीबीएस की सीटें 1.4 लाख से ज्यादा हो सकती हैं। इस प्रस्ताव के लागू होने से वर्ष 2023 से पहले लागू समयसीमा प्रभावी रूप से बहाल हो जाएगी। ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन (अमेंडमेंट) रेगुलेशंस 2026 को लेकर ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

अगर सेमेस्टर पूरा नहीं हुआ तो मिलेगा दूसरा मौका

अगर किसी कारण से कोई सेमेस्टर पूरा नहीं हो पाता या फिर एग्जाम क्लियर नहीं हो पाता तो छात्र के पास री-अपीयर होने का पर्याप्त मौका रहेगा। मेडिकल कोर्स में दाखिला लेने वाले छात्र की एमबीबीएस की पढ़ाई तब तक पूरी नहीं होगी, जब तक कि वह अनिवार्य रोटेटिंग मेडिकल इंटर्नशिप, 2021 के अनुसार अपनी रोटेटिंग मेडिकल इंटर्नशिप पूरी नहीं कर लेता है। एमबीबीएस के बाद जो छात्र एमडी करना चाहते हैं, तो वे पीजी कोर्सेज में दाखिला लेते हैं। ड्रॉफ्ट नोटिफिकेशन के अनुसार फर्स्ट ईयर पूरा करने के लिए चार प्रयास का समय ही रहेगा।

अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर किया हमला

- ईरान ने जवाबी हमले में एयरबेस को निशाना बनाया; ईरानी राष्ट्रपति के इस्तीफे का दावा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा कि हमने ईरान के गोरुक और केश्म आईलैंड पर रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी ड्रोन को गिराया था।

आईआरजीसी के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को तबाह कर दिया। दूसरी तरफ, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि हमने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल सीरिक आईलैंड के पास अमेरिकी ऑपरेशन में हुआ था। वहीं, ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इस्तीफा दे दिया है।

हवाई हमले से पहले अब आपको मिलेगा अलर्ट!

- देश के 244 जिलों में लग रहा एयर रेड वॉर्निंग सिस्टम

मिसाइल, ड्रोन, फाइटर जेट हमले से पहले देगा चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश के उन जिलों में अत्याधुनिक एयर रेड वॉर्निंग सिस्टम लगाने पर काम कर रही है, जो संवेदनशील हैं या दुश्मनों के हवाई हमलों की स्थिति में सबसे पहले चपेट में आ सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश देख चुका है कि पश्चिमी सीमा पर राजस्थान से लेकर घाटी तक पाकिस्तान ने ड्रोन भेजकर दहशत मचाने की कोशिश की थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद महसूस हुई जरूरत- इस प्रोजेक्ट की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने जो कुछ बताया, उससे इसके बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। इस प्रोजेक्ट से यह सुनिश्चित होगा कि सिविल डिफेंस मैनुअल के अनुसार ही जमीनी स्तर पर एक स्टैंडर्ड एयर वॉर्निंग सिस्टम भी मौजूद रहे।

गृह मंत्रालय के अधीन है यह एयर डिफेंस प्रोजेक्ट

ऑपरेशन सिंदूर के कुछ दिनों बाद ही ऐसी रिपोर्ट आई थी कि कुछ एयर वॉर्निंग सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहे थे और उनमें से कई बहुत पुराने पड़ चुके थे। उनकी जगह तात्कालिक सायरन से भी काम चलाना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक एयर रेड वॉर्निंग सिस्टम प्रोजेक्ट की अगुवाई डायरेक्टोरेट जनरल-फायर सर्विस, सिविल डिफेंस और होम गार्ड्स कर रहा है, जो कि गृह मंत्रालय के अधीन है। इस प्रोजेक्ट के लिए एयर फोर्स से रिटायर्ड ऐसे अफसरों की नियुक्ति की जा रही है, जिन्होंने एयर डिफेंस ऑपरेशन, रडार सिस्टम और एयर-रेड वॉर्निंग प्रक्रिया पर काम किया है।

244 जिलों में एयर रेड वॉर्निंग सिस्टम

यह एयर रेड वॉर्निंग सिस्टम सभी तरह के ड्रोन, मिसाइलों और लड़ाकू विमानों से हवाई हमलों से खतरे की स्थिति में नागरिकों को चेतावनी देंगे। इस प्रोजेक्ट पर काम पूरा होने के बाद देश के सभी 244 संवेदनशील जिले किसी भी हवाई हमले को लेकर इस चेतावनी नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। देश के इन 244 जिलों में से ज्यादातर सीमावर्ती इलाकों में हैं।

यूपी बीजेपी की 'नई टीम' को लेकर बड़ा मंथन

- मजबूत रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की रविवार को अहम बैठक हुई। भाजपा चुनाव समिति ने संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा की और राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर पार्टी की लंबित नियुक्तियों पर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने की और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार बैठक में भाजपा की उत्तर प्रदेश संगठनात्मक टीम के गठन पर भी चर्चा हुई, जिसका नेतृत्व प्रदेश इकाई के

नवनियुक्त अध्यक्ष पंकज चौधरी करेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब सिर्फ 10 महीने बचा है ऐसे में भाजपा देश के राजनीतिक रूप से सबसे अधिक महत्वपूर्ण राज्य में एक पूर्ण संगठनात्मक टीम बनाने और अपनी चुनावी रणनीति को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। उत्तर प्रदेश से लोकसभा में 80 सांसद चुनकर जाते हैं और राज्य में विधानसभा की 403 सीट हैं। सूत्रों ने बताया कि शीर्ष नेतृत्व ने कुछ अन्य राज्यों से संबंधित राजनीतिक घटनाक्रमों की भी समीक्षा की जहां संगठनात्मक और प्रशासनिक बदलाव होने हैं। इस हफ्ते असम में मंत्रिमंडल विस्तार करने के साथ ही राजनीतिक नियुक्तियां भी होंगी। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली राज्य इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है।

- **मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम को लेकर चर्चा-** केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में हुई राजनीतिक चर्चाएं नितिन नवीन द्वारा मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुलाई गई भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक से पहले आयोजित की गईं। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में सरकार के कामकाज को जनता तक पहुंचाने, जनसंपर्क कार्यक्रमों और मोदी सरकार की उपलब्धियों के संदर्भ में पार्टी के राजनीतिक संदेश पर ध्यान दे रही है।

- टीएमसी की हार, ओएनओई पर बना बड़ा प्लान

परिसीमन बिल की नई तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओएनओई यानी एक देश एक चुनाव और परिसीमन विधेयक जल्द ही एक बार फिर संसद में पेश किया जा सकता है। खबर है कि पहली बार परिसीमन बिल पर चोट के बाद भारतीय जनता पार्टी अब बड़ी प्लानिंग कर रही है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम जैसे बड़े क्षेत्रीय दलों को चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सरकार 2029 लोकसभा

चुनाव से पहले एक देश एक चुनाव बिल पेश कर सकती है। खास बात है कि अप्रैल में संविधान संशोधन बिल फेल होने के बाद अब भाजपा नए सिरे से तैयारी कर रही है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि केंद्रीय गृहमंत्रालय नया परिसीमन बिल तैयार कर रहा है। जब संसद में लोकसभा की सीटों की सीमाएं दोबारा तय करने वाला परिसीमन बिल लाया गया, तो कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी जैसी सभी विपक्षी पार्टियों इंडिया गठबंधन के 230 सांसदों ने एकजुट होकर इसका विरोध किया। विपक्ष का मुख्य ऐतराज इस बात पर था कि सरकार ने महिलाओं को आरक्षण देने वाले कानून को लोकसभा की सीटें बढ़ाने के लिए लाया।

क्षेत्रीय दल निभाएंगे बड़ी भूमिका

रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा की ये कोशिशें हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद तेज हुई हैं। सूत्रों ने अखबार को बताया कि तमिलनाडु में हार और कांग्रेस के साथ छोड़ने के बाद डीएमके यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम 'कुछ मुद्दों' पर भाजपा के साथ बातचीत के लिए तैयार है। कहा यह भी जा रहा है कि भाजपा की नजरें टीएमसी में जारी गतिविधियों पर भी हैं। ये अटकलें ऐसे समय पर सामने आई हैं, जब बंगाल चुनाव में हार के बाद टीएमसी नेताओं में जमकर मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। वहीं, पार्षद स्तर के नेता इस्तीफा सौंप रहे हैं। संघवाद प्रतिदिन की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि कुछ सांसद टीएमसी छोड़कर भाजपा में जा सकते हैं।

ओएनओई पर भी बड़े ऐक्शन की तैयारी

फिलहाल, संसदीय समिति की तरफ से एक देश एक चुनाव विधेयक की समीक्षा की जा रही है। अखबार से बातचीत में जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा था, कानून में जल्द ही संशोधन किया जाएगा। रिपोर्ट के मामले में हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं और हम समय पर रिपोर्ट जमा कर देंगे। बातचीत में भाजपा नेता ने कहा कि राज्यों में चुनावों को देखते हुए कानून को चरणों में लागू किया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात चुनाव का हवाला दिया है। इन राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

- ब्रह्मोस, आकाश और नेत्र...

डिफेंस एक्सपोर्ट में भारत का दबदबा

- दुनिया के 4 देशों से 21000 करोड़ के सौदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रक्षा उद्योग वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में ब्रह्मोस, आकाश मिसाइल, लॉयटरिंग म्यूनिशन और 'नेत्र' जैसे स्वदेशी हथियारों के शानदार प्रदर्शन के बाद दुनिया भर में भारतीय 'वार' मशीनरी की मांग में भारी उछाल आया है। रक्षा मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 38,424 करोड़ का रिकॉर्ड रक्षा निर्यात दर्ज किया है, जो

पिछले वर्ष की तुलना में 62 फीसदी अधिक है। भारत ने अब 2029-30 तक 50,000 करोड़ के रक्षा निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। भारत की सबसे घातक ब्रह्मोस मिसाइल के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों के साथ करीब12,500 करोड़ के सौदे हो चुके हैं। फिलीपींस के साथ बड़ा सौदा हुआ है।

- **लॉयटरिंग म्यूनिशन और नेत्र सिस्टम** - भारतीय लॉयटरिंग म्यूनिशन (नागास्त्र-1 और स्काईस्ट्राइकर) की विदेशों में मांग तेजी से बढ़ी है। साइप्रस ने अपने 2026-31 के रक्षा रोडमैप में इसे खरीदने की इच्छा जताई है। इसके अलावा, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों से भी लगातार पूछताछ आ रही है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एचएएल और अदानी डिफेंस जैसी कंपनियां अपना उत्पादन तेजी से बढ़ा रही हैं।

भारत वर्तमान में दुनिया के 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है, जिनमें अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख हैं।

- 80 किलो की डमी को फंदे पर लटका कर 2 घंटे तक किया सीन रीक्रिएट

गिरिबाला और समर्थ को लेकर घर पहुंची सीबीआई

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस की जांच कर रही सीबीआई टीम सोमवार को पूर्व जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ को लेकर घर पहुंची। यहां 80 किलो वजन की डमी को फंदे पर लटका कर और उतार कर घटना की परिस्थितियों को समझने की कोशिश की। सीबीआई यह पता लगाने में जुटी है कि घटना के समय क्या हुआ था और उपलब्ध तथ्यों का घटना स्थल से कितना मेल बैठता है। टीम ने डमी और ट्विशा का वेट मैच करने के लिए डमी के अंदर पहले रेत डाला। इसके बाद पांव पर लोहे के वजनी डंबल बांध दिए। रीक्रिएशन की पूरी प्रक्रिया करीब दो घंटे तक चली। उधर समर्थ की फरारी को लेकर सीबीआई को पता चला है कि 15 मई को एफआईआर दर्ज होने के बाद समर्थ तत्काल शहर नहीं छोड़ पाया था। करीब तीन दिन भोपाल में ही रहा।

गर्भपात को लेकर डॉक्टर से भी होगी पूछताछ- सीबीआई ने इस मामले में उस डॉक्टर को भी तलब किया है, जिसने ट्विशा को गर्भपात की सलाह दी थी। इसी के साथ ट्विशा का शव देखने से लेकर उसे फंदे से उतारने और अस्पताल तक पहुंचाने की डिटेल जानकारी हासिल की जा रही है। ट्विशा की मौत के बाद से ही यह मामला आत्महत्या और हत्या के बीच उलझा हुआ है। समर्थ ट्विशा की मौत को आत्महत्या तो बता रहा है, लेकिन उसके कारणों के संबंध में ठोस जवाब नहीं दे रहा।

फरारी के दौरान मददगार की खोज

सीबीआई अब उन लोगों की पहचान में जुटी है, जिन्होंने एफआईआर दर्ज होने के बाद समर्थ की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मदद की हो सकती है। जांच में उसके मोबाइल संपर्क, लोकेशन, बैंकिंग ट्रांजैक्शन और डिजिटल चैट खंगाली जा रही हैं। यदि किसी व्यक्ति की भूमिका फरारी में सहयोग देने की पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे, पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए जिस हरियाली पर जोर दिया जा रहा है, इस शहर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे है। रखरखाव की जाने वाली दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर की गई हरियाली को बचाने के लिए पानी देने के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। ऐसे में कई जगह हरियाली और झाड़ियां सूख चुकी है, इन्हें तैयार करने पर विभाग की मेहनत और पैसे पर पानी फिर रहा है। उधर विभाग का है दावा हरियाली बचाने के लिए नियमित पानी दिया जा रहा है, मगर तापमान अधिक होने के कारण इसे नुकसान हो रहा है। पीडब्ल्यूडी के पास हैं 1440 किलोमीटर लंबी सड़के पीडब्ल्यूडी की बात करें तो इस विभाग के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़के हैं जो दिल्ली की प्रमुख सड़के हैं, इन सब सड़कों की चौड़ाई 60 फीट से अधिक है इनमें कई ऐसी सड़के हैं जिनको दिल्ली के आवागमन की रीढ़ माना जाता है, इनमें रिंग रोड और बाहरी रिंग रोड, बारापुला एलिवेटेड कॉरिडोर जैसे प्रमुख मार्ग भी शामिल हैं। पर्यावरण की दृष्टि से शहर को बेहतर बनाने और सड़कों को सुंदर दिखने के लिए विभाग द्वारा हर साल बड़े स्तर पर इन सड़कों पर पौधारोपण किया जाता है। जिनमें नए पौधे और पेड़ के साथ-साथ झाड़ियां भी लगाई जाती हैं। मगर हर साल इनमें से काफी एरिया खाली हो जाता है और पौधे गायब हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि तापमान बढ़ने पर पौधे सूख जाते हैं। यह समय अप्रैल से जून 3 महीने तक रहता है। विभाग की लापरवाही हर साल दिखती है। विभाग में पूर्व में रहे एक वरिष्ठ अधिकारी की मानें तो विभाग के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है, मगर अधिकारियों की लापरवाही के चलते हरियाली पर पर पानी फिर जाता है।

रेल यात्रियों के लिए गुड न्यूज, दिल्ली से जम्मू-कश्मीर का सफर होगा आसान; 1 साल से रद ट्रेनें फिर चालू

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर जाने वाले यात्रियों की परेशानी अब दूर होगी। पिछले वर्ष भारी वर्षा और बाढ़ के कारण रावी नदी का पानी बहुत बढ़ गया था। तेज बहाव की वजह से कठुआ और माधोपुर के बीच पुल का एक पिलर क्षतिग्रस्त हो गया था। इस कारण सुरक्षा के कारणों से ट्रेनों के परिचालन को रोक दिया गया था। कई ट्रेनें पिछले एक साल से निरस्त थीं। इससे जम्मू कश्मीर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब क्षतिग्रस्त पुल को ठीक कर दिया गया है। निरस्त ट्रेनें चलाने की घोषणा कर दी गई है। 30 मई को उत्तर रेलवे के रेलवे संरक्षा आयुक्त दिनेश चंद देशवाल ने पुल का निरीक्षण और गति परीक्षण करने के बाद ट्रेन संचालन को मंजूरी दे दी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह पुल पठानकोट-जम्मू-श्रीनगर रेल मार्ग का अहम हिस्सा है। इसके खुलने से जम्मू-कश्मीर आने-जाने वाले यात्रियों और मालगाड़ियों को सीधा लाभ होगा। कटड़ा और जम्मू जाने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी। इस पुल की बहाली से ट्रेनों का संचालन समय पर होगा, साथ ही अमरनाथ यात्रा व ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विशेष ट्रेनों के संचालन में आसानी होगी।

खाली कराया जाएगा यमुना बाजार घाट, 300 से ज्यादा आशियाने... 15 दिन का अल्टीमेटम खत्म; अब गरजेगा बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी। जून माह में कभी भी कश्मीरी गेट स्थित यमुना बाजार घाट के किनारे रहने वाले पंडों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। डीडीए की तरफ से इस संबंध में दी गई 15 दिन की मोहलत 30 मई को खत्म हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्होंने घाट के 300 मीटर के दायरे में अपने पुनर्वास की मांग की थी, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका है। इस बीच, पंडा एसोसिएशन हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शुक्रवार को मामले में सुनवाई में कोर्ट ने पंडों को कोई सीधी राहत नहीं दी है। जिला प्रशासन ने डीएमए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर 300 से अधिक आवासों को खाली करने का आदेश दिया है। नोटिस में ओ जोन में बसावट को अवैध बताते हुए उनके लिए 15 दिन का नोटिस दिया था। उसकी मियाद तो 15 मई को पूरी हो गई थी। इसके बाद डीडीए ने घाट के किनारे से लोगों को जाने के लिए अतिरिक्त 15 दिन (30 मई) का समय दिया था। अब यह अवधि भी बीत चुकी है। इसके पहले उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर इसके कायाकल्प पर जोर दिया था। सरकार की योजना यहां स्थित 30 घाटों के सुंदरीकरण व हरियाली के साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। वहीं, यहां रहने वाले पंडों का कहना है कि वह कई पीढ़ियों से यहां रहते आए हैं। इसलिए उन्हें नहीं हटाया जाए। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में वह डीडीए व संबंधित निकायों के आदेश पर अमल करेंगे।

दिल्ली में 45 साल पुराने मकानों को ढहाया, होटल-दुकान समेत 143 इमारतें ध्वस्त; अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के बीच रविवार को शालीमार गांव में 45 साल पुराने अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। 14 घंटे से ज्यादा समय चली इस कार्रवाई के दौरान दर्जनभर बुलडोजर की मदद से 143 इमारतों व ढांचों में से अधिकांश को ढहा दिया गया, इनमें ज्यादातर बहुमंजिला भवन हैं। इमारतों में 40-50 दुकानों के अलावा कुछ होटल भी चल रहे थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्ध सैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गईं। आजादपुर अंडरपास से मैक्स अस्पताल रोड सुबह चार बजे से लेकर रात आठ बजे तक आवाजाही के लिए पूर्णतः बंद रहा। पल-पल की गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव के आसमान पर दिनभर ड्रोन मंडराते रहे। डीडीए, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, नगर निगम, पुलिस समेत कई एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त टीम की देखरेख में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र के शालीमार गांव में बनीं अवैध इमारतों पर रविवार तड़के चार बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू हुई।

143 अवैध इमारतों में से ज्यादातर को ढहा दिया : पुलिस ने कल देर रात को शालीमार गांव में आजादपुर अंडरपास से लेकर मैक्स अस्पताल टी-प्वाइंट तक रोड को दोनों ओर बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया। अवैध निर्माण वाली जगह की चारों ओर से घेराबंदी की गई। इस जगह तक मीडिया समेत किसी को भी जाने की इजाजत नहीं थी। दिनभर अवैध ढांचे गिराने का काम चलता रहा। शाम छह बजे तक 143 अवैध इमारतों में से ज्यादातर को ढहा दिया गया। गत 10 जनवरी को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट आफ-वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण पाए गए हैं, इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है।

लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़े : बता दें कि राजस्व विभाग ने इस क्षेत्र में बनी लगभग 143 इमारतों को खाली करने के लिए 30 मई तक का अल्टीमेटम दिया था। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से इन्कार कर दिया था। इसी दिन से लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़ने शुरू किए, इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपना सामान समेट कर अन्यत्र चले गए। इस बीच, उत्तर पश्चिम दिल्ली जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

प्रभावित पात्र परिवार को तीन लाख रुपये की विशेष सहायता : मध्य-उत्तर जिले के डीएम एसएस परिहार ने बताया कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार अथवा इकाई को तीन लाख रुपये की एकमुश्त एक्स-ग्रेशिया सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिन परिवारों के पास दिल्ली में कोई वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं है, उन्हें सावदा घेवरा स्थित आवासीय इकाइयों में 11 माह तक लाइसेंस आधारित अस्थायी आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। संबंधित भूमि अधिग्रहित सरकारी भूमि है, जो डीडीए के मास्टर प्लान में सार्वजनिक सड़क के रूप में चिन्हित है तथा रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट आफ वे का हिस्सा है। यह सड़क शालीमार बाग रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) को आउटर रिंग रोड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यातायात गलियारे का हिस्सा है। सड़क की वर्तमान चौड़ाई अतिक्रमणों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिससे नियमित यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है।

चेन्नई बार विवाद: कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, 18 वर्षीय युवती की मौत; तीन गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक निजी बार में शुरू हुआ मामूली विवाद सड़क पर हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि युवकों के एक समूह ने कार से दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि उसकी नाबालिग दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों बालामुरुगन (21), जोशवा (19) और किशोर कुमार (19) को गिरफ्तार किया है। मृतक युवती की पहचान यांसी (18) के रूप में हुई है, जो श्रीलंकाई शरणार्थी परिवार से थी और विलुप्पुरम जिले में रहती थी। पुलिस के अनुसार, यांसी अपने दोस्तों के साथ एक निजी बार में डांस कर रही थी। इसी दौरान वहां मौजूद दूसरे समूह के युवकों के साथ कहासुनी हो गई। स्थिति बिगड़ने पर बाउंसरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। हालांकि, बार के बाहर भी दोनों पक्षों के बीच तनाव जारी रहा। बाउंसरों ने दोनों समूहों को वहां से जाने के लिए कहा। बाद में यांसी और उसकी दोस्त स्कूटी से जा रही थीं, तभी

उन्होंने कथित तौर पर विरोधी समूह को कार में देखा। पत्थरबाजी के बाद पीछा कर मारी टक्कर पुलिस का कहना है कि यांसी के दोस्तों ने कथित रूप से कार पर पत्थर फेंके। इससे गुस्साए युवकों ने कार से स्कूटी का पीछा किया और उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यांसी सड़क पर गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यांसी की 17 वर्षीय दोस्त गंभीर रूप से घायल हुई है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बार सील, फरार आरोपियों की तलाश घटना के बाद यांसी के परिवार ने सभी आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस ने नाबालिगों को प्रवेश देने के आरोप में संबंधित निजी बार को सील कर दिया है।

नया आंदोलन शुरू करने की तैयारी में भाजपा नेता के. अन्नामलाई, युवाओं और स्वयंसेवकों को देंगे ट्रेनिंग

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु भाजपा के कद्दावर नेता के. अन्नामलाई राज्य की सियासत में एक नया दांव खेलने जा रहे हैं। भाजपा नेता अन्नामलाई राज्य में एक नया आंदोलन शुरू करेंगे। इसका उद्देश्य समान विचारधारा वाले लोगों को एकजुट करना और स्वयंसेवकों का एक मजबूत कैडर तैयार कर उन्हें राजनीतिक रूप से प्रशिक्षित करना है। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बाताय कि तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई राज्य में एक नया आंदोलन शुरू करेंगे। हालांकि, अन्नामलाई के एनजीओ 'वी द लीडर्स' के जरिए बढ़ने वाले इस आंदोलन की अगले छह महीने तक किसी राजनीतिक दल में बदलने की योजना नहीं है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही इस नई मुहिम के प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई ने 2020 में राजनीति में प्रवेश किया और 2021 में एल मुरुगन की जगह तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष का पद संभाला और 2025 तक इसका नेतृत्व किया था। अन्नामलाई को एक स्वच्छंद और मुखर चेहरे के रूप में

देखा जाता था और उन्हें भाजपा को काफी हद तक पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। उनकी आक्रामक शैली और मीडिया में उनकी उपस्थिति ने उन्हें केंद्रीय नेताओं के लिए एक महत्वपूर्ण आवाज बना दिया। लेकिन अंततः उन्होंने अपनी सीमा पार कर ली थी, सीएन अन्नादुराई और जे जयललिता पर उनकी विवादास्पद टिप्पणियों ने सहयोगी एआईएडीएमके को उनसे अलग कर दिया था। इसके परिणामस्वरूप 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले गठबंधन टूट गया। दोनों पार्टियों को चुनावी झटके लगे और वे सीटें जीतने में असफल रहीं, जबकि डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने चुनावों में शानदार जीत हासिल की।

देश में बच्चों के पोषण स्तर में हुआ सुधार, घटा कम लंबाई का प्रतिशत; रिपोर्ट से समझिए पूरा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के उत्साहजनक संकेत मिले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-छह (एनएफएचएस-छह) के अनुसार, इस कारण पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कम लंबाई (स्टंटिंग) की समस्या में करीब 7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2019-21 में हुए एनएफएचएस-पांच में जहां 35.5 प्रतिशत बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से अपेक्षित लंबाई से कम पाए गए थे, वहीं 2023-24 में किए गए एनएफएचएस-छह में यह आंकड़ा घटकर 29.3 प्रतिशत रह गया है। यानी अब पहले की तुलना में अधिक बच्चे स्वस्थ वृद्धि कर रहे हैं और अपनी उम्र के अनुरूप लंबाई हासिल कर पा रहे हैं। पहले हर 100

में लगभग 36 बच्चे कम लंबाई की समस्या से प्रभावित थे, जबकि अब यह संख्या घटकर लगभग 29 रह गई है। यह इस बात का संकेत है कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। सर्वेक्षण में 715 जिलों के 6.79 लाख परिवारों को शामिल किया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, स्टंटिंग बच्चों में लंबे समय तक पोषण की कमी के कारण बनी हुई थी। बताया कि जब किसी बच्चे को पर्याप्त और संतुलित पोषण नहीं मिलता या वह बार-बार बीमार पड़ता है तो उसकी लंबाई उम्र के अनुरूप नहीं बढ़ पाती। एनएफएचएस-छह के आंकड़े बताते हैं कि अब पहले की तुलना में अधिक बच्चे अपनी उम्र के अनुसार सामान्य शारीरिक वृद्धि कर रहे हैं। यह भविष्य में उनके बेहतर स्वास्थ्य, सीखने की क्षमता और कार्यक्षमता के लिए भी सकारात्मक संकेत है। 7.7 प्रतिशत से घटकर 5.2 प्रतिशत हुआ एनएफएचएस-छह में बच्चों के अन्य पोषण संकेतकों में भी सुधार दर्ज किया गया है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में गंभीर दुबलापन (सीवियर वेस्टिंग) 7.7 प्रतिशत से घटकर 5.2 प्रतिशत हो गया है। वहीं कम वजन वाले बच्चों का प्रतिशत 32.1 से घटकर 31.8 प्रतिशत हो गया है। सर्वेक्षण के अनुसार देश में शिशु पोषण की स्थिति भी बेहतर हुई है। छह माह से कम आयु के 95.6 प्रतिशत बच्चों को स्तनपान कराया जा रहा है। जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराने का प्रतिशत 41.8 से बढ़कर 50.1 हो गया है। वहीं छह से आठ माह के बच्चों को स्तनपान के साथ पूरक आहार दिए जाने का प्रतिशत 45.9 से बढ़कर 59.5 हो गया है।

कैंसर मरीजों के इलाज में मिली नई सफलता, अब बिना मास्क हो सकेगी रेडियोथेरेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कैंसर के इलाज के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल के डाक्टरों ने भारत में पहली बार एआई संचालित सरफेस गाइडेड रेडियोथेरेपी (एसजीआरटी) और एडेप्टिव रेडियोथेरेपी के अनूठे संयोजन का उपयोग करके सिर और गर्दन के कैंसर के मरीज का इलाज किया है। पारंपरिक रेडियोथेरेपी में मरीज के सिर को स्थिर रखने के लिए एक बेहद तंग प्लास्टिक मास्क पहनाया जाता है और सीटी सिमुलेशन स्कैन किया जाता है, जिसमें काफी समय लगता है, लेकिन इस तकनीक से डाक्टरों ने बिना किसी मास्क या सिमुलेशन सीटी स्कैन के सटीक रेडिएशन थेरेपी दी। डॉक्टरों के अनुसार, मुंह के कैंसर से पीड़ित रोगी पिछली सर्जरी और रेडियोथेरेपी उपचारों

के असफल होने के बाद अस्पताल में आया था। ट्यूमर अत्यधिक बढ़ा हुआ था और लगातार ब्लीडिंग हो रही थी। सिर और गर्दन के कैंसर के लिए पारंपरिक रेडियोथेरेपी रोगी की हलचल को रोकने के लिए तंग प्लास्टिक मास्क और सिमुलेशन सीटी स्कैन पर निर्भर करती है, डॉक्टरों ने महसूस किया कि गंभीर रोगी उस कठोर प्रक्रिया को बर्दाश्त नहीं कर सकेगा। रक्तस्राव को रोकने के लिए आवश्यक विकिरण देने हेतु अस्पताल ने इस उन्नत तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया। मरीज पर इलाज का सकारात्मक परिणाम रहा और उसे 13 मई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सर्फेस गाइडेड रेडियोथेरेपी तकनीक में मरीज की त्वचा को ट्रैक करने के लिए 3 डी कैमरा सिस्टम और एआइ का उपयोग किया जाता है। यदि मरीज थोड़ा भी हिलता है, तो रेडिएशन बीम अपने आप रुक जाती है, जिससे तंग मास्क लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। एडेप्टिव रेडियोथेरेपी एआई-संचालित सिस्टम हर दिन मरीज के शरीर और ट्यूमर के बदलते आकार को रियल टाइम में ट्रैक करता है और उसी अनुसार रेडिएशन की डोज को एडजस्ट करता है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल के रेडिएशन आंकोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. प्रसाद राज दांडेकर ने बताया कि यह तकनीक उपचार को अधिक सटीक और प्रभावी बनाती है, जिससे मरीजों के इलाज के परिणाम बेहतर होते हैं।

दिल्ली के जहांगीरपुरी में पानी की किल्लत से मचा हाहाकार, महिलाओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। जहांगीरपुरी में पानी की किल्लत को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया। रविवार की दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे जहांगीरपुरी ई ब्लाक स्थित प्राथमिक विद्यालय के बाहर स्थानीय महिलाओं सहित अन्य लोग एकत्र हुए और पानी की मांग को लेकर अपना आक्रोश जाहिर किया।

प्रदर्शन में लोग हाथों में तख्तियां लेकर प्रशासन व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखें। क्षेत्र में बीते लगभग दो सप्ताह से पानी न आने के कारण जहांगीरपुरी के ई, डी व ईई ब्लॉक सहित विभिन्न जगहों पर पानी की समस्या बनी हुई है।

इसके कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जब लोगों का सबर का बांध टूटा। तो प्रदर्शन के दौरान मटके फोड़कर अपना रोष व्यक्त किया। इस दौरान नीलम, सुमन, मंजू व आदि लोग उपस्थित रहे। टैंकर नहीं कर पा रहे पानी की पूर्ति जहांगीरपुरी के लोगों को पानी मिलने पर टैंकरों से आपूर्ति की जा रही है। यह टैंकर पानी की पूर्ति नहीं कर पा रहे। टैंकरों के माध्यम से लोगों तक पहुंचने वाले पानी से लोगों को थोड़ी राहत जरूर है। लेकिन जलबोर्ड लोगों की मांग को पूरा नहीं कर पा रहा। मजबूरन लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। पानी की किल्लत के कई बार टैंकरों पर मारामारी भी देखने को मिलती है। पानी न आने के कारण टैंकर मंगाने पड़ रहे है। तब जाकर घर के कामकाज पूरे हो पाते है। वरना घर में पीने का पानी तक नहीं होता। इतनी गर्मी में कैसे गुजारा चलेगा।

हमारे यहां लगभग 15 दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है। मजबूरन लोग पानी खरीद रहे है या फिर टैंकरों का इंतजार करते रहो। लेकिन ऐसा कब तक चलेगा पता नहीं। घर में पानी नहीं आ रहा। मैं इतनी परेशान हूं कि घर का कोई काम नहीं हो पा रहे। टैंकर से भी इतना पानी नहीं मिलता कि सभी कामकाज पूरे कर सके। हमें पानी चाहिए। गर्मी में पानी की बहुत जरूरत होती है। लेकिन इसी समय हमें पानी नहीं मिल रहा। नहाने व अन्य घरेलू काम कैसे करें? पीने का पानी भी नसीब नहीं हो रहा। जैसे-तैसे गुजारा कर रहे है।

कोई महिला आजीविका के लिए वेश्यावृत्ति करे, तो वह जगह कोठा नहीं', सुप्रीम कोर्ट ने दिया 298 पन्नों का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 70 साल पुराने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का गहन विश्लेषण करने के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करना है और न ही इसे आपराधिक अपराध बनाना है, बल्कि इसका असली मकसद वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण पर लगाम लगाना है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि वेश्यावृत्ति को खत्म करना या इसे आपराधिक अपराध बनाना इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नहीं है। बल्कि, इसका उद्देश्य वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण को रोकना या समाप्त करना है, यानी वेश्यावृत्ति को आजीविका के एक संगठित माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाना है। वेश्यालय से छुड़ाई गई महिलाओं के पुनर्वास के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए पीठ ने 1956 के इस अधिनियम का गहराई से विश्लेषण किया। अदालत ने बताया कि 20वीं सदी की शुरुआत में वेश्यावृत्ति के लिए महिलाओं की तस्करी बहुत आम थी और समाज में इसे अनैतिक माना जाता था, यही वजह है कि यह शब्द इस कानून के नाम के साथ जुड़ गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईटीपीए मुख्य रूप से अपराधियों और तस्करों को सजा देने के लिए लाया गया था, न कि खुद वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को दंडित करने के लिए। जस्टिस पारदीवाला द्वारा लिखे गए 298 पन्नों के इस फैसले में स्पष्ट किया गया कि अधिनियम की धारा 7 और 8 इस सामान्य नियम के अपवाद हैं। ये धाराएं विशेष परिस्थितियों में वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को दंडित करती हैं कि धारा 7 सार्वजनिक स्थानों के करीब वेश्यावृत्ति में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करती है। वहीं, धारा 8 सार्वजनिक स्थानों पर ग्राहकों को रिझाने

या बुलाने को अपराध मानती है। पीठ ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हालांकि वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को सीधे तौर पर पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया गया है, लेकिन सार्वजनिक शालीनता और सामाजिक नैतिकता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। सार्वजनिक संस्थानों और अधिसूचित क्षेत्रों के आसपास ऐसे दृश्यों या प्रयासों को रोका जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। वेश्यावृत्ति को लेकर कानूनी अस्पष्टता अदालत ने स्पष्ट किया कि वह न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से अपराध घोषित करने की वकालत कर रही है और न ही इसे पूरी तरह से अनियंत्रित छोड़ने की बात कह रही है। कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ यह समझाना चाहते हैं कि विधायी उद्देश्य वेश्यावृत्ति के सभी कृत्यों की निंदा करना नहीं है। हालांकि, इसकी परिभाषा में कुछ अस्पष्टता जरूर है, क्योंकि इसे पूरी तरह से केवल शोषणकारी या अपमानजनक रूप में ही चित्रित किया जाता है। अधिनियम की धारा 2 में दिए गए वेश्यागृह शब्द की परिभाषा की जांच करते हुए पीठ ने एक बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई अकेली महिला अपनी आजीविका के लिए अपने घर में वेश्यावृत्ति करती है, जिसमें कोई दूसरी महिला शामिल नहीं है और न ही उस परिसर के रखरखाव में किसी बाहरी व्यक्ति या बिचौलिए की भूमिका है तो उस महिला के निवास स्थान को कानूनन वेश्यागृह नहीं माना जाएगा।

गाजियाबाद में पुलिस ने शुरू किया हिस्ट्रीशीटर वेरिफिकेशन अभियान, अपराधियों पर कसेगा शिकंजा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में कानून-व्यवस्था को अधिक मजबूत करते हुए अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों के सत्यापन का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत थाना स्तर पर पुलिस टीमें सक्रिय होकर अपने-अपने क्षेत्रों में दर्ज हिस्ट्रीशीटरों की वर्तमान गतिविधियों, निवास स्थान, सामाजिक व्यवहार और आपराधिक गतिविधियों की जांच कर रही हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि पुराने अपराधी दोबारा किसी आपराधिक गतिविधि में संलिप्त न हों और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि सामने आती है तो उसके विरुद्ध समय रहते कार्रवाई की जा सके।

इस विशेष अभियान के दौरान थाना प्रभारियों और बीट पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए है कि वह अपने क्षेत्र में दर्ज प्रत्येक हिस्ट्रीशीटर का भौतिक सत्यापन करें। इसके लिए पुलिस टीमें उनके घर पहुंचकर उनकी मौजूदगी की पुष्टि कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि संबंधित व्यक्ति वर्तमान में क्या कार्य कर रहा है, उसका रहन-सहन कैसा है और क्या वह किसी नए आपराधिक गिरोह या गतिविधि से जुड़ा हुआ है। पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ ने बताया कि ऐसे कई अपराधी गाजियाबाद में है, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड पुराना है और उनके नाम थानों की हिस्ट्रीशीट में दर्ज हैं। इनमें चोरी, लूट, डकैती, वाहन चोरी, अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी, मारपीट और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल रहे लोग भी शामिल है। समय-समय पर इन व्यक्तियों की निगरानी और सत्यापन करना अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अभियान के दौरान पुलिस केवल हिस्ट्रीशीटरों की उपस्थिति ही दर्ज नहीं कर रही, बल्कि उनके पड़ोसियों और स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि संबंधित व्यक्ति का व्यवहार कैसा है, क्या वह समाज में सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है या फिर किसी संदिग्ध गतिविधि में शामिल है। यदि किसी हिस्ट्रीशीटर के बारे में शिकायत या संदिग्ध सूचना मिलती है तो उसकी गहन जांच की जाएगी।

गैंगस्टर अतीक अहमद की 168 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति और स्लाटर हाउस होगा कुर्क

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना स्योहारा क्षेत्र से जुड़े गैंगस्टर अतीक अहमद और उसके संगठित गिरोह के विरुद्ध प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी 168 करोड़ 13 लाख 32 हजार 600 रुपये मूल्य की संपत्ति तथा ओमर इंटरनेशनल स्लाटर हाउस को कुर्क करने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा-14 के अंतर्गत की जा रही है। जिला मजिस्ट्रेट जालौन राजेश कुमार पांडेय द्वारा जारी आदेश के अनुसार अतीक अहमद की चिन्हित संपत्तियों को शीघ्र कुर्क किया जाएगा। प्रशासनिक समन्वय के तहत उप जिलाधिकारी धामपुर को उक्त संपत्ति का रिसीवर नियुक्त किया गया है। वहीं पुलिस अधीक्षक जालौन ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम याकूबपुर, परगना स्योहारा स्थित इस विशाल संपत्ति को 15 दिनों के भीतर नियमानुसार कुर्क कर उसकी रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की जाए।

जसजीत कौर,
जिलाधिकारी, बिजनौर

पुलिस अभिलेखों के अनुसार नई दिल्ली तथा कस्बा सहसपुर, थाना स्योहारा निवासी अतीक अहमद पुत्र मोहम्मद उमर, गैंग लीडर गुलजार के साथ मिलकर एक अंतरजनपदीय एवं अंतरराज्यीय संगठित गिरोह संचालित करता था। जांच में सामने आया कि यह गिरोह कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से 'फिश फूड' अर्थात मछली के चारे की आड़ लेकर बड़े पैमाने पर गौमांस तस्करी के कारोबार में संलिप्त था। पूर्व में एक वाहन से बरामद डिब्बों की विधि विज्ञान प्रयोगशाला, मथुरा में जांच कराई गई थी, जिसमें गौमांस होने की पुष्टि हुई थी। अतीक अहमद के विरुद्ध बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र सहित जनपद जालौन के विभिन्न थानों में गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। प्रशासन द्वारा चिन्हित संपत्तियों में ग्राम याकूबपुर स्थित 10 गाटा संख्याओं की कृषि एवं व्यावसायिक भूमि शामिल है। इसके अतिरिक्त गाटा संख्या 46, 102, 40, 52, 54 और 47 पर निर्मित 'ओमर इंटरनेशनल स्लाटर हाउस' का संपूर्ण भवन भी कुर्की की कार्रवाई के दायरे में लाया गया है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद जिला प्रशासन और पुलिस ने स्पष्ट संकेत दिया है कि संगठित अपराध, माफिया गतिविधियों और अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों का कहना है कि विभिन्न जनपदों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराधियों की अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिससे कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

हापुड़ में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, 21 छात्र छात्राओं को मिली प्रोत्साहन राशि

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद हापुड़ में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 11 बजे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ स्थित लोक भवन में आयोजित समारोह के सजीव प्रसारण के साथ हुई, जिसे सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और अधिकारियों ने देखा एवं सुना। इसके उपरांत दोपहर 12 बजे जनपद स्तरीय सम्मान समारोह का शुभारंभ हुआ। समारोह का उद्घाटन सदर विधायक विजयपाल आढ़ती, जिला अध्यक्ष कविता माधरे, जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा तथा जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पूठिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हाईस्कूल के 10 तथा इंटरमीडिएट के 11 मेधावी छात्र छात्राओं सहित कुल 21 विद्यार्थियों को 21-21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के प्रतीकात्मक चेक, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पूठिया ने बताया कि सम्मानित विद्यार्थियों की प्रोत्साहन राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों की मेहनत और लगन का परिणाम है तथा इससे अन्य छात्र छात्राओं को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य और शिक्षक भी उपस्थित रहे। इनमें राजकीय हाईस्कूल हिम्मतपुर की प्रधानाचार्या शैलजा कुमारी, एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजय गर्ग, श्री बिजेंद्र आदर्श इंटर कॉलेज चमरी के प्रधानाचार्य सुनील सिरोही, शिक्षिकाएं रश्मि सिंह, अमीता त्रिपाठी, प्रियंका, पायल चंद्रा तथा शिक्षक अमित शर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में अभिभावक और पत्रकार भी समारोह में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पूठिया ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेधावी छात्रा सिया बालियान सम्मानित, गांव में खुशी की लहर

शाहपुर/मुजफ्फरनगर। गांव कुटबा निवासी तथा उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत अनिल कुमार बालियान की पुत्री सिया बालियान ने यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में जनपद में द्वितीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सिया की इस उपलब्धि पर सोमवार को जिला मुख्यालय में आयोजित मेधावी सम्मान समारोह में उसे सम्मानित किया गया। समारोह में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार एवं जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने सिया बालियान को प्रशस्ति पत्र तथा 21 हजार रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक मेधावी छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। सिया बालियान की सफलता और मेधावी सम्मान समारोह-2026 में सम्मानित किए जाने की सूचना मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव के लोगों ने सिया को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्मार्ट मीटर हटाने और 24 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर माकपा व किसान सभा का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (शिखर समाचार)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और अखिल भारतीय किसान सभा के कार्यकताओं ने सोमवार को ग्राम तैयबपुर स्थित बढ़ापुर विद्युत उपकेंद्र पर प्रदर्शन कर स्मार्ट मीटर हटाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की मांग उठाई। इस दौरान कार्यकताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आठ सूत्रीय संयुक्त ज्ञापन विद्युत अवर अभियंता शाजिम हसन को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की बिजली संबंधी नीतियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सरकारें बिजली क्षेत्र का निजीकरण करने की दिशा में कार्य कर रही हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कार्यकताओं ने कहा कि किसानों के नलकूपों और ग्रामीण उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जबकि बढ़ती बिजली दरों के कारण आम जनता पहले से ही परेशान है। ज्ञापन में मांग की गई कि उपभोक्ताओं के घरों और किसानों के नलकूपों पर

लगाए गए स्मार्ट मीटर तत्काल हटाकर सामान्य मीटर लगाए जाएं। साथ ही मीटर बदलने का पूरा खर्च विद्युत विभाग स्वयं वहन करे और इसका भार उपभोक्ताओं पर न डाला जाए। किसान सभा और माकपा कार्यकताओं ने किसानों को बिना मीटर के चौबीस घंटे मुफ्त एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। इसके अतिरिक्त शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली देने, ग्रामीण क्षेत्रों में बिना किसी कटौती के चौबीस घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, विद्युत विभाग में रिक्त पदों पर स्थायी भर्ती करने तथा संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को नियमित किए जाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में शराफत हुसैन, अखलाक खान, मोहम्मद शहजाद, सद्दाम अंसारी, सलीम अहमद, सईद अंसारी सहित बड़ी संख्या में माकपा और किसान सभा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

ब्राइटलैंड एकेडमी में पितृ दिवस एवं पारिवारिक मनोरंजन दिवस का भव्य आयोजन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। ब्राइटलैंड एकेडमी में रविवार को पितृ दिवस एवं पारिवारिक मनोरंजन दिवस का भव्य आयोजन उत्साह, उमंग और पारिवारिक सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली रहे। विद्यालय परिसर बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से पूरे दिन जीवंत और उल्लासमय बना रहा। वर्तमान समय की भागदौड़ और व्यस्त जीवनशैली में परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम ने सभी को पारिवारिक रिश्तों की अहमियत का एहसास कराया। ऐसे आयोजन न केवल परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं, बल्कि बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी सोच के साथ आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बच्चों और उनके अभिभावकों ने मिलकर अनेक मनोरंजक, ज्ञानवर्धक और यादगार गतिविधियों में भाग लिया।

विद्यालय के संस्थापक विजय शर्मा तथा अध्यक्ष अविनाश शर्मा ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं उनके पिताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि परिवार ही बच्चों की पहली पाठशाला होता है और माता-पिता का मार्गदर्शन, स्नेह एवं सहयोग उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ अधिक से अधिक समय बिताने और उनके सर्वांगीण विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका शर्मा ने उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ब्राइटलैंड एकेडमी केवल शिक्षा प्रदान करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा परिवार है जहां बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनके संस्कार, व्यक्तित्व विकास और पारिवारिक मूल्यों को भी समान महत्व दिया जाता है। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील और संस्कारित नागरिक के रूप में तैयार करना है।

मुख्य अतिथि विनोद वैशाली ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में अपने माता-पिता के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता की भावना विकसित करते हैं तथा परिवार और समाज के बीच सकारात्मक संबंधों को सुदृढ़ बनाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक खेलों, पारिवारिक सहभागिता गतिविधियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों और अभिभावकों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर इसे यादगार बना दिया। हर्षोल्लास, आत्मीयता और मधुर स्मृतियों के साथ समारोह का समापन हुआ। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या का कोतवाली पुलिस ने किया खुलासा, 2 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या का खुलासा कोतवाली पुलिस ने कर दिया है। पुलिस ने संबंध में यश खटीक और गगन को गिरफ्तार किया है। वही हत्या के आरोप में अभिनव अभी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि साई उपवन के पास एक शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि शव की पहचान चिराग त्यागी ग्रुप में हुई थी। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए। जांच के बाद पुलिस में यश को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की तो उसने पूरा घटनाक्रम का खुलासा कर दिया। चिराग लगातार तरक्की कर रहा था और डिसक्वालीफाई होने के बाद यश ने उससे बदला लेने के लिए हत्या का षड्यंत्र रचा। चिराग की हत्या करने के लिए यश ने 62 हजार में पिस्टल खरीदी थी और साई उपवन में उसे गोली मारकर फरार हो गया था। दोनों पैरा एथलीट खिलाड़ी थे और यश का चिराग के घर पर भी आना जाना था। प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत तनाव के कारण उसने चिराग की हत्या कर दी थी।

हरोड़ा मोड़ मारपीट मामले में 3 बाल अपचारियों समेत 9 आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध नियंत्रण एवं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सिम्भावली पुलिस ने कस्बा सिम्भावली के हरोड़ा मोड़ पर दो पक्षों के बीच हुए विवाद और मारपीट के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन बाल अपचारियों सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हरोड़ा मोड़ पर हुए झगड़े के मामले में वांछित चल रहे आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राशिद, फैजान निवासी ग्राम वैठ, शादाब, समीर, सुहेल तथा दिलशाद निवासी ग्राम सेना सहित तीन बाल अपचारियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मनोहर लाल, उपनिरीक्षक आलोक कुमार, उपनिरीक्षक राहुल चौहान, उपनिरीक्षक सोनू कुमार, कांस्टेबल आकाश चौहान तथा मुख्य कांस्टेबल जितेंद्र कुमार शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

घर से लाखों रुपये के जेवरात गायब, पति ने पत्नी पर लगाया चोरी का आरोप

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के स्वर्ग आश्रम रोड स्थित आनंदलोक कॉलोनी में घर से लाखों रुपये के जेवरात गायब होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पति ने अपनी पत्नी पर जेवरात चोरी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आनंदलोक कॉलोनी निवासी प्रशांत कुमार ने बताया कि उनकी शादी 2 दिसंबर 2021 को हुई थी। उनका आरोप है कि शादी के बाद से ही पत्नी का व्यवहार परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति ठीक नहीं था, जिसके चलते घर में अक्सर विवाद की स्थिति बनी रहती थी। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी 2025 को उनकी पत्नी ने एक बेटी को जन्म दिया था, लेकिन प्रसव के लगभग दस दिन बाद वह बच्ची को घर पर छोड़कर अपने मायके चली गई थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता होने पर वह पुनः ससुराल लौट आई। प्रशांत कुमार का आरोप है कि उनकी पत्नी पहले भी घर में रखे लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के जेवरात लेकर चली गई थी, जिसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी थी।

खुले गड्ढे में गिरने से बाइक सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य के दौरान बरती गई कथित लापरवाही एक परिवार पर भारी पड़ गई। दहपा वाली पुलिया जाने वाले मार्ग पर सचपल गढ़ी के निकट सोमवार को हुए दर्दनाक हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि मृतक के परिवार में मातम छा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विवेक पुत्र मलखान सिंह निवासी सचपल गढ़ी, पिलखुवा के रूप में हुई है। बताया गया है कि विवेक किसी आवश्यक कार्य से मोटरसाइकिल पर जा रहा था। इसी दौरान सड़क निर्माण कार्य के लिए खोदे गए एक खुले गड्ढे में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसा इतना गंभीर था कि विवेक को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि विवेक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिवार के सामने अब आर्थिक और सामाजिक संकट भी खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी। उनका कहना है कि मार्ग पर कई स्थानों पर गहरे गड्ढे खोदे गए हैं, लेकिन वहां न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे और न ही किसी प्रकार की बैरिकेडिंग की गई थी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि निर्माण एजेंसी द्वारा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई होती तो यह हादसा टाला जा सकता था। हादसे के बाद क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों और संबंधित एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटना की जानकारी लेते हुए रिपोर्ट तलब की है। एक सड़क हादसे ने पल भर में एक परिवार से उसका सहारा छीन लिया। क्षेत्र के लोग मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किए जाने की मांग कर रहे हैं।

डीएम ने प्रताप विहार में मकान को कराया कब्जा मुक्त, पीड़िता ने किया धन्यवाद ज्ञापित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बीती 29 मई 2026 को जनसुनवाई के दौरान डीएम रविंद्र कुमार के समक्ष पीड़िता चंचल ने अपने मकान पर कब्ज होने की शिकायत की थी। पीड़िता की शिकायत का संज्ञान लेते हुए डीएम ने एसीपी कोतवाली उपासना पाण्डेय और थाना अध्यक्ष विजयनगर धर्मपाल को जांच करने के आदेश दिए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेशों का पालन करते हुए मात्र 3 दिन में जांच को पूरा किया गया। जांच में सत्यता पाए जाने पर डीएम खुद मौके पर पहुंचे और मकान का कब्जा पीड़िता चंचल को दिलवाया। मकान का कब्जा पाने के बाद पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गाजियाबाद जिला प्रशासन और गाजियाबाद पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया। पीड़िता ने बताया कि उसके मकान के ऊपर ताज मोहम्मद ने कब्जा कर लिया था। वह लगातार उसे मकान को कब्जा मुक्त करने के लिए गुहार लगा रही थी। लेकिन वह उसे गाली गुप्तार करते हुए मौके से भगा देता था। परेशान होकर उसने डीएम के समक्ष अपनी बात रखी और डीएम ने पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए उसे मकान का कब्जा दिलवाया। डीएम रविंद्र कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भू-माफिया और मकान पर कब्जा करने वालों पर त्वरित व सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए है। मात्र 3 दिन के अंदर मकान पर कब्जा करने के प्रकरण की जांच की गई और पीड़िता चंचल को मकान का कब्जा दिला दिया गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी स्थिति में अपराधिक गतिविधियों को नहीं होने दिया जाएगा। जो लोग दूसरे की जमीन व मकान पर कब्जा कर रहे है, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

गाजियाबाद नगर निगम

(I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक–47 / उद्यान / 2026–27 दिनांक–30.05.2026

ई–निविदा सूचना

गाजियाबाद नगर निगम के उद्यान विभाग द्वारा विभिन्न कार्य हेतु ई–निविदाएँ दिनांक 02.06.2026 से दिनांक 16.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई–प्रिक्योरमेन्ट की वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** से प्राप्त किया जा सकता है, जिसे दिनांक 16.06.2026 की मध्यान्हः 03:00 तक वेबसाईट से डाउनलोड कर अपलोड करना आवश्यक होगा। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 16.06.2026 की अपरान्हः 04:00 बजे से खोला जायेगा। प्रत्येक निविदा हेतु उसके सम्मुख अंकित धरोहर की धनराशि एवं निविदा शुल्क (Tender Fees Non Refundable) वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर जमा करना अनिवार्य होगा तथा सफल निविदादाता द्वारा अनुबन्ध के समय शेष प्रतिशत की, धनराशि अनुबन्ध कराते समय एफ.डी.आर. के रूप में कार्यालय में जमा करानी होगी, जोकि लेखाधिकारी, गाजियाबाद नगर निगम के नाम पर बन्धक होगी। निविदा में प्रतिभागी फर्म योग्य होने पर वित्तीय निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जायेगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश रहता है, तो निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जायेगी।

विस्तृत शेष नियम व शर्ते एवं सूचना वेबसाइड **http://etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है।

उद्यान प्रभारी
गाजियाबाद नगर निगम

संक्षिप्त समाचार

भंडारे में युवक पर चाकू से हमला, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

वाराणसी, एजेंसी। बलिया के कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर स्थित राजा गांव-खरौनी मार्ग पर हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे के दौरान शनिवार देर रात एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरधप्पा निवासी चंदन तिवारी पुत्र तारकेश्वर तिवारी अपने कुछ दोस्तों के साथ हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर वहां मौजूद कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला बढ़ गया और विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान कुछ युवकों ने चंदन तिवारी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके सिर और हाथ पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। युवक को लहूलुहान अवस्था में देखकर मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। भंडारे में शामिल श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई।

कृष्ण गोल्ड कॉलोनी में पांच मकान और 13 दुकान सील

आगरा, एजेंसी। आगरा विकास प्राधिकरण ने कालिंदी विहार, गढ़ी जीवनराम और सिरौली रोड पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मकान और दुकानों को सील कर दिया। एडीए ने चेतावनी दी है कि सील से छेड़छाड़ या शमन न कराने पर संबंधित निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। आगरा विकास प्राधिकारी की तरफ से अवैध निर्माण पर शनिवार को कार्रवाई की गई। कालिंदी विहार स्थित कृष्ण गोल्ड कॉलोनी में पांच मकान और गढ़ी जीवनराम में सात दुकान सील की गई। सिरौली रोड पर चार मंजिल कॉम्पलेक्स में छह दुकान और दो हॉल सील करने की कार्रवाई की गई। हाथरस रोड स्थित गढ़ी जीवनराम में बीआरबी फार्म हाउस के बराबर से मुकेश शर्मा ने 110 वर्ग मीटर में सात दुकानों का अवैध निर्माण कर लिया। नोटिस के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका। शनिवार को प्रवर्तन दल ने सात दुकानों को सील कर दिया। यहां से टीम कालिंदी विहार में 100 फुट रोड स्थित आरबी डिग्री कॉलेज के पास अवैध रूप से विकसित हो रही कृष्णा गोल्ड कॉलोनी पहुंची।

14 की उम्र में शुरू हुई आदत, 40 में कैंसर, तंबाकू पर आगरा की डरावनी रिपोर्ट

आगरा, एजेंसी। अरे, एक कश में कुछ नहीं होता। दो दाने खाकर तो देखो...मजा आ जाएगा। ऐसे ही शौकिया तंबाकू-सिगरेट शुरू की, फिर चस्का लगा और 8-10 साल में एक पाउच से संख्या बढ़कर प्रतिदिन तंबाकू के 6-10 पाउच तक पहुंच गई। एसएन मेडिकल कॉलेज के कैंसर रोग विभाग की ओर से 614 मरीजों (126 महिला और 488) पर किए गए अध्ययन में 77 फीसदी तंबाकू (गुटखा, खैनी) के लती मिले, जो रोजाना 6-10 पाउच तंबाकू खाने वाले थे। नतीजतन, जीभ-गाल और फेफड़े में कैंसर बन गया। अध्ययय में शामिल 26.3 फीसदी लोग (143) बीडी-सिगरेट और 25.1 फीसदी (154) दोनों का उपयोग करते थे। इनमें 40 साल से कम उम्र के 31 फीसदी मरीज रहे। 16 फीसदी में गुटखा और 27 फीसदी में बीडी-सिगरेट का शौक मिला। इन लोगों ने 14-18 की उम्र में पहली बार तंबाकू-सिगरेट का सेवन शुरू किया था। इसके बाद लत लग गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विस्थापित परिवारों व पूर्व सैनिकों को सौंपे भूमिधरी अधिकार पत्र, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया लाभान्वित

बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनपद बिजनौर के विकास खंड अफजलगढ़ स्थित ग्राम आलमपुर गांवड़ी में आयोजित एक भव्य जनकल्याणकारी कार्यक्रम में भाग लेते हुए विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और गरीब, किसान, महिला, युवा तथा कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभाजन विभीषिका के दौरान पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए 1645 परिवारों तथा 50 पूर्व सैनिकों एवं पट्टाधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि वर्षों से अपने अधिकारों की प्रतीक्षा कर रहे इन परिवारों को अब भूमि पर वैधानिक स्वामित्व प्राप्त हो गया है। इससे न केवल उनके सम्मान और सुरक्षा में वृद्धि होगी, बल्कि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में भी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार दिलाना है और इस दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वयं सहायता समूह तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रतीकात्मक धनराशि के चेक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। विभिन्न विभागों द्वारा चयनित 11 प्रेरणादायी लाभार्थियों को मंच पर सम्मानित भी किया गया। मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों की सफलता की कहानियों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करके आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित 'विदुर प्रेरणा कैफे' सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की सराहना करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों और लाभार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के अनुरूप कार्य करते हुए विकास की मुख्यधारा से छूटे हुए लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनाना ही सरकार का लक्ष्य है।

भूमिधरी अधिकार पत्र वितरित करने से पूर्व मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। कार्यक्रम में सांसद चंदन चौहान, कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी, राजस्व विभाग के मंत्री सुरेंद्र सिंह, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा क्षेत्राध्यक्ष सिसोदिया, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, विधायक सूची चौधरी, अशोक राणा, ओम कुमार, सुशांत सिंह, पूर्व सांसदों सहित जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया और मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना गया।

पुलिस पर अवैध हिरासत और वसूली का आरोप, सीओ कैराना ने शुरू की जांच

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस पर अवैध रूप से हिरासत में रखकर हजारों रुपये वसूलने का आरोप लगाए जाने के मामले में जांच शुरू हो गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार मामले की जांच कर रहे हैं। सोमवार को क्षेत्राधिकारी कार्यालय से पहुंची पुलिस टीम ने पीड़ित के घर पहुंचकर उसके बयान दर्ज किए।

मोहल्ला खेल निवासी आरिफ पुत्र लतीफ ने मुख्यमंत्री, अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ तथा पुलिस अधीक्षक शामली को भेजे शिकायत पत्र में आरोप लगाया था कि शुक्रवार को पड़ोस में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हुई थी। घटना की सूचना उसने पुलिस को दी थी। बाद में वह इंसानियत के नाते घायलों का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचा था।

आरिफ का आरोप है कि एक पक्ष ने उस पर पुलिस को सूचना देने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट की। इसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां उसके साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया गया तथा थर्ड डिग्री का प्रयोग करते हुए मारपीट की गई। उसका आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उससे 16 हजार रुपये वसूलने के बाद देर रात उसे छोड़ दिया।

पीड़ित ने पिछले दो दिनों से सामाजिक मीडिया पर वीडियो जारी कर मामले में न्याय की मांग की थी। एक वीडियो में उसने प्रदेश सरकार और पुलिस अधीक्षक शामली से कार्रवाई की गुहार लगाते हुए कहा था कि यदि उसे न्याय नहीं मिला तो वह आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर होगा। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने जांच क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार को सौंप दी है। सोमवार को क्षेत्राधिकारी कार्यालय से पहुंची पुलिस टीम ने पीड़ित के घर पहुंचकर उसके बयान दर्ज किए। इस दौरान आरिफ ने पुलिसकर्मियों पर अवैध वसूली और उत्पीड़न के आरोप दोहराते हुए निष्पक्ष जांच तथा न्याय की मांग की।

पीड़ित का कहना है कि यदि उसे न्याय नहीं मिला तो वह आत्मघाती कदम उठा सकता है। वहीं, मामले की जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बहन की हत्या का आरोपी भाई पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। थाना शाहपुर क्षेत्र के गांव आदमपुर में अपनी बहन की गला रेतकर हत्या करने के आरोपी आमिर को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में भर्ती कराया गया।

रविवार को गांव आदमपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई थी। 21 वर्षीय अदीबा की उसके भाई आमिर ने कथित रूप से धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई थी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे थे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अदीबा किसी युवक से फोन पर बातचीत करती थी, जिसे लेकर आमिर नाराज रहता था। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद हुआ और आरोपी ने बहन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अदीबा की मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों के अनुसार अदीबा नौ भाई बहनों में दूसरे नंबर पर थी और अधिकांश समय गांव पलड़ी में अपने दादा के पास रहती थी। रविवार को वह अपने घर आई हुई थी। इसी दौरान घर में कहासुनी हुई, जो खूनी वारदात में बदल गई। मृतका की मां ने पुलिस को बताया था कि आमिर ने अदीबा की गर्दन पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी बुढाना गजेंद्र पाल सिंह तथा थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए।

हत्या के बाद फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गई थीं। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि आमिर शामली रोड स्थित चेयरमैन भट्टे के पास एक बाग में छिपा हुआ है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध को रोककर पूछताछ का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार इस दौरान आरोपी ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी।

आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आमिर के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में भर्ती कराया गया। क्षेत्राधिकारी गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके विरुद्ध हत्या, पुलिस पर फायरिंग, आर्म्स एक्ट तथा अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

100 साल पुराना बरईगढ़ पुल पानी में समाया

निर्माण कार्य की लापरवाही से हादसा, साढ़-बकेवर मार्ग ठप

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में साढ़-बकेवर मार्ग पर रामगंगा नहर में डिफेंस कॉरिडोर के पास बना बरईगढ़ पुल शनिवार की आधी रात पानी के तेज बहाव में बह गया। सौ वर्ष पुराना यह ब्रिटिश कालीन पुल लंबे समय से भीतरगांव ब्लॉक के सीमावर्ती गांवों के जोड़ने के साथ बकेवर, मुसाफा व कुड़नी क्षेत्र के लिए मुख्य लाइफलाइन बना हुआ था। गनीमत रही कि हादसा आधी रात के वक्त हुआ। उस समय पुल पर कोई वाहन निकल नहीं रहा था, अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी।

इस हादसे की मुख्य वजह ठीक बगल में चल रहा नए टू-लेन पुल का निर्माण कार्य है। नए पुल की छत की ढलाई का काम पूरा हो चुका है, जिसके सपोर्ट के लिए नीचे लोहे की बेहद घनी पाइप शटरिंग लगाई गई है। इस शटरिंग की वजह से नहर के पानी का प्राकृतिक प्रवाह रुक गया और सारा दबाव सिमटकर एक ही जगह से होकर निकलने लगा। पानी के इसी अत्यधिक और संकुचित दबाव को पुराना पुल झेल नहीं पाया और ढह गया।

दोनों छोरों पर ईंटों की बैरिकेडिंग

पुल बहने की सूचना मिलते ही साढ़ पुलिस रात में ही आनन-फानन मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने नहर के दोनों छोरों पर ईंटों की बैरिकेडिंग करा दी है और वहां से गुजरने वाले वाहनों को रोक दिया गया है। रूट डायवर्जन न होने के कारण इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप है। सुबह होते ही मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।

मासूम को आठ बार जमीन पर पटका, विचलित करने वाली सीसीटीवी फुटेज देख कांप गई रूह

फिरोजाबाद, एजेंसी। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद की नगर की यादव कॉलोनी में शनिवार दोपहर एक सिरफिरे युवक ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। अपनी रिश्ते की भाभी से शादी करने की जिद पूरी न होने पर आरोपी ने उसके महज डेढ़ साल के मासूम बेटे को सुनसान सड़क पर बेरहमी से आठ बार पटक-पटककर मौत के घाट उतार दिया। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह पूरी वारदात पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

यूपी के फिरोजाबाद की शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में शनिवार दोपहर रिश्ते की भाभी के शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर एक सिरफिरे ने उनके डेढ़ साल के मासूम को सड़क पर आठ बार पटक-पटककर मार डाला। इसके बाद शव को घर के गेट पर छोड़कर भाग गया। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह पूरी वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बच्चे की नानी की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। वहीं हत्यारोपी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक निवासी शेखूपुर, बदायूं को पुलिस ने रात साढ़े आठ बजे भुड़ा भरतरा रोड पर हुई मुठभेड़ में दबोच लिया। यूपी के फिरोजाबाद की शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में शनिवार दोपहर रिश्ते की भाभी के शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर एक सिरफिरे ने उनके डेढ़ साल के मासूम को सड़क पर आठ बार पटक-पटककर मार डाला। इसके बाद शव को घर के गेट पर छोड़कर भाग गया।रोंगटे खड़े कर देने वाली यह पूरी वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बच्चे की नानी की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। वहीं हत्यारोपी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक निवासी शेखूपुर, बदायूं को पुलिस ने रात साढ़े आठ बजे भुड़ा भरतरा रोड पर हुई मुठभेड़ में दबोच लिया। दोपहर ढाई बजे के करीब का वक्त था। यादव कॉलोनी की सड़कें सुनसान थीं, तब हत्यारा विराज मासूम आरव को गोद में लेकर बाहर निकला था। रती ने बताया कि जब काफी देर तक बच्चा वापस नहीं आया, तो वे गेट पर गई जहां मासूम का शव पड़ा था।

शोर मचने पर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हुए और तुरंत पास ही लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में जो दिखा, उसे देखकर हर किसी की रूह कांप गई। सिरफिरा युवक मासूम को हवा में उछालकर सड़क पर पत्थरों की तरह पटक रहा था। उसने एक के बाद एक आठ बार बच्चे को पटका। यह खौफनाक मंजर देखकर मौके पर मौजूद महिलाओं और परिजनों की चीख निकल गई। हर कोई आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा था। शनिवार को रती अपनी मां पिंकी देवी के साथ पति पर केस दर्ज कराने के सिलसिले में कानूनी राय लेने शिकोहाबाद के एक अधिवक्ता के पास गई थीं। अधिवक्ता से मिलने का समय शाम का होने के कारण वह यादव कॉलोनी स्थित अपनी मां की सहेली पुष्पलता के घर रुक गईं।

एकेटीयू में टैबलेट से लगेगी हाजिरी, नहीं हो सकेगी गड़बड़ी

परीक्षा में सुधार को एआई का होगा प्रयोग

लखनऊ, एजेंसी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अपनी परीक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का प्रयोग करेगा। इसके तहत अब परीक्षा केंद्र पर टैबलेट से छात्र-छात्राओं की हाजिरी लगेगी। इससे गड़बड़ियों पर रोक तो लगेगी ही वहीं अगर कोई भी विद्यार्थी प्रवेश पत्र नहीं लेकर आया है तो भी वह परीक्षा से रोका नहीं जाएगा।

पिछले दिनों नोएडा के एक केंद्र पर क्रिडेंशियल के दुरुपयोग का मामला सामने आने के बाद एकेटीयू ने परीक्षा में एआई के प्रयोग का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने अपने यहां सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (कैस) में एमटेक द्वितीय सेमेस्टर में इसका प्रयोग शुरू किया है।

मैचिंग एआई टूल के माध्यम से की जा रही

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इसके तहत परीक्षा कक्ष में प्रत्येक विद्यार्थी की हाजिरी टैबलेट के माध्यम से कराई जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत टैबलेट में विद्यार्थी के प्रवेश पत्र का पूरा डाटा पहले से अपलोड होता है, ऐसे में जैसे ही हाजिरी लगाई जाती है, डाटा मैच हो जाता है। यह मैचिंग एआई टूल के माध्यम से की जा रही है। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है।उन्होंने कहा कि अब इस प्रणाली के माध्यम से किसी छात्र की जगह कोई और परीक्षा नहीं दे सकेगा। अगर छात्र की फोटो नहीं मिलेगी तो तुरंत इसकी जानकारी संबंधित परीक्षक को मिल जाएगी। वहीं छात्रों की उपस्थिति का डाटा तुरंत ऑनलाइन विश्वविद्यालय प्रशासन को मिल जाएगा। वह तुरंत इसकी मॉनीटरिंग कर सकेगा। इतना ही नहीं अगर छात्र किसी वजह से अपना प्रवेश पत्र भूल भी गया है तो उसे परीक्षा से रोका नहीं जाएगा।

शुरुआत एमटेक परीक्षा से की जा रही

इस डाटा से मिलान करके उसे परीक्षा में शामिल किया जाएगा। अभी तक परीक्षा में बायोमीट्रिक हाजिरी की व्यवस्था है। प्रो. पांडेय ने कहा कि आगे छात्र कभी भी चेक कर सकेगा कि उसकी हाजिरी लगी है या नहीं। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत एमटेक परीक्षा से की जा रही है। इसका ट्रायल सफल होने पर हम इसे बीटेक की परीक्षा व अगले सत्र से पूरी परीक्षा में इसका प्रयोग करेंगे।

कॉपियों में पेज संख्या कम करने की प्रक्रिया शुरू

विश्वविद्यालय के एसोसिएट डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर परीक्षा में कॉपियों के पेज कम करने की पायलट शुरुआत एमटेक परीक्षा से कर रहे हैं। इसके तहत कॉपियों के पेज 32 से 24 किए गए हैं। आठ पेज की सप्लीमेंट्री कॉपी दे रहे हैं। आगे इसे और कम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे चलकर हम टैबलेट में छात्रों की परीक्षा लेंगे। इसका ट्रायल भी जल्द शुरू किया जाएगा।

छोटा हरिद्वार की व्यवस्थाओं पर जिलाधिकारी सख्त, औचक निरीक्षण कर दिए सुधार के निर्देश

मुरादनगर/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने मुरादनगर स्थित गंग नहर (छोटा हरिद्वार) क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधाओं तथा क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने गंग नहर क्षेत्र में साफ सफाई की स्थिति का अवलोकन किया और नगर पालिका परिषद मुरादनगर के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जहां कहीं भी मरम्मत कार्य लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक शौचालयों तथा महिला स्नानागारों के निर्माण के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आकर्षक वॉल पेंटिंग एवं आधुनिक लाइटिंग के माध्यम से छोटा हरिद्वार क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की योजना को तेजी से आगे बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि यह स्थल धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित किया जाना चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए

जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति पुल या अन्य असुरक्षित स्थानों से गंग नहर में छलांग न लगाए तथा प्रतिबंधित और असुरक्षित स्थानों पर स्नान न करे। उन्होंने अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने तथा लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि दुर्घटनाओं और जनहानि की संभावनाओं को रोका जा सके।

जल पुलिस को भी निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में कर्मियों की नियमित तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति या दुर्घटना की स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य उपलब्ध होना चाहिए, जिससे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गंग नहर स्थित मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर के पुजारी, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। लोगों द्वारा बताई गई समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मोदीनगर, थाना प्रभारी मुरादनगर, नगर पालिका परिषद मुरादनगर के अधिशासी अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने तथा छोटा हरिद्वार क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधायुक्त धार्मिक स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

लोनी में जीडीए का बड़ा एक्शन: मीरपुर हिन्दू और इलायचीपुर में 40 हजार वर्ग मीटर में कट रही अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने लोनी क्षेत्र में अवैध निर्माण और बिना नक्शा पास कराए काटी जा रही कॉलोनियों पर सोमवार को कड़ा प्रहार किया। प्रवर्तन जोन-8 की टीम ने लोनी के ग्राम मीरपुर हिन्दू (सैनिक विहार कॉलोनी) और ग्राम इलायचीपुर में करीब 40,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान निर्माणकताओं ने भारी विरोध किया, लेकिन पुलिस बल की सख्ती के आगे उनकी एक न चली।

200 भूखंडों की बाउंड्रीवॉल और सड़कें जमींदोज

जीडीए उपाध्यक्ष के सख्त निदेशों पर कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन जोन-8 की टीम ने यह अभियान चलाया। उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 के तहत की गई इस कार्रवाई में अवैध कॉलोनी के अंदर काटे गए लगभग 200 भूखंडों (प्लॉट्स) की बाउंड्रीवॉल और वहां बनाई गई पक्की सड़कों को पूरी तरह से उखाड़ दिया गया।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में थमा विरोध

अवैध निर्माण ढहाने पहुंची जीडीए की टीम को देखकर स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजर्स ने हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को बिगड़ता देख मौके पर मौजूद प्राधिकरण के पुलिस दस्ते और क्षेत्रीय पुलिस बल ने तुरंत मोर्चा संभाला। पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए हंगामा कर रहे लोगों को नियंत्रित किया, जिसके बाद ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई बिना

किसी बाधा के पूरी की गई।

इस पूरे अभियान के दौरान प्रवर्तन जोन-8 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस दस्ता और क्षेत्रीय पुलिस बल मौके पर मुस्तैद रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में आगे भी अवैध निमाणों के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत यूपीएससी, पीसीएस, नीट एवं जेईई की निःशुल्क कोचिंग हेतु विषय विशेषज्ञों से आवेदन आमंत्रित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत जनपद गौतमबुद्धनगर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीसीएस), पीसीएस-जे, नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराने हेतु विषय विशेषज्ञों, अतिथि व्याख्याताओं एवं प्रवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों का पैनल तैयार किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि सिविल सेवा एवं पीसीएस-जे परीक्षाओं की तैयारी के लिए भूगोल, इतिहास (भारत एवं विश्व), भारतीय समाज, भारतीय राजव्यवस्था एवं सुशासन, अंतरराष्ट्रीय संबंध, भारतीय अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा, नीतिशास्त्र, यूपीपीसीएस पेपर-5, यूपीपीसीएस पेपर-6, हिंदी, सी-सैट तथा समसामयिक विषयों के विशेषज्ञों की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इन विषयों के लिए विश्वविद्यालयों एवं राजकीय डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों के साथ-साथ ऐसे अभ्यर्थियों को भी प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने आईएएस मुख्य परीक्षा, पीसीएस साक्षात्कार अथवा दो बार पीसीएस मुख्य परीक्षा में भाग लिया हो। चयन विषय विशेषज्ञ चयन समिति की संस्तुति के आधार पर किया जाएगा। नीट एवं जेईई परीक्षाओं की तैयारी के लिए वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं गणित विषयों के विशेषज्ञों की आवश्यकता है। नीट के लिए संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी से एमएससी अथवा एमबीबीएस तथा जेईई के लिए संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी से एमएससी अथवा एमटेक डिग्री धारकों का चयन अतिथि व्याख्याता के रूप में किया जाएगा।

इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र, जीवनवृत (सीवी), अनुभव प्रमाण पत्र तथा शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियों सहित 15 जून 2026 तक जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा के कक्ष संख्या 116 एवं 117 में वरिष्ठ सहायक सारांश श्रीवास्तव के माध्यम से जमा कर सकते हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि अतिथि व्याख्याताओं एवं विषय विशेषज्ञों का चयन तथा पर्यवेक्षण शासनादेश के अनुसार गठित समिति द्वारा किया जाएगा। चयनित व्याख्याताओं को प्रति 90 मिनट के व्याख्यान के लिए 2,000 रुपये का मानदेय प्रदान किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के कोर्स समन्वयक दिपांशु सिंह से मोबाइल नंबर 8800770498 पर संपर्क किया जा सकता है।

भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक में किसानों की समस्याओं पर हुई चर्चा

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान संघ की ओर से सोमवार को गांव साबौता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके शीघ्र समाधान की मांग उठाई गई। बैठक की अध्यक्षता खंड अध्यक्ष दीपक नंबरदार ने की, जबकि संचालन खंड मंत्री ललित ने किया। बैठक में जिला महामंत्री डॉ. उमेश शर्मा ने किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए यमुना विकास प्राधिकरण की भूमि अधिग्रहण नीति को किसानों के हित में पारदर्शी ढंग से लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा तथा 7 प्रतिशत आवासीय भूखंडों का वितरण जल्द से जल्द किया जाना चाहिए।

डॉ. उमेश शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान संघ व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की होगी। बैठक में किसानों की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर संगठन की आगामी रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी अनुराग त्यागी, जिला अध्यक्ष योगेंद्र त्यागी, जितेंद्र कुमार, राहुल, भूपेश, रिंकू पंडित, देवदत्त शर्मा, कांत शर्मा, मुकुल शर्मा, देशराज सिंह, शिवकुमार, रविंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र छात्राओं का हुआ सम्मान, 20 विद्यार्थियों को मिले 21-21 हजार रुपये

शामली (शिखर समाचार)। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपद के मेधावी छात्र छात्राओं को सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह का मुख्यमंत्री का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

समारोह में एमएलसी वीरेंद्र सिंह, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, जिलाधिकारी आलोक यादव, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी प्रेमचंद, जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या लक्ष्मी जायसवाल, डॉ. अमित मलिक सहित शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में मेधावी छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि परिश्रम का फल कभी व्यर्थ नहीं जाता और जीवन

में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों का पहला गुरु बताते हुए उनके योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने और मुख्यमंत्री के संदेश से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम और अनुशासन के बल पर विद्यार्थी अपने परिवार, जनपद और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि शिक्षा समाज और परिवार की उन्नति का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी आलोक यादव ने मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में जनपद स्तरीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले हाईस्कूल के 10 तथा इंटरमीडिएट के 10 छात्र-छात्राओं सहित कुल 20 मेधावियों को 21-21 हजार रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गन्ना नियंत्रण मसौदा आदेश वापस होने पर किसानों और खांडसारी उद्योग ने जताया आभार

शामली (शिखर समाचार)। केंद्र सरकार द्वारा गन्ना (नियंत्रण) मसौदा आदेश-2026 को वापस लिए जाने के निर्णय का किसानों, खांडसारी उद्योग, कोल्हू संचालकों और व्यापारियों ने स्वागत करते हुए इसे किसान हित में लिया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका कहना है कि प्रस्तावित आदेश के कुछ प्रावधानों से किसानों को गन्ने का बेहतर मूल्य मिलने की संभावनाएं प्रभावित हो सकती थीं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उद्योगों पर अतिरिक्त नियमों का बोझ बढ़ने की आशंका भी थी। राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में खांडसारी उद्योग, मंडी व्यापार मंडल तथा कोल्हू उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि गन्ना नियंत्रण मसौदा आदेश की वापसी किसानों, ग्रामीण उद्योगों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम

उद्यम क्षेत्र तथा व्यापारिक समुदाय के हित में लिया गया सराहनीय निर्णय है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से गन्ना उत्पादक किसानों और उससे जुड़े उद्योगों को राहत मिली है। कार्यक्रम में मंडी व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार संगल, सचिव अरुण देशवाल, पवन संगल, प्रमोद कुमार, राजीव कुमार संगल, चौधरी सतबीर सिंह, डॉ. रजत देशवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान वक्ताओं ने भविष्य में गन्ना क्षेत्र से संबंधित किसी भी नीतिगत निर्णय से पहले किसानों, उद्योग संचालकों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक संवाद स्थापित किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों और उद्योग जगत की राय को प्राथमिकता देकर ही संतुलित और व्यवहारिक नीतियां बनाई जा सकती हैं।

सूर्या चौहान हत्याकांड : असद के परिवार को 15 दिन में मकान खाली करने का नोटिस, अन्यथा होगी कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद प्रशासन एक ओर जहां जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से खोड़ा कॉलोनी निवासी सरोज, पत्नी कौशलेन्द्र सिंह चौहान को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनके पुत्र स्वर्गीय सूर्या चौहान का 28 मई 2026 को निधन हो गया था। परिवार के भरण पोषण एवं आर्थिक संबल के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पांच लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई। यह सहायता जिलाधिकारी गाजियाबाद की संस्तुति पर प्रदान की गई है। स्वीकृत धनराशि का चेक उपजिलाधिकारी सदर अरुण दीक्षित द्वारा लाभार्थी को सौंपा गया। प्रशासन ने आशा व्यक्त की कि यह सहायता राशि परिवार को कठिन समय में आर्थिक सहारा प्रदान करेगी। उधर, राजस्व विभाग की जांच में ग्राम खोड़ा, परगना लोनी, तहसील सदर स्थित खसरा संख्या-70 की सरकारी बंजर भूमि पर नवाब नामक व्यक्ति द्वारा अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। इस पर उपजिलाधिकारी सदर ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 136 के तहत संबंधित

व्यक्ति को नोटिस जारी करते हुए 15 दिनों के भीतर स्वयं कब्जा हटाने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि के भीतर अवैध कब्जा नहीं हटाए जाने पर प्रशासन द्वारा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा तथा कार्रवाई में होने वाले व्यय की वसूली भी संबंधित व्यक्ति से की जाएगी। उपजिलाधिकारी अरुण दीक्षित ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कानून एवं राजस्व नियमों के उल्लंघन तथा सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर अभद्र टिप्पणियां कर युवती को दी जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के एक गांव की युवती को सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती अपने परिवार के साथ रहती है तथा उसका इंस्टाग्राम खाता संचालित है। आरोप है कि एक अज्ञात इंस्टाग्राम खाते से युवती की पोस्ट पर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियां की गईं। इतना ही नहीं, टिप्पणियों के माध्यम से उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पूर्व में उसके भाई की हत्या हो चुकी है, जिसके संबंध में मुकदमा दर्ज है। ऐसे में सामाजिक माध्यम पर मिली धमकी से वह और उसका परिवार भयभीत है। पीड़िता का आरोप है कि अज्ञात खाते से लगातार मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात इंस्टाग्राम खाता संचालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है तथा धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सामाजिक माध्यमों के दुरुपयोग और किसी व्यक्ति को धमकी देने के मामलों को गंभीरता से लिया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद दोषी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर बाईपास पर एक दूध के टैंकर और मोटरसाइकिल की टक्कर में बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पत्नी की तहरीर पर टैंकर संख्या के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि मुजफ्फरनगर जनपद के बहलोलपुर गांव निवासी रीना देवी अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनकी ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार 28 मई को उनके पति पुष्पेंद्र मोटरसाइकिल से घोड़ी गांव से लालकुआं की ओर जा रहे थे। जब वह कोतवाली दादरी क्षेत्र के बाईपास स्थित एक ढाबे के समीप पहुंचे, तभी एक दूध के टैंकर से उनकी मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। दुर्घटना में पुष्पेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। मृतक की पत्नी रीना देवी ने टैंकर संख्या के आधार पर कोतवाली दादरी में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

साइबर ठगी के शिकार दो पीड़ितों को 16 हजार रुपये वापस दिलाए गए

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र के दो साइबर ठगी पीड़ितों को पुलिस ने राहत दिलाते हुए उनके खातों में 16 हजार रुपये वापस करवाए हैं। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ितों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान ने बताया कि साइबर ठगों ने धौलाना निवासी अशोक के बैंक खाते से 46 हजार 700 रुपये तथा उपेन्द्र के खाते से 2 हजार रुपये की ठगी कर ली थी। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित पेमेंट गेटवे के माध्यम से धनराशि की रिकवरी का प्रयास किया। पुलिस की कार्रवाई के परिणामस्वरूप

दोनों पीड़ितों के खातों में कुल 16 हजार रुपये वापस करवा दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराध से संबंधित मामलों में त्वरित शिकायत दर्ज कराने पर धनराशि वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही लोगों से ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या संदेश पर व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी साझा न करने की अपील की गई है।

महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ सपा का प्रदर्शन, भैंसा बुग्गी जुलूस को लेकर पुलिस से नोकझोंक

हापुड़ (शिखर समाचार)। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी के सैकड़ों कार्यकताओं ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर के नेतृत्व में सपा कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक भैंसा-बुग्गी पर सवार होकर जुलूस निकाला और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जुलूस जब मेरठ तिराहे पर पहुंचा तो वहां मौजूद क्षेत्राधिकारी नगर वरुण मिश्रा ने धारा-144 लागू होने का हवाला देते हुए जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कार्यकताओं ने अपने प्रदर्शन को जारी रखने की बात कही, जबकि पुलिस प्रशासन कानून-व्यवस्था का हवाला देकर उन्हें रोकने पर अड़ा रहा। कुछ समय तक चले विवाद के बाद कार्यकर्ता अपने-अपने वाहनों से जिला मुख्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार तथा पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता जताते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश सरकार से जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा आम जनता को राहत प्रदान करने की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसपी ने कैराना में किया पैदल मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने रविवार देर रात कैराना नगर में पैदल मार्च किया। इस दौरान उन्होंने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पैदल मार्च के दौरान पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों एवं राहगीरों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की अवांछित घटना को रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा तथा यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। साथ ही लोगों से अपील की गई कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पैदल मार्च के दौरान क्षेत्राधिकारी हेमंत कुमार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक समय पाल अत्री सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संपादकीय

बंगाल का नया सत्ता समीकरण : मंत्रिमंडल विस्तार से उम्मीदें बड़ी, चुनौतियां उससे भी बड़ी

पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक बार फिर ऐसा मोड़ लिया है, जिस पर पूरे देश की नजरें टिक गई हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल का बड़ा विस्तार करते हुए 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। कोलकाता के लोक भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आर. एन. रवि ने मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि प्रशासनिक ढांचे को व्यापक रूप देकर अपने राजनीतिक और विकासात्मक एजेंडे को तेज गति से लागू करना चाहती है।

राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो यह मंत्रिमंडल विस्तार केवल पदों का बंटवारा नहीं है, बल्कि सत्ता के भीतर संतुलन स्थापित करने का एक बड़ा प्रयास भी है। हाल ही में बने नए राजनीतिक समीकरणों के बीच भाजपा नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न क्षेत्रों, जातीय समूहों, सामाजिक वर्गों और राजनीतिक चेहरों को उचित प्रतिनिधित्व देना था। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए कई चेहरे ऐसे हैं जो चुनाव के दौरान पार्टी के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए थे। कुछ अनुभवी नेताओं के साथ साथ नए और युवा चेहरों को भी अवसर दिया गया है। पूर्व क्रिकेटर अशोक डिंडा को मंत्री बनाना भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिससे सरकार लोकप्रिय और जनस्वीकार्य चेहरों को आगे बढ़ाने का संदेश देना चाहती है। मंत्रिमंडल विस्तार का सबसे बड़ा लाभ प्रशासनिक दृष्टि से दिखाई देता है। जब किसी राज्य में विभागों की संख्या अधिक हो और जिम्मेदारियां सीमित मंत्रियों पर हों, तब निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। अब नए मंत्रियों के आने से विभागों का बेहतर बंटवारा संभव होगा और प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद की जा सकती है। विशेष रूप से ग्रामीण विकास, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार जैसे क्षेत्रों में अलग अलग नेतृत्व मिलने से योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार हो सकता है। भाजपा सरकार जिस परिवर्तन और विकास के वादे के साथ सत्ता में आई है, उसके लिए मजबूत प्रशासनिक टीम की आवश्यकता थी, जिसे यह विस्तार काफी हद तक पूरा करता दिखाई देता है। इसके अतिरिक्त, यह विस्तार राजनीतिक स्थिरता को भी मजबूती दे सकता है। किसी भी नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने विधायकों और समर्थकों की अपेक्षाओं को संतुलित करना होता है। मंत्री पद देकर पार्टी नेतृत्व ने कई प्रभावशाली नेताओं को सरकार में भागीदारी का अवसर दिया है। इससे संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनने की संभावना है। आगामी लोकसभा चुनावों और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए भी यह कदम भाजपा के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार के फायदे जितने स्पष्ट दिखाई देते हैं, उतनी ही गंभीर कुछ चुनौतियां और संभावित नुकसान भी सामने हैं। सबसे पहली चुनौती प्रदर्शन की होगी। जनता ने बदलाव की उम्मीद में सरकार को अवसर दिया है। यदि नए मंत्री अपेक्षित स्तर पर कार्य नहीं कर पाए या विभागों में समन्वय की कमी रही, तो यह विस्तार सरकार के लिए उपलब्धि के बजाय बोझ बन सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

दूर-दृष्टि का लाइसेंस बांटने का ठेका उनको मिला हुआ है, जिनकी पास की नजर भी बेहद कमजोर है!

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

गुटखा प्रतिबंधित फिर भी 42 फीसद बढ़े ओरल कैंसर के मरीज

सनत जैन

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा ओरल कैंसर के मामलों को रोकने के लिए पिछले 12 वर्षों से गुटखा प्रतिबंध लागू कर रखा है। इसके बाद भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या कम होने के स्थान पर साल-दर-साल बढ़ती चली जा रही है। सरकारी दावे और जमीनी हकीकत दोनों एक दूसरे के विपरीत हैं। 1 अप्रैल 2012 को मध्य प्रदेश सरकार ने गुटके पर प्रतिबंध लगाया था, उसके बाद गुटखा कंपनियों ने तुम डाल-डाल हम पात-पात की नीति अख्तियार करते हुए पैकिंग को बदल दिया। पान मसाला और तंबाकू की पैकिंग को अलग-अलग करते हुए ग्राहकों को पान मसाला के साथ तंबाकू के पैकेट को भी साथ में दिया जाने लगा, जिसके कारण सरकार ने जो प्रतिबंध लगाया था वह एक छलावा बनकर रह गया है। सरकार के आदेश पर गुटखा की पैकिंग में यह चेतावनी भी प्रकाशित की जाने लगी कि गुटखा खाना जानलेवा है। इस प्रकार प्रतिबंध लगाते समय जो सरकार ने सोचा था ठीक उसके विपरीत परिणाम देखने को मिल रहे हैं। तंबाकू और पान मसाला की पैकिंग अलग-अलग होने के कारण पहले निश्चित मात्रा में गुटखा के पाउच के साथ मिली हुई तंबाकू आती थी, लेकिन जब से पैकिंग अलग हुई है उसके बाद लोगों ने ज्यादा तंबाकू खाना शुरू कर दिया है, वह अपनी इच्छा के अनुसार पान मसाले में तंबाकू मिला लेते हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल के जो आंकड़े सामने आए हैं उसके अनुसार पिछले 14 वर्षों में ओरल कैंसर के मामले 42 फीसदी तक बढ़ गए हैं। हर साल इसमें वृद्धि देखने को मिल रही है। 2012 में इस अस्पताल में 1836 ओरल कैंसर के मरीज आए थे जो 2025 में बढ़कर 2614 हो गए। यह केवल एक कैंसर हॉस्पिटल का आंकड़ा है। देश में इस बीच में कई कैंसर के नए अस्पताल खुले हैं, उनमें भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। कैंसर हॉस्पिटल और डॉक्टरों द्वारा इस पर चिंता व्यक्त की जा रही है। सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद गुटखा खाने वालों की संख्या पहले की तुलना में और ज्यादा बढ़ी है। पान मसाला और तंबाकू की अलग-अलग पैकिंग होने के कारण तंबाकू बड़े पैमाने पर खाई जा रही है। ओरल कैंसर के मरीज जो गुटखा खाते हैं कुछ समय के बाद उनका मुंह पूरा नहीं खुलता है। तंबाकू में मौजूद हानिकारक नाइट्रोसामाइंस गलों के अंदर की कोशिकाओं के डीएनए को सीधे नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद इसमें ट्यूमर बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। पान मसाला में चूना मुंह की त्वचा को नुकसान पहुंचता है। तंबाकू में मौजूद निकोटिन और कसीनोजेनिक रसायन खून के साथ मिलकर तेजी के साथ ट्यूमर बनाने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं, जिसके कारण ओरल कैंसर के मरीज का मुंह पूरा नहीं खुल पाता है, उसे खाने-पीने में तकलीफ होने लगती है। लगातार दर्द बढ़ता चला जाता है। ऐसी हालत में ओरल कैंसर के मरीज को ठीक कर पाना बहुत मुश्किल होता है। सरकार तरह-तरह के नियम और कानून बनाती है लेकिन उनका पालन कागजों तक सीमित होकर रह जाता है। जमीनी हकीकत ठीक इसके विपरीत होती है। गुटखा के इस कारोबार में भारी पैसा गुटका कंपनी कमाती हैं, जितना गुटका एक नंबर में बिकता है उससे कई गुना ज्यादा गुटका दो नंबर में बिकता है, जिसके कारण सरकार को एक्साइज ड्यूटी और जीएसटी का बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन पान पसंद पान मसाला के नाम पर बड़े पैमाने पर विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया में गुटका कंपनियों के विज्ञापन पहले की तुलना में और भी बढ़ गए हैं। सरकार के पास सही आंकड़े उपलब्ध नहीं होते हैं। गुटखा कंपनियों के इस कारोबार में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की कोई निगरानी नहीं होती है। इसके पास निगरानी करने के लिए पर्याप्त संख्या में अधिकारी और कर्मचारी ही नहीं है। ऐसी स्थिति में खाद्य सुरक्षा के नाम पर गुटखा कंपनियों से वसूली करके यह विभाग आंख मूंद लेता है। गुटका का उत्पादन और विक्रय अघोषित तरीके से होने के कारण पुलिस, आयकर विभाग, जीएसटी, एक्साइज विभाग इत्यादि सभी की मिलीभगत होती है जिसके कारण ओरल कैंसर को रोकने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी प्रयास किए गए हैं वह सब कागजों तक सीमित रह गए हैं।

आईपीएल 26 का खिताब आरसीबी के नाम लेकिन भव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

संजय गोस्वामी

आईपीएल के 2926 के मैच में बिहार के एक 15 वर्ष के लड़के वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल का नाम बैटिंग में चर्चा में है निश्चित रूप अभी तक के क्रिकेट इतिहास में पहली बार इतने कम उम्र के खिलाड़ी ने जाने माने वेस्टइंडीज के ओपनर बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है जो उनके हुनर और मेहनत को दर्शाती है वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और उन्होंने जनवरी 2024 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। वह भारत के सबसे कम उम्र के लिस्ट ए क्रिकेट में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी हैं, और आईपीएल में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी भी हैं उन्होंने चार वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना शुरू किया। प्रारंभ में उन्हें उनके पिता ने प्रशिक्षित किया, और बाद में नौ वर्ष की आयु में उन्होंने समस्तीपुर की एक क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। सूर्यवंशी का संबंध मुजफ्फरपुर जिला से भी गहरा रहा है, जहाँ उन्होंने एक इनडोर स्टेडियम में अभ्यास किया और अपने एक रिश्तेदार के घर पर रहते थे।सूर्यवंशी ने जनवरी 2024 में बिहार की ओर से मुंबई के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, उस समय उनकी आयु 12 वर्ष और 284 दिन थी। इस उपलब्धि के साथ वे बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और भारत के चौथे सबसे कम उम्र के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर बने। उन्होंने युवराज सिंह (15 वर्ष 57 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि अलीमुद्दीन का रिकॉर्ड अब भी कायम है, जिन्होंने 1942-43 सीजन में राजपुताना की ओर से 12 वर्ष और 73 दिन की आयु में पदार्पण किया था।लेकिन जब हम लोग अपने समय 1985 के दौर में खेला करते थे तो वहाँ भी उस समय नए अच्छे क्रिकेटर भी खेला करते थे मुझे याद है कि हम लोग अपने नानी घर नयागांव में खाना खाने के बाद आम के पेड़ के निचे क्रिकेट खेलते थे वहाँ भी ग्राउंड था लेकिन उसमें बहुत अच्छा खेल सिर्फ मनोरंजन के लिए हुआ करता था कुछ वहाँ के लोग देखते और शाबाशी देते थे उस समय ना हेलमेट था ना सही मजबूत जूता और पैड बस काम चल जाता था लेकिन क्रिकेट में बैटिंग और बॉलिंग दोनों करना सभी पसन्द करते थे भले ही स्पिन हो जो ऊपर क्रम के बल्लेबाज होते वो ज्यादातर स्पिन बॉलिंग ही करते ताकि थकान कम हो दरअसल क्रिकेट में दो मुख्य बैटिंग और बॉलिंग और बारी-बारी से होने वाली विधाएँ हैं, जिनमें बैटिंग करने वाली टीम के खिलाड़ी रन बनाने की कोशिश करते हैं, और फील्डिंग करने वाली टीम के बॉलर गेंद को इस तरह फेंकने की कोशिश करते हैं कि बैटर आउट हो जाएँ या रन बनाने से रुक जाएँ।हालांकि विकेटकीपिंग भी बहुत अच्छा होता है क्योंकि हमसे अगर पूछिए तो सबसे मेहनत का काम विकेटकीपिंग का होता है नयागांव से हमलोग छपरा के मैदान से एक अच्छी टीम के साथ खेलने निकलें रात भर खूब प्रैक्टिस किया और 5 बजे सुबह की ट्रेन से 2घंटे में छपरा पहुँच गए वहाँ भी टीम तैयार थी मैदान में बहुत से लोग मैच देखने आए थे हमारी टीम टॉस हार गई और पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया मेरे भाईसाहब और उनके दोस्त ने ओपनिंग की उस समय हम लोगों ने गलब्स पैड बॉल अच्छे क्वालिटी के लिए थे और एक हार्ड प्लास्टिक के कैप को अंदर डालते थे शुरूआत में एक तेज गेंदबाज ने पहली ही बॉल पर बोल्ड कर दिया और उस ओवर में मात्र 3 रन ही बना दूसरे ओवर में एक और विकेट रन आउट हो गया और 5 रन बने फिर 3 ओवर में 1और कैच आउट ठीक बाउंड्री लाइन पर हुआ 5 ओवर में तीन विकेट पर 14 रन था जैसे ही 30 रन पर एक स्टंप आउट हुआ मुझे मौका मिला खेलने का और पहली ओवर में एक कट मारा जो बाउंड्री लाइन पर रोका गया मैं लेफ्ट हैंड से बैटिंग करता था फिर हमने देखा बॉल में बहुत गति है तो छोड़ दिया और कभी वाइड तो कभी विकेटकीपर से छूटता और 4 रन बाई में मिल जाता था फिर एक बॉल आया और गलती से टच हुआ और कैच हुआ इसतरह 30 ओवर के मैच में कुल 102 रन बने दूसरी टीम को बल्लेबाजी के लिए उतरा तो उसके भी विकेट गिरते कभी स्कोर बढ़ता रहा एक समय 94 रन पर 6 विकेट था तो ऐसा लग रहा था मैच हाथ से निकल गया लेकिन हारते देख मुझे बोलिंग दिया और मेरे एक ओवर में दो फूल टॉस बॉल पर दो कैच हुआ और उस ओवर में मात्र 4 रन मिला अब दबाब बैट्समैन पर आया और 8 विकेट गिर चूंके थे अब जीत के लिए 4 रन की जरुरत थी तभी दूसरे गेंदबाज ने तेज बॉल की और एक और विकेट गिरा जो विकेटकीपर के हाथों कैच हुआ और अंतिम बल्लेबाज मात्र एक रन पर एलवीडब्लू आउट हुआ मैच 1 रन से जीत गया फिर वहाँ के विधायक ने ट्राफी दि उस दिन इतना थकने के बावजूद नींद नहीं आया बाद में पटना सिटी कॉलेज में एक ग्राउंड था वहाँ हमलोग दोस्तों के साथ मिलकर खेला करते और मेरी आदत थी बॉल को स्वीप करना कभी शून्य पर आउट कभी 50 रन के ऊपर बन जाता था एक बार पटना के मोनुलहक स्टेडियम में रेलवे और सहकारी विभाग बिहार सरकार ने एक टीम बना कर मैच कराया था जिसमें कपिलदेव, अमरनाथ, सबाकरीम, मनिंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया जो 4 दिन तक चली और मैं वहाँ पहली बार स्टेडियम में मैच देखने गया वह समय था 1987 के विश्वकप से पहले का और मेरे सामने मनिंदर सिंह दिखे और ऑटोग्राफ लिया वहाँ और टीवी में मैच देखने का मजा अलग था बाद में जब 1991 के आसपास टेनिस बॉल का जमाना आया तो खुब मजा आया उसमें छोटे बच्चे से लेकर बड़े सभी खेलते थे मेरी बैटिंग काफी प्रैक्टिस के बाद सुधार हुआ और जब आप प्रैक्टिस करते हैं तो समझ में आता है किसे मारना है टप्पा खा कर कहाँ गिर सकती है और कैसे मारना है हमने एक बात गौर की कि उस समय यदि आईपीएल होता तो कुछ लोग को अवसर मिल सकता था क्योंकि वो सुबह से शाम तक ग्राउंड पर ही समय निकाल देते थे उस समय 1987 के वर्ल्ड कप में ब्लैक एंड वाइट टीवी पर देखने का अलग मजा था गांव में पोर्टबल टीवी होती और बिजली रहे ना रहे कार बैटरी से मैच देख लेते थे अब नए जमाने में क्रिकेट खेल और फैशन दोनों हो गया है लेकिन उस समय क्रिकेट एक खेल था जब 1987 में इंग्लैंड और इंडिया का सेमीफइनल हुआ तो इंडिया जीतते जीतते रह गया 251 रन का टारगेट था और इंडियन बल्लेबाज कभी आउट होते कभी टिके रहते सारी उम्मीद कपिलदेव पर टिकी थी लेकिन 35 रन बनाकर जैसे ही आउट हुए विकेट गिरना चालू हो गया और टीम कुछ रनो के अंतर से हार गई सब जगह मायूसी था सुबह निकला तो कोई चेतन शर्मा की बैटिंग पर अफसोस कर रहा था तो कोई किरण मोरे तो कोई कपिलदेव पर और पुरी दिन यही चर्चा चली उस समय हमलोग पटना के मंगल तालाब और सिटी स्कूल के ग्राउंड में मैच खेलते थे अच्छा मैच होता उस समय बल्ला भी मामलू होता और गेंद भी काफी हार्ड होता था अगर गलती से लगा तो सर फट जाएगा मुझे अच्छा बल्ला खरीदने का मन तो बहुत था लेकिन पैसे की कमी से वो लकड़ी वाला ही चल जाता था बाद में मेरे मामा ने जो कोलकत्ता में रहते थे उन्हें भी क्रिकेट में रूचि थी एक कायदे का बैट खरीदा था कड़ी मेहनत, अभ्यास और बल्लेबाज के खिलाफ कैसे खेलना है, इसके लिए थोड़ी समझदारी–ये सब जरूरी हैं। बिना अभ्यास के आप लाइन और लेंथ पर महारत हासिल नहीं कर पाएँगे, जो बल्लेबाज को हराने की कुंजी है। क्रिकेट में आपकी लाइन और लेंथ की बुनियादी बातें सही होनी चाहिए। गेंद में एक लूप (घुमाव) होना चाहिए। यह लूप–जिसे हम पहले फ़्लाइट कहते थे–लगातार बना रहना चाहिए। समय के साथ, आप इस लूप को बढ़ाते हैं और इसे अपने हिसाब से ढालते हैं। आप पहले बल्लेबाज को एक जगह पर रोकते हैं और फिर अपना जाल बिछाते हैं–और वह धीरे-धीरे उसमें फँस जाता है। लेकिन ये बातें इतनी आसानी से नहीं सीखी जातीं। शीर्ष स्तर तक पहुँचने के लिए सालों-साल की मेहनत लगती है। लाइन, लेंथ और नियंत्रण केवल बहुत ज्यादा कड़ी मेहनत और अभ्यास से ही हासिल किया जा सकता है। कोई भी आपको यह सिखा नहीं सकता। आईपीएल के 2026 के मैच में रॉयल चैलेंजर्र बगलौर जीती तो जरूर है लेकिन गुजरात टाइटन ने कुछ धीमा खेला और रन ज्यादा बना ही नहीं पायी क्योंकि गुजरात टाइटन ने मात्र 154 रन का स्कोर किया जो 20-20 के क्रिकेट में मामूली स्कोर होता है राशिद खान को बाद में लाया गया अगर 2 सरें या तीसरे ओवर में लाते तो 1-2 विकेट जब उस समय गिरते तो दबाब होता और बाद में रोमांचक हो सकता था क्योंकि यह पिच में स्पिन था लेकिन जीत तो जीत है विराट कोहली ने शानदार पारी खेली बाद में मैच एक तरफा हो गया चलो कोई भी जीते टीम तो इंडिया के राज्यों के नाम पर है इसलिए इसमें मनोरंजन हुआ. आर सी बी को जीत की बधाई व शुभकामनायें।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की नई श्रृंखला : आत्मनिर्भर भारत की औद्योगिक शक्ति का नया प्रतिबिंब

विनोद कुमार सिंह

जब देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब यह नई औद्योगिक उत्पादन श्रृंखला नीतिगत निर्णयों,आर्थिक विश्लेषण और औद्योगिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।यह भारत की औद्योगिक शक्ति को समझने का नया मानक बनेगी और आने वाले वर्षों में आर्थिक प्रगति की विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करेगी।यही इस नई श्रृंखला की सबसे बड़ी उपलब्धि और प्रासंगिकता है।

भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था के उस मुकाम पर खड़ा है जहाँ उसकी विकास यात्रा को केवल आंकड़ों से नहीं,बल्कि उन आंकड़ों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी परखा जा रहा है।एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर भारत के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आर्थिक प्रगति को मापने वाले सभी प्रमुख संकेतक समयानुकूल,वैज्ञानिक और यथार्थपरक हों।इसी सोच के अनुरूप सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)की नई श्रृंखला जारी की गई है, जिसका आधार वर्ष 2022-23 निर्धारित किया गया है।

यह परिवर्तन केवल एक तकनीकी या सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलते स्वरूप को समझने और उसे दुनिया के सामने अधिक सटीक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास भी है। नई श्रृंखला भारत के औद्योगिक क्षेत्र में आए व्यापक परिवर्तनों,नई उत्पादन गतिविधियों, तकनीकी नवाचारों और उभरते क्षेत्रों को प्रतिबिंबित करती है।भारत की आर्थिक गतिविधियों में उद्योग क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।कृषि,सेवा और उद्योग–इन तीनों स्तंभों में उद्योग ऐसा क्षेत्र है जो उत्पादन,रोजगार, निर्यात,निवेश और तकनीकी विकास को गति देता है।किसी भी देश की औद्योगिक सेहत को समझने के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक को सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में गिना जाता है।यही कारण है कि नीति-निमार्ता,अर्थशास्त्री,उद्योग जगत, वित्तीय संस्थान और निवेशक आईआईपी के आंकड़ों पर विशेष ध्यान देते हैं।औद्योगिक उत्पादन सूचकांक देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन के स्तर में होने वाले परिवर्तन को मापता है। इसके माध्यम से यह पता चलता है कि उद्योगों की उत्पादन क्षमता किस दिशा में बढ़ रही है, किन क्षेत्रों में तेजी है और कहाँ सुधार की आवश्यकता है।समय के साथ अर्थव्यवस्था बदलती है,उत्पादन के स्वरूप बदलते हैं और नई तकनीकें पुराने उत्पादों का स्थान लेती हैं। ऐसे में सूचकांक की आधार संरचना को भी अद्यतन करना आवश्यक हो जाता है।भारत में आईआईपी की आधार वर्ष श्रृंखला समय-समय पर संशोधित की जाती रही है।इसका उद्देश्य यही रहा है कि देश की वास्तविक आर्थिक परिस्थितियों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित किया जा सके।वर्ष 2011-12 पर आधारित पुरानी श्रृंखला अपने समय के अनुरूप थी, लेकिन पिछले एक दशक में भारत की औद्योगिक संरचना में व्यापक बदलाव आए हैं। आज का भारत मोबाइल फोन निर्माण,इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, अक्षय ऊर्जा, रक्षा विनिर्माण, चिकित्सा उपकरण निर्माण, ड्रोन तकनीक, डिजिटल अवसंरचना और उच्च तकनीकी उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। इन

परिवर्तनों को पुराने आधार वर्ष के माध्यम से पूरी तरह अभिव्यक्त करना संभव नहीं था।नई श्रृंखला इसी आवश्यकता का परिणाम है। आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित यह सूचकांक देश की वर्तमान औद्योगिक वास्तविकताओं के अधिक निकट है। इसमें उन क्षेत्रों को समुचित स्थान दिया गया है जो आज भारत की औद्योगिक प्रगति के प्रमुख वाहक बन चुके हैं।यह नई व्यवस्था न केवल उत्पादन संरचना को अद्यतन करती है, बल्कि आर्थिक विश्लेषण को भी अधिक सटीक बनाती है।नई श्रृंखला की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसमें अनेक नए उत्पाद समूहों को शामिल किया गया है। बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन उत्पादों को स्थान दिया गया है जो आज की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, वैक्सीन,लिथियम- आयन बैटरियां,सीसीटीवी कैमरे, स्मार्ट कार्ड उत्पाद तथा विमानन एवं अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े उपकरण आज भारत की औद्योगिक पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इनका समावेश इस बात का संकेत है कि भारतीय उद्योग पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़कर तकनीक-आधारित और नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है।इसके साथ ही कई ऐसे उत्पादों और गतिविधियों को बाहर किया गया है जिनका आर्थिक महत्व समय के साथ कम हो चुका है।यह परिवर्तन किसी भी सांख्यिकीय प्रणाली के लिए आवश्यक होता है क्योंकि अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर तभी सामने आती है जब उसमें वर्तमान उत्पादन संरचना को उचित महत्व दिया जाए।नई श्रृंखला का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष इसका विस्तृत औद्योगिक दायरा है।पहले जिन गतिविधियों को सीमित महत्व प्राप्त था,उन्हें अब अधिक व्यवस्थित रूप से सम्मिलित किया गया है।जल आपूर्ति,गैस आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन तथा अन्य आधुनिक उपयोगिता सेवाओं को भी औद्योगिक गतिविधियों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा गया है। इससे औद्योगिक उत्पादन का आकलन अधिक व्यापक और वास्तविक होगा।भारत की ऊर्जा संरचना में भी पिछले वर्षों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।सौर ऊर्जा,पवन ऊर्जा और अन्य अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों का विस्तार अभूतपूर्व गति से हुआ है।देश ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है।नई आईआईपी श्रृंखला में ऊर्जा क्षेत्र के वर्गीकरण को अधिक वैज्ञानिक और समसामयिक बनाया गया है।इससे पारंपरिक ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा दोनों की प्रगति का अधिक स्पष्ट आकलन संभव होगा।

खनन क्षेत्र भी भारतीय औद्योगिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है।आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप खनिज संसाधनों का महत्व लगातार बढ़ रहा है।विशेष रूप से दुर्लभ खनिज और रणनीतिक खनिज भविष्य की तकनीकों के लिए अत्यंत आवश्यक माने जा रहे हैं। नई श्रृंखला में खनन गतिविधियों को अधिक विस्तृत दृष्टिकोण से शामिल किया गया है,जिससे इस क्षेत्र के योगदान का बेहतर विश्लेषण किया जा सकेगा।नई आईआईपी श्रृंखला का महत्व केवल सांख्यिकीय सुधार तक सीमित नहीं है।इसका सीधा संबंध सरकार की विकास नीतियों और औद्योगिक रणनीतियों से भी है। जब किसी देश के पास अधिक सटीक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होते हैं, तब नीतियों का निर्माण भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।उद्योगों की वास्तविक स्थिति,क्षेत्रवार विकास और उत्पादन क्षमता का आकलन बेहतर होने से संसाधनों का उपयोग अधिक कुशलता से किया जा सकेगा।वर्तमान समय में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं, विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम,रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को प्रोत्साहन तथा निर्यात वृद्धि की रणनीतियां इसी दिशा में किए जा रहे प्रयास हैं।इन योजनाओं की सफलता का सही मूल्यांकन तभी संभव है जब औद्योगिक आंकड़े भी वास्तविक परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करें। नई आईआईपी श्रृंखला इस आवश्यकता को पूरा करती है।विश्व अर्थव्यवस्था में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच निवेशकों का विश्वास भी सटीक आंकड़ों पर आधारित होता है।घरेलू और विदेशी निवेशक किसी देश में निवेश से पहले उसकी औद्योगिक स्थिति, उत्पादन क्षमता और विकास संभावनाओं का अध्ययन करते हैं।नई श्रृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था की औद्योगिक तस्वीर को अधिक स्पष्ट और विश्वसनीय रूप में प्रस्तुत करेगी,जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत होगा।इसके अतिरिक्त यह परिवर्तन शोधकताओं,अर्थशास्त्रियों और नीति विश्लेषकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।उन्हेंऔद्योगिक विकास की नई प्रवृत्तियों का अध्ययन करने और भविष्य की संभावनाओं का आकलन करने के लिए बेहतर आधार उपलब्ध होगा। इससे आर्थिक अनुसंधान की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

निश्चित रूप से किसी भी नई श्रृंखला के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। पुरानी और नई श्रृंखला के आंकड़ों के बीच तुलनात्मक अध्ययन,दीर्घकालिक रुझानों का विश्लेषण तथा आंकड़ों की निरंतरता बनाए रखना प्रारंभिक चरण में चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन सांख्यिकीय विशेषज्ञों द्वारा अपनाई गई आधुनिक पद्धतियां इस संक्रमण को सुगम बनाने में सहायक होंगी।भारत आज केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं,बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख केंद्र बनकर सामने आ रहा है।विनिर्माण, प्रौद्योगिकी,नवाचार और हरित विकास के क्षेत्र में देश ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उन्हें मापने के लिए भी आधुनिक और विश्वसनीय संकेतकों की आवश्यकता है।नई आईआईपी श्रृंखला इसी आवश्यकता की पूर्ति करती है।वास्तव में यह नई श्रृंखला भारत की औद्योगिक यात्रा का अद्यतन दस्तावेज है।इसमें देश की बदलती उत्पादन क्षमता,तकनीकी प्रगति, औद्योगिक विविधता और आर्थिक आत्मविश्वास की झलक दिखाई देती है।यह केवल आंकड़ों का पुनर्गठन नहीं,बल्कि उस नए भारत का प्रतिबिंब है जो आत्मनिर्भरता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जब देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब यह नई औद्योगिक उत्पादन श्रृंखला नीतिगत निर्णयों,आर्थिक विश्लेषण और औद्योगिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।यह भारत की औद्योगिक शक्ति को समझने का नया मानक बनेगी और आने वाले वर्षों में आर्थिक प्रगति की विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करेगी।यही इस नई श्रृंखला की सबसे बड़ी उपलब्धि और प्रासंगिकता है।
~~~~~~~~~

आज ही किचन से बाहर निकालकर फेंक दें ये 5 चीजें

किचन सिर्फ भूख मिटाने की जगह नहीं है, बल्कि यह हमारे घर में सेहत का मंदिर भी है. लेकिन, फैशन के नाम पर हम एल्युमिनियम, प्लास्टिक और नॉन-स्टिक कोटेड बर्तनों का इस्तेमाल करते हैं, जो हमारे शरीर को जहर दे रहे हैं. हमारे पुरखों के इस्तेमाल किए गए मिट्टी और लोहे के बर्तनों की जगह हम रंगीन प्लास्टिक के बर्तन पसंद करके, हम अनजाने में खुद के लिए कई परेशानियां खड़ी कर रहे हैं. इन बर्तनों से निकलने वाले टॉक्सिन खाने को खराब कर देते हैं और इस तरह धीरे-धीरे हमारी सेहत को कमजोर करते हैं

हमारा किचन एक लैबोरेटरी की तरह है. हम इसमें मौजूद वस्तुओं और सामग्रियों के साथ लगातार प्रयोग करते रहते हैं. इस प्रोसेस में, सुविधा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नॉन-स्टिक पैन पर लगी टेफ्लॉन कोटिंग ज्यादा तापमान के संपर्क में आने पर जहरीली गैसें छोड़ती है और हार्मोनल इम्बैलेंस का कारण बनती है. इसके अलावा, नेशनल हेल्थ रिसर्च सेंटर द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बताया गया है कि प्लास्टिक के बर्तनों में गर्म चीजें रखने से माइक्रोप्लास्टिक के कण भोजन में मिल सकते हैं, जिससे कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां होने का खतरा पैदा हो सकता है.

वहीं, एक वेबसाइट पर छपी एक स्टडी में कहा गया है कि एल्युमीनियम के बर्तनों में खाना पकाने से खाने में मेटल के छोटे-छोटे कण आ सकते हैं और इससे नर्वस सिस्टम पर असर पड़ सकता है. इसके अलावा, आजकल हम जो माइक्रोवेव ओवन के प्लास्टिक के बर्तन इस्तेमाल करते हैं और सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाले हार्ड केमिकल क्लीनर सांस और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं. खाना पकाने के बर्तनों से लेकर खाना स्टोर करने के तरीकों तक, छोटी-छोटी गलतियां लंबे समय तक चलने वाली बीमारियों की

वजह बन सकती हैं. इसलिए, किचन में इस्तेमाल होने वाली चीजों की क्वालिटी और उनके असर के बारे में पता होना जरूरी है. मिट्टी, पीतल और स्टील के बर्तन, जो जितना हो सके नेचर के करीब हों, इस्तेमाल करने से हमारी सेहत सुरक्षित रहेगी. इस बारे में, आइए जानें हमारे कमरों में मौजूद नुकसानदायक चीजों, उनसे होने वाले नुकसान और उनके विकल्पों के बारे में...

प्लास्टिक की चीजें और कटिंग बोर्ड

हमारे किचन में आधी चीजें प्लास्टिक की बनी होती हैं. जब गर्म खाना प्लास्टिक के कंटेनर में रखा जाता है या प्लास्टिक के चम्मच इस्तेमाल किए जाते हैं, तो ब्क्क (बिस्फेनॉल ,) जैसे नुकसानदायक केमिकल खाने में मिल जाते हैं. इसी तरह, जब सब्जियां प्लास्टिक के कटिंग बोर्ड पर काटी जाती हैं, तो प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खाने में चले जाते हैं. इसलिए, इन कणों के शरीर में जाने का खतरा रहता है. इसलिए, प्लास्टिक की चीजों के बजाय कांच, स्टेनलेस स्टील या लकड़ी से बनी चीजों का इस्तेमाल करना बेहतर है.

खरोंच वाले नॉन-स्टिक पैन

जब नॉन-स्टिक कुकवेयर पर टेफ्लॉन कोटिंग पर खरोंच लग जाती है या वह ज्यादा तापमान के संपर्क में आता है, तो उससे पीएफएएस नाम की जहरीली गैस निकलती है. समय के साथ, ये गैसें हार्मोनल असंतुलन और कई बीमारियों का कारण बन सकती हैं. इसलिए, नॉन-स्टिक कोटिंग के खराब हो जाने के बाद ऐसे कुकवेयर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. इसकी जगह स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल करना बेहतर विकल्प है.

एल्युमिनियम कुकवेयर और फॉइल

एल्युमिनियम, स्वभाव से, एक रिएक्टिव मेटल है. खासकर जब एसिडिक खाने की चीजें जैसे नींबू का रस, टमाटर, या इमली एल्युमिनियम के बर्तनों में पकाई जाती हैं या एल्युमिनियम फॉइल में लपेटी जाती हैं, तो मेटल के कण खाने में मिल सकते हैं और सेहत के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं. इसलिए, एल्युमिनियम के बर्तनों का इस्तेमाल करने के बजाय स्टेनलेस स्टील या मिट्टी के कुकवेयर चुनना सही रहता है.

खाना पकाने के बाद बर्तन धोने के लिए इस्तेमाल होने वाले स्पॉन्ज लगातार गीले रहते हैं, जिससे ऐसा माहौल बनता है जहां ई. कोलाई या साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया पनप सकते हैं। इसलिए, इन स्पॉन्ज को रेगुलर गर्म पानी में भिगोकर साफ करना चाहिए. इन्हें कम से कम हर 15 दिन में बदलना सबसे अच्छा है, या फिर सिलिकॉन स्क्रबर का इस्तेमाल करें.

मेलामाइन टेबलवेयर

आजकल, बहुत से लोग मेलामाइन टेबलवेयर का इस्तेमाल कर रहे हैं. जब इन बर्तनों में गर्म खाना या सूप रखा जाता है, तो इनमें मौजूद केमिकल खाने में मिल सकते हैं. इसलिए, इसके बजाय कांच या सिरेमिक के बर्तन और प्लेट इस्तेमाल करना बेहतर है.

सिर्फ 10 रुपए की छाछ से डैंड्रफ और खुजली होगी छूमंतर, जानिए बालों में इसे लगाने का सही तरीका

आजकल बाल झड़ना आम समस्या बन चुकी है। जिससे महिलाओं से लेकर पुरुष तक परेशान हैं लेकिन टेंशन तब बढ़ जाती है जब बाल तेजी से और हर मौसम में झड़ने लगते हैं। इन समस्याओं के लिए लोग महंगे शैंपू और ट्रीटमेंट पर काफी पैसा खर्च करते हैं, लेकिन बालों की देखभाल के लिए छाछ को एक आसान और असरदार विकल्प माना जाता है। छाछ में मौजूद पोषक तत्व स्कैल्प को साफ रखने और बालों की कई समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं।

छाछ बालों के लिए वरदान

आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक, छाछ में लैक्टिक एसिड, प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन बी और अच्छे बैक्टीरिया पाए जाते हैं। लैक्टिक एसिड एक प्राकृतिक क्लींजर की तरह काम करता है। यह स्कैल्प पर जमी गंदगी, अतिरिक्त तेल और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। जब स्कैल्प साफ रहती है, तो बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषण बेहतर तरीके से पहुंच पाता है। इससे स्कैल्प ज्यादा साफ होती है।

डैंड्रफ और खुजली की समस्या में भी छाछ काफी मददगार

डैंड्रफ और खुजली की समस्या में भी छाछ काफी मददगार मानी जाती है। कई बार स्कैल्प पर फंगल संक्रमण या गंदगी जमा होने की वजह से खुजली और सफेद परत बनने लगती है। छाछ में मौजूद प्राकृतिक एसिड और प्रोबायोटिक तत्व स्कैल्प का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। इससे फंगल संक्रमण कम होता है और खुजली से राहत मिलती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर सप्ताह में एक या दो बार छाछ का इस्तेमाल किया जाए, तो धीरे-धीरे डैंड्रफ की समस्या कम होने लगती है।

सूखे और बेजान बालों के लिए फायदेमंद

आयुर्वेद विशेषज्ञों की मानें तो, सूखे और बेजान बालों के लिए भी छाछ को फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद प्रोटीन और फैट बालों को प्राकृतिक नमी देने में मदद करते हैं। यही वजह है कि छाछ बालों पर एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करती है।

जब बालों में नमी बनी रहती है तो वे ज्यादा मुलायम और चमकदार बनते हैं। खासकर गर्मियों में धूप और पसीने की वजह से बाल जल्दी रूखे हो जाते हैं। ऐसे में छाछ स्कैल्प को ठंडक पहुंचाने का भी काम करती है।

बालों में छाछ लगाने का क्या है सही तरीका ?

एक्सपर्ट्स बताते है कि, बालों में छाछ लगाने का तरीका भी बेहद आसान है। सबसे पहले ताजी छाछ लें। इसके बाद इसे हाथों या कॉटन की मदद से स्कैल्प और बालों की लंबाई पर अच्छे से लगाएं। लगभग 20 से 30 मिनट तक इसे बालों में लगा रहने दें ताकि इसके पोषक तत्व स्कैल्प तक पहुंच सकें। इसके बाद हल्के शैंपू से बाल धो लें।

टैटू से हो सकता है संक्रमण

आजकल युवाओं में टैटू बनाना फैशन के साथ ही स्टेटस सिंबल भी बनता जा रहा है पर क्या आपके इसके खतरे जानते हैं।

टैटू का शौक रखते हैं और नया-नया टैटू बनवाया है तो इसकी खास देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। खासकर 24 घंटे तो इसकी विशेष देखभाल जरूरी है। टैटू आर्टिस्ट भी सलाह देते हैं कि टैटू गुदबाते समय बैक्टिरियल संक्रमण से बचाना बहुत जरूरी है। इनके अनुसार टैटू बनवाने के बाद कई सावधानियों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

24 घंटे तक इस पर पट्टी बंधी होनी चाहिए क्योंकि इतने पर तक इस पर बैक्टैरियल इंफेक्शन हो सकता है। इसलिए टैटू वाली सतह को धूल और हर तरह के इंफेक्शन से बचाने की जरूरत है।

24 घंटे बाद पट्टी हटाने के बाद हल्के ठंडे या गुनगुने पानी से टैटू एरिया को धोना चाहिए। इसे बिल्कुल भी न खरोंचें किसी भी तरह की सक्रैचिंग करने से बचें। अगर 24 घंटे बाद इसमें कुजली होती है तो डॉक्टर को दिखाएं।

पहले तीन दिन तक इसमें प्रोएक्टिव ऑइनमेंट लगाएं। इसके अलावा लोशन और माइश्चराइजर लगाने से भी बचें।

टैटू वाले एरिया पर खुशबू वाला लोशन लगाने से बचें, क्योंकि इसमें अल्कोहल होता है।

इसके अलावा इसे धूप से बचाकर रखें, क्योंकि धूप से टैटू का रंग कमजोर हो जाता है।

फिट रहने के लिए जिम की जरूरत नहीं, बस रोज सीढ़ियां चढ़ने की आदत डाले, मिलेंगे ढेरों फायदे

आजकल होटल हो, ऑफिस हो या फिर शॉपिंग मॉल हम में से ज्यादातर लोग आने-जाने के लिए सीढ़ियों की बजाय लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं। सामने सीढ़ियों का विकल्प मौजूद होते हुए भी हम लिफ्ट के इंतजार में खड़े रहते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार,अगर आप भी ऐसे लोगों की कैटेगरी में आते हैं तो आज से सीढ़ियां चढ़ना शुरू कर दीजिए क्योंकि इसके एक दो नहीं अनेक फायदे हैं। ऐसे में आइए जान लीजिए सीढ़ियां चढ़ने से सेहत को कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं।

सीढ़ियाँ चढ़ना इतना असरदार व्यायाम क्यों है?

सीढ़ियाँ चढ़ना कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का मिलाजुला रूप है हर सीढ़ी आपके ग्लूट्स, क्वाड्स, काफ्स और कोर मसल्स को सक्रिय करती है, जिससे हृदय गति बढ़ती है। थोड़े समय के लिए भी सीढ़ियाँ चढ़ने से कार्डियोवस्कुलर फिटनेस में सुधार होता है, निचले शरीर की ताकत बढ़ती है और कैलोरी बर्न होती है।

पैरों की मांसपेशियां मजबूत

सीढ़ियां चढ़ने के एक नहीं कई फायदे हैं। सीढ़ियां चढ़ना एक बेहतरीन व्यायाम है, जो बिना किसी उपकरण के किया जा सकता है। इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, वजन नियंत्रण में रहता है और शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

नियमित रूप से सीढ़ियां चढ़ने से हृदय स्वस्थ रहता है, ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी संतुलित रहता है। इसके अलावा यह आदत पूरे दिन ऊर्जा से भर देती है। सुबह ऑफिस या घर में सीढ़ियां चढ़कर शुरू किया गया दिन ज्यादा सक्रिय और तरोताजा रहता है।

तनाव कम व मूड बेहतर

विशेषज्ञों का कहना है कि 'एक्टिव बॉडी' बनाए रखने के लिए ऐसी छोटी आदतें बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस छोटी सी आदत से बेहतर हार्ट हेल्थ होती है, ज्यादा एनर्जी और स्फूर्ति मिलती है, पैर और हड्डियां मजबूत होती हैं। वजन नियंत्रण में रहता है, सांस संबंधित समस्याएं दूर होती हैं और तनाव कम व मूड बेहतर होता है।

एनएचएम ने लोगों से अपील की है कि जहां भी संभव हो, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। अगर ऑफिस की मंजिल ज्यादा ऊंची है तो कम से कम कुछ मंजिलें सीढ़ियों से चढ़कर शुरू करें। धीरे-धीरे इस आदत को बढ़ाया जा सकता है।

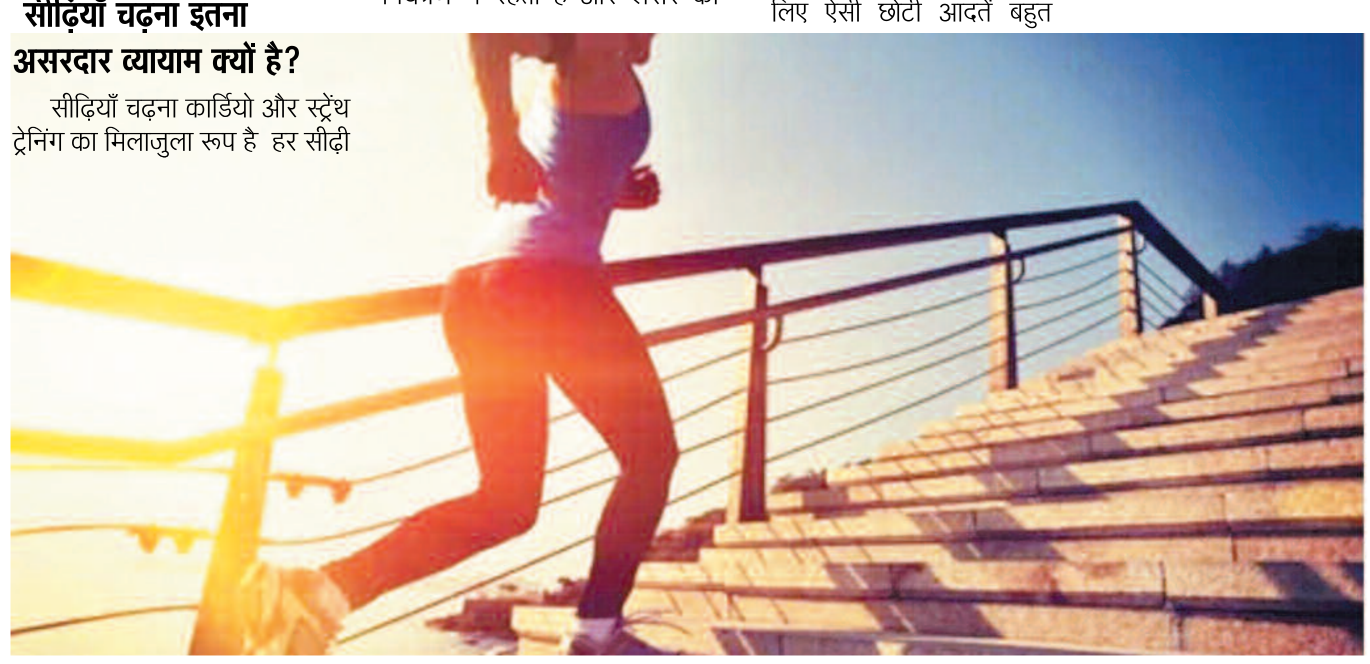

19.50 प्रतिशत चढ़ा मुकुल अग्रवाल के निवेश वाली कंपनी का शेयर, नेट प्रॉफिट 143 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों की कीमतों में आज 19.50 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 143 प्रतिशत बढ़ा है। यही वजह है कि आज कंपनी के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल अग्रवाल का भी निवेश है। उनकी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से अधिक का है। बीएसई में आज सोमवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयर बीएसई में 17199.85 अंक पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 19.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 19189.95 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। जोकि कंपनी के 52 वीक हाई 19439 रुपये के काफी नजदीक है। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 13300 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 27976 करोड़ रुपये रहा है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 59.91 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 143 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 24.57 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 226 प्रतिशत बढ़ा है। एक्सचेंज को दी जानकारी के अनुसार कंपनी ने बताया है कि मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 225.47 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले कंपनी का रेवन्यू 121.91 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार कंपनी के रेवन्यू में 85 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, दिसंबर तिमाही में 155.53 करोड़ रुपये का रेवन्यू रहा था। बता दें, पूरे वित्त वर्ष के दौरान पीटीसी इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट 101 करोड़ रुपये रहा है। एक्सपर्ट बुलिश सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार कॉल दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने 25770 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल महावीर अग्रवाल की हिस्सेदारी 1.07 प्रतिसत है। मुकुल अग्रवाल के पास कंपनी के 160,000 शेयर हैं। शेयरों का प्रदर्शन कैसा है पिछले एक साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में एक साल में 21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। पिछले एक साल में संसेक्स इंडेक्स 8.06 प्रतिशत गिरा है। दो साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 120 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। 10 साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 28258 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

जून 2026 में एक हफ्ता बंद रहेंगे बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी। जून 2026 में बैंक ग्राहकों को अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लेने चाहिए, क्योंकि

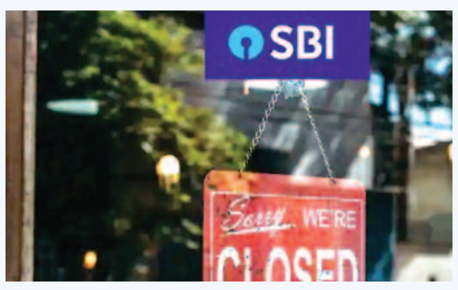

महीने के दौरान विभिन्न छुट्टियों, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के कारण कई दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। बैंक अवकाश की सूची के अनुसार जून में अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और स्थानीय आयोजनों के चलते शाखाएं बंद रहेंगी। महीने की शुरुआत में 7 जून को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 13 जून को दूसरा शनिवार और 14 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। 15 जून को वायएमए डे और राजा संक्रांति त्योहार के अवसर पर आइजोल और भुवनेश्वर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 21 जून को रविवार को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 25 जून को मुहर्रम के कारण विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर अगरतला, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची, श्रीनगर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 27 जून को चौथा शनिवार और 28 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन फिर बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 29 जून को संत कबीर जयंती के अवसर पर शिमला में बैंक अवकाश रहेगा, जबकि 30 जून को रेमना नी के कारण आइजोल में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि,बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम और डिजिटल पेमेंट सर्विस का उपयोग कर सकेंगे। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि नकदी निकासी, चेक जमा करने या अन्य शाखा संबंधी कार्यों की योजना छुट्टियों को ध्यान में रखकर बनाएं।

चीन के जुगाड़ के आगे सब फेल, आंख में धूल झोंककर ले रहा प्रतिबंधित तेल

भारत के लिए मतलब, एक से दूसरे जहाज में ऐसे होता है तेल ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के बढ़ते प्रतिबंधों और समुद्री नाकेबंदी के बावजूद चीन ईरानी तेल खरीदने में कामयाब है। अपने जुगाड़ तंत्र से उसने सारे अमेरिकी इंतजामों को फेल कर दिया है। ईरान पुराने टैंकरों के एक गुप्त नेटवर्क का इस्तेमाल करके चीन को कच्चा तेल भेजकर अरबों डॉलर का ऑयल रेवेन्यू कमा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। चीन की इस खरीद-फरोख्त का भारत के लिए भी मतलब है। रिपोर्ट के अनुसार, मलेशिया के तट से 45 मील दूर समंदर में प्रतिबंधित टैंकर गुप्त रूप से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करते हैं। ईरानी कच्चा तेल उन दूसरे जहाजों में उतार दिया जाता है जो चीनी बंदरगाहों की ओर जा रहे होते हैं। मई की शुरुआत में ऐसे ही एक ट्रांसफर को देखने के बाद बताया कि जहाजों के क्रू सदस्य जहाजों के नाम और पहचान नंबरों को तिरपाल या पेंट से छिपा देते हैं। अक्सर तेल के मूल स्थान को छिपाने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम को बंद कर दिया जाता है। ये ऑपरेशन ईरान की अमेरिकी दबाव का सामना करने की क्षमता के लिए बहुत जरूरी हैं। ईरान के साथ चल रही बातचीत में अमेरिका

तेल प्रतिबंध हटाने से इनकार कर चुका है। अमेरिका ने हाल के महीनों में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की है। टैंकरों और चीनी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रतिबंध लगाए हैं। हिंद महासागर में ईरान से जुड़े कई जहाजों को जब्त किया है। हालांकि, समुद्री विश्लेषकों के हवाले से जर्नल ने बताया कि इस व्यापार को पूरी तरह से रोकने के लिए एक अनिश्चितकालीन सैन्य मौजूदगी और चीन पर लगातार दबाव बनाए रखने की जरूरत होगी। एनर्जी एनालिटिक्स फर्म वोर्टेक्सा का अनुमान है कि लगभग 9 करोड़ बैरल ईरानी तेल नाकेबंदी से बाहर है। इसमें से ज्यादातर पहले से ही रास्ते में है या अपतटीय भंडार में रखा हुआ है। इससे तेहरान को भविष्य में अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि तेल की खेप और पेमेंट में कई महीने लगने के कारण ईरान को शरद ऋतु तक पैसा मिलता रहेगा। चीन आधिकारिक तौर पर 2022 से ईरान से तेल आयात न करने की रिपोर्ट करता है। इसे विश्लेषक आगे के अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों का नतीजा मानते हैं। रिसर्चर्स सैटेलाइट इमेज, रुक-रुक कर मिलने वाले जहाज ट्रांसपोंडर संकेतों और सीमा शुल्क डेटा के जरिये व्यापार पर नजर रखते हैं। इससे पता चलता है कि चीन मलेशिया और इंडोनेशिया से असामान्य रूप से बड़ी मात्रा में तेल आयात कर रहा है।

ईरान ने चीन से तेल में कमाए 31 अरब डॉलर

अमेरिकी-चीनी आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग के अनुसार, इसके बावजूद तेहरान ने पिछले साल चीन से तेल राजस्व के रूप में लगभग 31 अरब डॉलर कमाए। आयोग ने कहा कि चीन ईरान के तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत और ईरानी सरकार के बजट का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा था। इस नेटवर्क को बनाए रखने में चीन की अहम भूमिका है। कई टैंकर-मालिक कंपनियां चीनी शहरों में रजिस्टर्ड हैं। क्रू सदस्य अक्सर चीनी होते हैं। तेल का बड़ा हिस्सा पूर्वी चीन में मौजूद स्वतंत्र 'टीपॉट' रिफाइनरियों तक पहुंचता है। जर्नल ने बताया कि बीजिंग ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी प्रतिबंधों का विरोध किया है। हाल ही में घरेलू कंपनियों को आदेश दिया है कि वे पांच चीनी रिफाइनरियों के खिलाफ अमेरिकी उपायों का पालन न करें।

फिर महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर, 53.50 तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली

में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी कीमत अब दिल्ली में 821.50 रुपये हो गई है। हालांकि घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस तरह देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 53.50 तक की बढ़ोतरी दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 का हो गया है मुंबई में इसकी कीमत 3,067.50 रुपये और चेन्नई में 3,283 रुपये हो गई है 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है

कच्चे तेल की कीमत

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। हालांकि पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई थी और इंडियन ऑयल बास्केट भी 6 मार्च के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया था। लेकिन आज हफ्ते के पहले दिन आज कच्चा तेल फिर उछला है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 2.55 फीसदी यानी 2.32 डॉलर की तेजी के साथ 93.44 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

मोदी सरकार की नई स्कीम, आपकी पूंजी आपका अधिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। आपका पूंजी, आपका अधिकार अभियान : अगर आप या आपके परिवार के किसी सदस्य ने बैंक, बीमा, शेयर मार्केट या म्यूचुअल फंड में पैसा लगाकर भूल गया है। यह पैसा लगाने वाला व्यक्ति जीवित नहीं है तो उन पैसों को आप वापस पा सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने नागरिकों को उनकी भूली-बिसरी और अनक्लेम्ड एसेट्स ढूंढने और वापस पाने में मदद करने के लिए एक साझा जागरूकता पहल शुरू की है जिसका नाम है 'आपका पूंजी, आपका अधिकार'। इसके तहत केंद्र सरकार ने एक वेबसाइट लॉन्च की है, जहां एक ही विंडो से यूजर्स को उपयुक्त नियामकों द्वारा संचालित पोर्टलों पर भेज दिया जाता है ताकि वे बैंक जमा, बीमा, शेयर आदि के क्लेम वापस ले सकें। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस सेवा के लिए किसी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है, यह पूरी तरह मुफ्त है, और इस पर केवल सरकारी नियामकों के आधिकारिक संसाधनों तक पहुंच दी जाती है। बैंकों में पड़ी अनक्लेम्ड जमा रकम कैसे खोजें इस पोर्टल के माध्यम से लोग भारतीय रिजर्व बैंक के उद्गम पोर्टल पर जाकर बिना दावे के बैंक में जमा रकम की खोज कर सकते हैं। यह पोर्टल यूजर्स को उन जमाओं का पता लगाने की सुविधा देता है, जो सहभागी बैंकों में निष्क्रिय हो चुकी हैं या जिन पर दावा नहीं किया गया है। अगर पुराने बचत खाते, आरडी या लंबे समय से निष्क्रिय पड़े खाते अनक्लेम्ड जमा की श्रेणी में आते हैं तो वे सर्च रिजल्ट में दिख सकते हैं।

जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड का आईपीओ 5 जून को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रौद्योगिकी आधारित एंटरप्राइज़ परफॉर्मेंस एवं एनालिटिक्स समाधान प्रदाता जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को शुक्रवार, 05 जून 2026 को खोलने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 54.66 करोड़ जुटाने का है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इस इश्यू का आकार 47,28,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है। आईपीओ का प्राइस बैंड 110 से 116 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग नए उत्पादों के विकास हेतु पूंजीगत व्यय, उधारों के पुनर्भुगतान, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया गुरुवार, 04 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। यह इश्यू शुक्रवार, 05 जून 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 09 जून 2026 को बंद होगा।इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं, जबकि रजिस्ट्रार की भूमिका बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड निभा रहा है।

एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमारा उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करना है। जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राकेश अग्रवाल ने कहा, यह आईपीओ जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पिछले वर्षों में हमने एक परामर्श-आधारित संगठन से विकसित होकर एक प्रौद्योगिकी-आधारित एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में परिवर्तन किया है, जो विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है।

यह आईपीओ केवल पूंजी जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं के विस्तार और बाजार में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग नए उत्पादों और तकनीकी समाधानों के विकास, कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करने, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा में रणनीतिक निवेश करने तथा हमारी दीर्घकालिक विकास योजना को समर्थन देने के लिए किया जाएगा।

चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री रतिराज तिबरेवाल ने कहा-भारत का डिजिटल परिवर्तन और एंटरप्राइज एनालिटिक्स उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका प्रमुख कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड तकनीक, ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को व्यवसायों द्वारा तेजी से अपनाया जाना है। हमारा मानना है कि यह बदलता हुआ परिदृश्य जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड जैसी प्रौद्योगिकी-केंद्रित कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अवसर प्रदान करता है।

125 करोड़ के नए ऑर्डर के साथ सथलोखर सिनर्जीज़ की एफवाय27 ऑर्डर बुक 840 करोड़ के स्तर पर

चेन्नई, एजेंसी। ईपीसी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सथलोखर सिनर्जीज़ ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड को लगभग 125 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) के अतिरिक्त पुष्ट ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी की एफवाय27 के लिए कुल पुष्ट ऑर्डर बुक बढ़कर 840.22 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) हो गई है, जिससे आने वाली अवधि के लिए मजबूत राजस्व दृश्यता सुनिश्चित हुई है। नए प्रोजेक्ट्स औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो कंपनी की मजबूत निष्पादन क्षमता और ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। कंपनी को ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसइजेड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से चेन्नई के रानीपेट स्थित एसआइपीसीओटी पार्क में सिविल और पीइबी निर्माण कार्य का बड़ा ऑर्डर मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 105.37 करोड़ (जीएसटी सहित) है। इस परियोजना में वर्कशॉप भवनों, सहायक संरचनाओं और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण शामिल है, जिसे मार्च 2027 तक पूरा किया जाना है। इसके अलावा, कंपनी को इसी औद्योगिक परियोजना के फेज 1बी के लिए 22.53 करोड़ (जीएसटी सहित) का अतिरिक्त सिविल और पीइबी कार्य ऑर्डर भी मिला है, जिसके फरवरी 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सथलोखर सिनर्जीज़ को सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से महाराष्ट्र स्थित विनिर्माण इकाई में सिविल, पीइबी एमईपी, पाइपलाइन और प्लांट कोऑर्डिनेशन कार्यों के लिए 15.36 करोड़ (जीएसटी सहित) का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह परियोजना सितंबर 2026 तक पूरी होने की संभावना है। कंपनी को श्रीलंका स्थित सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से भी एमईपी कार्यों के लिए लगभग 3.68 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिला है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मजबूत हुई है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उसकी उपस्थिति को बढ़ावा मिलेगा तथा आने वाली तिमाहियों में स्थिर राजस्व वृद्धि और कारोबारी विस्तार को समर्थन मिलेगा।

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। वॉकहार्ट के शेयर सोमवार को बाजार खुलते ही 19 पर्सेंट के जोरदार उछाल के साथ 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। वॉकहार्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने उसकी नोवेल इंट्रावेनस एंटीबायोटिक जैनिच को अमेरिकी मार्केट के लिए मंजूरी दे दी है। यह एंटीबायोटिक वयस्कों में कॉम्प्लीकेटेड यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शंस के इलाज में काम आती है। वॉकहार्ट की इस एंटीबायोटिक को मैजिक पिल या मिरकल ड्रग भी कहा गया है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल

ऑर्गेनाइजेशन ने भी जैनिच के इंपोर्ट और इंडियन मार्केट में इसकी मार्केटिंग को मंजूरी दे दी है।

1425 रुपये से 2400 रुपये के पार पहुंचे शेयर: इंडियन फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक महीने में गजब की तेजी देखने को मिली है। वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयर 4 मई 2026 को 1425.50 रुपये पर थे। फार्मा कंपनी के शेयर 1 जून 2026 को 2420 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयरों में 68 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। अगर पिछले 5 दिन की बात करें तो फार्मा कंपनी के शेयर 45 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 1579 रुपये से बढ़कर 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। फार्मास्युटिकल कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड ने बताया है कि जैनिच को 27 मई 2026 को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से भी मंजूरी मिल गई है।

एंटीबायोटिक को लेकर वॉकहार्ट ने क्या कहा...

फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के मुताबिक, जैनिच फोर्थ जेनरेशन सेफलॉस्परिन सेफेपाइम और जाइडबैक्टम को कंबाइंड करती है और यह एक साथ मई पेंसिलिन-बाइडिंग प्रोटीन्स को टारगेट करती है। इस एंटीबायोटिक को पहले एफडीए से क्वॉलीफाइड इंफेक्शस डिसीज प्रॉडक्ट और फास्ट ट्रैक डेजिग्नेशंस मिल चुका है। यूएस एफडीए का यह अप्रूवल ऐसे समय आया है, जब एंटीमाइक्रोबिएल रेजिस्टेंस एक बड़ी हेल्थकेयर चुनौती बना हुआ है। वॉकहार्ट ने डेटा का हवाला देते हुए बताया है कि अमेरिका में हर साल 2.8 मिलियन से ज्यादा एंटीमाइक्रोबिएल-रेजिस्टेंट इंफेक्शंस होते हैं।

सेबी ने लगाया कंपनी पर 29 करोड़ रुपये जुर्माना, शेयर 4.8 प्रतिशत तक लुढ़का

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में की कीमतों में आज शुक्रवार को करीब 5 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट सेबी की तरफ से लगाई गई पेनाल्टी के बाद देखने को मिली है। मार्केट रेगुलेटर ने सुजलॉन एनर्जी पर 29 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई है। बता दें, बीएसई में आज सुजलॉन एनर्जी के शेयर 56.12 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह स्टॉक 54.40 रुपये के स्तर पर आ गया है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर 15.95 करोड़ रुपये, विनोद आर तांती पर 5.75 करोड़ रुपये और गिरीश आर तांती पर 5.45 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों - कीर्ति जे वागड़ी पर 1.5 करोड़ रुपये और अमित अग्रवाल पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जलॉन एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि वह कंपनी, उसके दो प्रवर्तकों और पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) पर 28.95 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने वाले सेबी के आदेश के खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील करेगी। बीएसई को दी जानकारी में सेबी ने 29 मई, 2026 को एक आदेश पारित किया, जिसमें उसने 27 जून, 2025 को दिए गए एक पूर्व न्यायिक निर्णय को रद्द कर दिया। सुजलॉन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5.6 प्रतिशत घटकर 1,114 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से डिफर्ड टैक्स क्रेडिट में कमी से कंपनी का लाभ घटा है। सुजलॉन ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,181 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। हालांकि, इस तिमाही में कंपनी की ऑपरेटिंग रेवन्यू बढ़कर 5,468 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 3,774 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 3,163 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 2,072 करोड़ रुपये था। पिछले तीन महीने में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

यूक्रेन की कोस्त्युक ने हराया

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन से बाहर

महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले खिलाड़ी पर जुर्माना

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 के विमेंस सिंगल्स में सोमवार को बड़ा उलटफेर हुआ। यूक्रेन की 15वीं वरीय मार्ता कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन और तीसरी वरीय इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया। मुकाबला 1 घंटा 39 मिनट चला।दूसरी ओर महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले पैराग्वे के एडोल्फो डेनियल वायेहो पर जुर्माना लगाया गया है।

पुरुषों में ज्वेरेव जीते, कैस्पर रूड बाहर –पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जेस्पर डी जोंग को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

कोस्त्युक का मैच स्वितोलिना होगा

क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच को हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इस मुकाबले की विजेता ओपन एरा में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली यूक्रेनी महिला खिलाड़ी बनेगी।एक अन्य मैच में रोमानिया की सोराना सिर्स्तेआ ने चीन की वांग शियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर 17 साल बाद रोलां गैरो के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब उनका सामना रूस की मीरा एंड्रीवा से होगा। एंड्रीवा ने जिल टाइखमान को 6-3, 6-2 से हराया।

ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने कैस्पर रूड को 7-5, 7-6 (6), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पीएसजी बना यूरोप का बादशाह, पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर जीता खिताब

एरिना (एजेंसी)। बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए रोमांचक चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया। शूटआउट में

पीएसजी ने 4-3 से जीत दर्ज की। मैच का निर्णायक पल तब आया जब आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगालहेस अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। उनकी यह चूक आर्सेनल पर भारी पड़ गई और पीएसजी ने खिताब जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आर्सेनल ने पीएसजी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में फ्रांसीसी क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ पीएसजी ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतकर यूरोपीय फुटबॉल में अपनी बादशाहत कायम रखी।

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद लिया बड़ा फैसला

नहीं निकलेगी विजय परेड

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय परेड नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा। इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

आरसीबी पर पैसों की बारिश, जीटी भी मालामाल

चैंपियन बेंगलुरु को 20 करोड़,गुजरात को 12.50 करोड़ मिले,वैभव सूर्यवंशी को 5 अवॉर्ड से 45 लाख और कार मिली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का समापन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के साथ हुआ। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास में अपना नाम और भी मजबूत कर लिया। खिताब के साथ-साथ आरसीबी पर इनामी राशि की भी बारिश हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीजन में भी करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की, जिससे शीर्ष टीमों और खिलाड़ियों को बड़ा आर्थिक लाभ मिला।

एक-दो नहीं, वैभव सूर्यवंशी ने जीते 5 अवॉर्ड्स

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से लेकर खत्म होने तक एक नाम जो सुर्खियों में बना रहा वह है वैभव सूर्यवंशी। छोटी उम्र में प्रतिभा के साथ-साथ उसे इस्तेमाल करने की कला ने सूर्यवंशी को कई रिकॉर्ड्स तोड़ने में मदद की और अवॉर्ड्स पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब किया। सूर्यवंशी को एक-दो नहीं बल्कि कुल पांच ऑवर्ड्स मिले जिसमें मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीज़न, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीज़न, ऑरेंज कैप विनर और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन शामिल है। बिहार में जन्मे 15 साल के इस बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के लिए एक शानदार टूर्नामेंट खेला। उन्होंने सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट खत्म किया और 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से कुल 776 रन बनाए। सूर्यवंशी के 72 छक्के एक आईपीएल सीजन में किसी भी अन्य बल्लेबाज से कही ज्यादा है। पिछला रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था जिन्होंने एक आईपीएल सीजन में 59 छक्के लगाए थे।

मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना है, वैभव सूर्यवंशी ने गावस्कर के सामने बताया भविष्य का लक्ष्य

आईपीएल 2026 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर को लेकर बड़ा बयान दिया है। महज 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका अंतिम लक्ष्य सिर्फ टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। आईपीएल 2026 फाइनल के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर से बातचीत के दौरान वैभव ने अपने भविष्य की योजनाओं और लाल गेंद क्रिकेट के प्रति अपने जुनून के बारे में खुलकर बात की।

लाल गेंद से भी कर रहे हैं जमकर तैयारी – वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि लोग उन्हें सिर्फ टी20 क्रिकेट का आक्रामक बल्लेबाज समझते हैं, लेकिन वह लंबे समय से लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहे हैं।उन्होंने कहा, अभी अगला असाइनमेंट वनडे फॉर्मेट में है, इसलिए मुझे मैदान पर जाकर तैयारी करनी होगी।

आईपीएल 2026 अवॉर्ड्स लिस्ट

- फाइनल का 'प्लेयर ऑफ द मैच' - विराट कोहली
- सीजन का 'इमर्जिंग प्लेयर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन का 'सुपर स्ट्राइकर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन के 'सुपर सिक्सेस'- वैभव सूर्यवंशी
- सीजन की ग्रीन डॉट बॉल्स - मोहम्मद सिराज
- सीजन का बेस्ट कैच - मनीष पांडे
- फेयरप्ले अवॉर्ड - पंजाब किंग्स
- पर्पल कैप - कगिसो रबाडा
- ऑरेंज कैप - वैभव सूर्यवंशी
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर -वैभव सूर्यवंशी

व्यक्तिगत पुरस्कारों में छाए वैभव सूर्यवंशी

- ऑरेंज कैप विजेता - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- पर्पल कैप विजेता - कगिसो रबाडा- 10 लाख
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - वैभव सूर्यवंशी- 20 लाख

भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए खुशखबरी

लाइव देख पाएंगे फीफा विश्व कप के मैच, ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर मिला

नई दिल्ली(एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के शुरू होने में दो हफ्तों से भी कम का समय बचा हुआ है। अब आखिरकार टूर्नामेंट को भारत में ऑफिसियल ब्रॉडकास्टर मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने फीफा के साथ विश्व कप के आठ साल के मीडिया राइट्स के लिए समझौता कर लिया है। फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में होना है। 2026 के साथ ही 2030 फीफा विश्व कप का प्रसारण भी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पास रहेगा। इसके साथ ही 2027 और 2031 महिला फीफा विश्व कप के राइट्स भी इसमें शामिल हैं। फीफा और जी डील पक्की हो गई है, लेकिन इसकी कीमत का पता नहीं चला है।

फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें

फीफा विश्व कप 2026 की 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह एक फीफा विश्व कप में टीमों की सबसे ज्यादा संख्या है। टीमों को 4-4 के 12 ग्रुप में बांटा गया है। हर टीम अपने ग्रुप की अन्य तीनों टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में जाएंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। चैंपियन बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा।

युवाओं के लिए सबक है विराट की पारी...

फाइनल में कोहली के तूफान के बाद बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की चौतरफा तारीफ हो रही है। इसी कड़ी में उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कोहली की इस ऐतिहासिक पारी को युवा क्रिकेटरों के लिए एक बेहतरीन सबक बताया है। शर्मा का मानना है कि आईपीएल फाइनल में इस स्टार बल्लेबाज के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सिर्फ अंधाधुंध ताकत का इस्तेमाल ही सब कुछ नहीं है, बल्कि मजबूत तकनीक और धैर्य का भी कोई सानी नहीं है।

अच्छी तकनीक और धैर्य ही सफलता की कुंजी – राजकुमार शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में लंबी रेस का घोड़ा बनने के लिए तकनीक और मानसिक मजबूती सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके पास बेहतरीन तकनीक और मजबूत जज्बा है, और आप दबाव की स्थिति में भी मैदान पर अपना धैर्य नाए रख सकते हैं, तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। यही वह खूबी है जो विराट इतने लंबे समय से अपनी फ्रेंचाइजी के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट टीम के लिए लगातार करते आ रहे हैं। वह आज के युवाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं कि आधुनिक टी20 क्रिकेट को कैसे समझदारी से खेला जाता है।

फाइनल में कोहली का विराट प्रदर्शन – आपको बता दें कि इस फाइनल मुकाबले में जब आरसीबी लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो विराट कोहली ने शुरू से ही मोर्चा संभाल लिया था। उन्होंने मैदान के चारों तरफ क्लासिक क्रिकेटिंग शॉट्स खेले और टूर्नामेंट की अपनी सबसे तेज फिफ्टी भी ठोकी।

- **सिर्फ छक्के मारने का नाम टी20 नहीं** – गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने महज 42 गेंदों पर नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत आरसीबी ने 156 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। कोहली की इस मैच जिताऊ पारी पर खुशी जाहिर करते हुए कोच राजकुमार शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, आज के युवा खिलाड़ियों के लिए विराट की यह पारी एक बड़ा सबक है। युवाओं को यह समझना होगा कि टी20 प्रारूप केवल पावर हिटिंग या हर गेंद पर छक्के मारने तक ही सीमित नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

डैरेन सैमी ने कही ये बात – सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है। कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य घरेलू मैदान को टीम का मजबूत किला बनाना है, जहां विरोधी टीमों के लिए जीत हासिल करना मुश्किल हो। इसके लिए वह चाहते हैं कि पूरी टीम मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करे और जीत में अहम योगदान दे। टीम किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक प्रयास से सफलता हासिल करना चाहती है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है। 3, 6 और 8 जून को श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबलों के बाद दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेंगी, जिसके बाद एंटीगुआ में दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे।

इंजरी के बाद जोसेफ का कमबैक

जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए अपने खेल का स्तर तय करने का अच्छा मौका है।

सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने में खादों व उर्वरकों का एक विशेष स्थान है लेकिन अभी भी किसान भाईयों को खादों व उर्वरकों की सही मात्रा का निर्धारण, देने का समय तथा ढंग के बारे में बहुत कम जानकारी है। गोबर खाद साधारणतया सब्जी फसलों को लगाने से करीब-20-25 दिन पहले खेत में डालनी चाहिये। यदि खेत में नमी कम हो तो गोबर खाद खेत में अच्छी तरह मिलाने के बाद हल्का पानी लगा देना चाहिये। साथ ही यदि खाद कच्ची हो तो 20-25 किग्रा. यूरिया भी प्रति एकड़ देशी खाद के साथ बिखेर देना चाहिये। बेल वाली सब्जियों में गोबर खाद बिजाई के स्थान पर ही देनी चाहिये। इससे खाद भी कम प्रयोग होगी और फसल को लाभ अधिक प्राप्त होगा।

खरीफ सब्जियों में सही खाद से होगा मुनाफा

सब्जी-फसलों में उर्वरकों का मात्रा

सब्जी	गोबर खाद (टन/एकड़)	उर्वरकों की मात्रा (कि.ग्रा./एकड़) यूरिया	सुपर फास्फेट	म्यूरेट ऑफ पोटाश
टमाटर	10	85	150	32
बैंगन	10	85	125	16
मिर्च	10	52	75	20
भिण्डी	10	85	150	–
बेल वाली सब्जियां	4–6			
सेम	4	15	100	–
लोबिया व ग्वार	4–6	22	100	–
अरबी	8–10	100	125	32
शकरकन्द	10	75	250	52

उर्वरकों के देने का समय एवं ढंग

नाइट्रोजन युक्त उर्वरक

नाइट्रोजन का मुख्य कार्य पौधों की वानस्पतिक वृद्धि को बढ़ाना व उसमें हरापन लाना है। नाइट्रोजन के सभी उर्वरक पानी मे घुलनशील एवं भूमि में गतिशील होते हैं। अतः इन उर्वरकों को भूमि एक बार में उतनी ही मात्रा में डालना चाहिये जितनी की उस समय में फसल को इनकी जरूरत हो अन्यथा इनकी बची हुई मात्रा पानी में घुलकर नीचे बह जायेगी या गैस बनकर वातावरण में उड़ जायेगी। नाइट्रोजन उर्वरकों की पूरी मात्रा फसल में दो या तीन बार में देनी चाहिये। इनकी आधी मात्रा बिजाई या रोपाई के समय पौधे के सक्रिय जड़-क्षेत्र में दें तथा बाकी बची आधी मात्रा दो या तीन बार में फसल की जरूरत के अनुसार खड़ी फसल में देनी चाहिये। विशेषकर रेतीली जमीनों में नाइट्रोजन उर्वरक

डालने के बाद भारी पानी न लगायें। यूरिया उर्वरक को तेज धूप में तथा सतह पर न डालें। यूरिया को दोपहर बाद डालें। संभव हो तो हल्की सिंचाई करके जमीन की ऊपरी सतह में मिला दें।

फास्फोरस युक्त उर्वरक

फास्फोरस का उपयोग केवल 15-20 प्रतिशत ही एक फसल द्वारा हो पाता है। इन उर्वरकों को अधिक उपयोगी बनाने के लिये इन्हें जड़ों के पास ही डालना चाहिये। यदि फास्फोरस उर्वरकों को सीडड्रिल द्वारा बिजाई के समय पर डाला जाये तो इनकी उपयोगिता बढ़ जाती हैं। साथ ही जब इस प्रकार के उर्वरकों को नाइट्रोजन के उर्वरकों तथा गोबर खाद के साथ डाला जाता है तो फसल इनको सही मात्रा में ले लेती है और अधिक पैदावार देती है।

पोटाश युक्त उर्वरक

पोटाशयुक्त उर्वरकों के प्रयोग से पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ सब्जियों के गुण जैसे रंग, स्वाद व पौष्टिकता आदि में भी काफी सुधार होता है। इनका प्रयोग भी फास्फोरस की तरह ही पौधों की जड़ों के पास ही करना चाहिये। पौधों को कीड़ों, बीमारियों तथा सूखा से लड़ने के लिये मजबूत बना देते है।

हरी खाद से उपज बढ़ायें

निरंतर फसलें उगाने एवं असंतुलित उर्वरकों के उपयोग से हमारी मृदाओं में जीवांश तत्व एवं सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी हो गई है ऐसी स्थिति में हरी खाद का उपयोग करना सस्ता और सरल तरीका है जिसे किसान भाई आसानी से कर सकते हैं। हरी खाद एक जैविक खाद है जिसमें फसल को हरी अवस्था में पकने से पहले जुताई कर पौधे को मिट्टी में मिला देते हैं जो जमीन में सड़कर जीवांश और पोषक तत्व पैदा करता है। हरी खाद में जितना अधिक पत्तियां एवं शाखायें (हरा तत्व) फसल से मृदा को अधिक मिलेगा उतना ही लाभकारी होगा। इसलिये हरी खाद की खड़ी फसल पर जल विलेय उर्वरक यूरिया फॉस्फेट 17-44 व एनपीके 18-18-18 छिड़काव करेंगे तो उसकी बढ़वार अधिक होगी जिससे कम समय में अधिक वायोमांश (हरा पदार्थ) प्राप्त होगा।

मृदा की उर्वरता बढ़ाने के लिये हरी खाद की फसल में निम्नलिखित गुण होना चाहिये

- फसल शीघ्र अंकुरण एवं बढ़वार वाली होना आवश्यक है जो खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा कर उनको नियंत्रण करें।
- फसल में हरी पत्तियां एवं शाखायें अधिक हों तथा मुलायम हों जो मिट्टी में शीघ्रता से सड़ गल जाये।
- फसल ऐसी हो जिसके लिये अधिक खेत की तैयारी न करना पड़े एवं सभी प्रकार की जमीन में हो सके।
- फसल सूखा एवं अधिक पानी सहन करने की क्षमता रखती हो।

- फसल दो दालवाली हो जो पत्तियों एवं शाखाओं के अलावा जड़ ग्रंथियों में अधिक नत्रजन एकत्रित करें।
- फसल का बीज आसानी से मिल सके तथा अधिक बीज उत्पादन करने वाली फसल हो।
- फसल ऐसी हो जो फसल चक्र में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती हो।
- शीघ्र सड़ने वाली एवं शीघ्र पोषक तत्व प्रदान करने वाली फसल हो।
- फसल ऐसी हो जिसमें कीड़े बीमारी नहीं लगते हों।

उपरोक्त गुणों वाली फसल सनई, ढेंचा, एवं मूंग, उड़द आदि मुख्य फसल हैं जिनका उपयोग हरी खाद के लिये लाभकारी होता है सनई व ढेंचा का बुवाई समय जून-जुलाई सर्वोत्तम है बुवाई में सनई का बीज 50-60 किलोग्राम तथा ढेंचा का बीज 30-40 किलोग्राम प्रति हेक्टर पर्याप्त होता है।

जिन खेतों में धान की फसल रोपाई करना है या सब्जी उगाना है जून-जुलाई में सनई एवं ढेंचा की बुवाई कर दें जब आपकी धान की नर्सरी तैयार होगा तब तक आपका हरी खाद फसल भी तैयार हो जायेगी इसके बाद सनई रोटावेटर चला कर खेत में मिला दें उसके बाद रोपाई के लिये खेत तैयार करें।

हरी खाद से लाभ

- मिट्टी में जीवांश तत्व बढ़ता है जिससे मिट्टी की उर्वरता में बढ़ोतरी होती हो।
- मिट्टी में जीवांश बढ़ने भौतिक व रसायनिक दशा में सुधार होता है जिससे जल धारण क्षमता और वायु संचार अच्छा हो जाता है।
- हरी खाद से नत्रजन प्रचुर मात्रा में तथा अन्य पोषक तत्व मिट्टी में उपलब्ध हो जाते है जिन्हें पौधे द्वारा आसानी से ग्रहण किया जाता है।
- हरी खाद की फसल अंकुरण एवं बढ़वार शीघ्र होती है जिससे खरपतवार नियंत्रण भी हो जाता है।
- खेत में जीवांश अधिक होने से लाभकारी कीट जैसे केंचुआ अधिक पनपते हैं क्योंकि उनका भोजन व आश्रय उपलब्ध होता है।
- मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ने से फसल को लम्बे समय तक जल उपलब्ध होता है जिससे उत्पादन बढ़ता है।
- मिट्टी का भारीपन (वल्क डेन्सिटी) कम होता है।
- मिट्टी की जैविक क्रियायें तेज हो जाती हैं।
- मिट्टी उर्वरता अच्छी होने से पौधों को सभी पोषक तत्व आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

खाने का स्वाद ही नहीं, बल्कि आपकी सेहत भी बनाते हैं रसोई में रखे 5 खास मसाले

भारत अपने मसालों के लिए जाना जाने वाला देश है। यहां के मसालों की दुनियाभर में काफी डिमांड रहती है। इनके बिना आपकी थाली का स्वाद फीका ही रहता है। बता दें, सिर्फ स्वाद ही नहीं, ये मसाले सेहत के लिहाज से भी काफी अहमियत रखते हैं। किचन में आसानी से मिलने वाले ये मसाले भले ही आपको साधारण लगते हों, लेकिन ये आपके पाचन तंत्र के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं इनके फायदे।

दालचीनी-आपको भी अक्सर गैस या अपच की शिकायत रहती है, तो दालचीनी को चाय या खाने में डालकर सेवन करना काफी फायदेमंद रहता है। इससे नेचुरली आपका पाचन तंत्र मजबूत होता है और खाने का स्वाद भी दोगुना हो जाता है।

हींग-एसिडिटी और खट्टी डकारों से अगर आप भी परेशान हैं, तो इसके लिए हींग का सेवन काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। अपच, एसिडिटी और पेट से जुड़ी

तमाम तरह की समस्याओं के लिए ये हींग मददगार साबित होती है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इलाज के लिए काफी कारगर होते हैं।

अजवाइन-अजवाइन का सेवन भी पेट से जुड़ी तमाम तरह की समस्याओं के लिए फायदेमंद होता है। गैस और एसिडिटी ठीक करने के लिए ये काफी कारगर मानी जाती है। इसमें मौजूद थाइमोल तेल, गैस्ट्रिक रस छोड़ता है जिससे एसिडिटी में राहत मिलती है। हर किचन में ये आसानी से मिल जाती है।

अदरक-पाचन प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए अदरक का सेवन बेहद जरूरी माना जाता है। पेट फूलना या ब्लोटिंग जैसी तकलीफों से राहत दिलाने में भी ये काफी उपयोगी होता है। सर्दी-खांसी में भी ये एक रामबाण की तरह काम करता है।

जीरा-जीरे के बिना किसी भी छौंक का स्वाद फीका ही रहता है। भारतीय खान-पान में इसे ज्यादातर डिशेज में शामिल किया जाता है। आप इसे गैस पर सूखा भूनकर भी गर्म पानी से खा सकते हैं। वहीं, सुबह-सवेरे खाली पेट इसके सेवन से डाइजेशन बेहतर होता है।

पिता बनने के बाद जिम्मेदार और विनम्र हो गया हूं, आपको डिप्लोमेसी आनी चाहिए

बात 'सरबजीत' और 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में हैरान कर देने वाले बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की हो या निजी जिंदगी में बेबाकी से अपनी राय रखने की, ऐक्टर रणदीप हुड्डा अपनी जिंदगी में हमेशा ही बेखौफ और रिस्क टेकर रहे हैं। कुछ हद तक अपनी हालिया सीरीज के हीरो 'इंस्पेक्टर अविनाश' की तरह, लेकिन अब यह आजाद परिंदा एक फैमिली मैन, एक नन्ही परी न्योमिका का पिता भी बन चुका है और रणदीप मानते हैं कि पिता बनने के बाद जिंदगी में काफी सारे सकारात्मक और सुखद बदलाव आते हैं।

फादरहुड के बाद आए बदलाव अच्छे हैं

फादरहुड के बाद खुद में आए बदलावों के बारे में रणदीप बताते हैं, 'बदलाव बिल्कुल आए हैं। लाइफ में थोड़ा ठहराव आ गया है। जिम्मेदारी का अहसास बढ़ गया है। अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एक अनकंडीशनल लव के बारे में सोचना और वह सोच खुद आपके अंदर आ

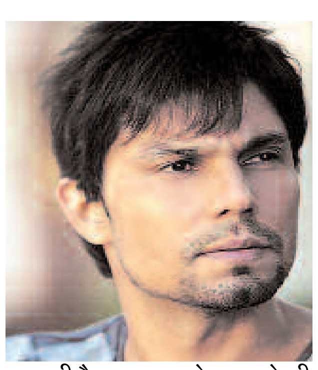

जाती है। अब काम से घर जाने की इच्छा और ज्यादा बढ़ गई है। एक विनम्रता आ गई है। दुनिया के प्रति भी सोच नरम हो गई है तो मेरे लिए बहुत ही समृद्ध करने वाला अनुभव है। हालांकि, अभी मैं वह अनुभव कर ही रहा हूं। अभी मैं नया-नया पिता बना हूं लेकिन निश्चित तौर पर काफी सारे पॉजिटिव बदलाव हैं। मैं खुद को इसके लिए बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं।'

डिप्लोमेसी होनी चाहिए, पर मुझमें नहीं है

अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता और बिंदास एटीट्यूट के लिए मशहूर रहे रणदीप यह भी मानते हैं कि इंसान को जिंदगी में नाप-तौल को बोलना और बर्ताव करना यानी डिप्लोमेसी आनी चाहिए, मगर उनमें यह गुण नहीं है। बकौल रणदीप, 'आपके बेबाक और बिंदास होने के नुकसान भी होते हैं लेकिन दिक्कत यह है कि आप जो नहीं हैं, वह बनकर रहने में ज्यादा मेहनत लगती है। फूंक-फूंक कर बोलने के चक्कर में आप एक झूठ बोलते हैं, फिर हजार झूठ बोलते हैं तो उससे बेहतर है कि सच पर ही रहो। जो लोग आपके साथ काम करना चाहेंगे वे करेंगे।'

कॉप के रोल से बच रहा था

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह यूपी के चर्चित कॉप इंस्पेक्टर अविनाश की भूमिका में काफी सराहे गए, मगर शुरू में उन्होंने यह रोल करने से ही मना कर दिया था। वजह पूछने पर वह बताते हैं, 'दरअसल, मैं कॉप का रोल करने से बच रहा था।

'धुरंधर' के बाद अर्जुन रामपाल का बड़ा धमाका, डीजे टूर का ऐलान

अर्जुन रामपाल ने हाल ही में 'धुरंधर' में अपने नेगेटिव किरदार से शानदार धमाका किया था, और अब वह एक और बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार एक्टिंग नहीं, बल्कि डीजे कंसोल के पीछे से। अर्जुन ने नॉर्थ अमेरिका में अपने डीजे टूर का ऐलान किया है।

कब और कहां परफॉर्म करेंगे अर्जुन रामपाल?

बड़े स्टेज, जबरदस्त एनर्जी और शानदार नाइट्स के साथ अर्जुन अपनी टूर की शुरुआत 28 मई को अटलांटा से करेंगे। इसके बाद 29 मई को सैन फ्रांसिस्को, 30 मई को ह्यूस्टन, 31 मई को डलास, 4 जून को शिकागो, 5 जून को वॉशिंगटन डीसी, 6 जून को न्यूयॉर्क, 7 जून को टोरंटो, 11 जून को वैंकूवर और 13 जून को लॉस एंजेलिस में परफॉर्म करेंगे। अर्जुन ने अपने इंस्टाग्राम पर टूर की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, 'नॉर्थ अमेरिका, अब तुम्हारी बारी है! यूएसए और कनाडा में रैम्पेज टूर अगले हफ्ते शुरू होने जा रहा है, और हम आपके लिए एक यादगार अनुभव लेकर पूरी तरह तैयार हैं।'

अर्जुन रामपाल का वर्कफ्रंट

अर्जुन रामपाल हाल ही में धुरंधर 2 में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने मैजर इकबाल का किरदार निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। इस फिल्म में उनके अलावा रणवीर सिंह, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी लीड रोल में थे।

इंस्पेक्टर अविनाश 2 का रोल मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और एक्शन से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' चर्चा में बनी हुई है। इस सीरीज में अभिनेत्री अकांक्षा पुरी 'मीतू पंजाबी' नाम की एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पहले डांसर होती है और बाद में पुलिस की मुखबिर बन जाती है। उनके अभिनय की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच आकांक्षा ने अपने किरदार, अभिनय अनुभव और रणदीप हुड्डा के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की। अकांक्षा पुरी ने कहा, ''मैं लंबे समय से कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण करना चाहती थी। 'मीतू पंजाबी' का किरदार निडर, मजबूत और भावनात्मक रूप से काफी गहरा है। इस किरदार ने मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका दिया। एक कलाकार के तौर पर मैंने अपने अंदर के मजबूत पहलू को इस किरदार के जरिए महसूस किया।''

आकांक्षा ने कहा, 'मीतू पंजाबी' मेरे अंदर कई तरह की भावनाएं लेकर आई। इस भूमिका को निभाने के लिए मुझे किरदार की भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। इस किरदार ने मुझे खुद का नया रूप खोजने का मौका दिया।''

अकांक्षा पुरी ने अपने सह-कलाकार रणदीप हुड्डा की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''रणदीप हर सीन में पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ अभिनय करते हैं। उनके साथ काम करते समय खुद भी ज्यादा ध्यान और मेहनत के साथ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। वह अपने हर सीन में पूरी सच्चाई लेकर आते हैं। उनके साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा, क्योंकि उनके साथ अभिनय करते हुए आप खुद भी अपने काम में और ज्यादा डूब जाते हैं।''

वहीं सीरीज के निर्देशक नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''रणदीप की मेहनत और काम के प्रति समर्पण देखकर अब मुझे दूसरे कलाकारों से भी वैसी ही उम्मीद होने लगी है।'' नीरज पाठक ने बातचीत के दौरान दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मेरा इरफान खान के साथ बहुत पुराना रिश्ता रहा है। मैंने उनके साथ दूरदर्शन के एक पुराने शो में काम किया था। उस दौरान मैंने उनसे वादा किया था कि जब भी मैं फिल्म बनाऊंगा, उन्हें जरूर उसमें लूंगा।'' नीरज पाठक ने फिल्म 'राइट या रॉन्ग' बनाई थी, जिसमें सनी देओल और इरफान खान दोनों नजर आए थे।

शादी और उम्र पर ट्रोल करने पर भड़कीं शमिता शेट्टी

शिल्पा शेट्टी की बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी उम्र और शादी को लेकर कमेंट करने वाले ट्रोलर्स को कड़ा जवाब दिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए शमिता ने उन लोगों पर निशाना साधा जो सिंगल महिलाओं को ऐज-शेम करते हैं। 47 वर्षीय शमिता ने कहा कि वे शादी करने की किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और अपनी जिंदगी में बेहद फिट और खुश हैं। उन्होंने ट्रोलर्स की पुरुष-प्रधान और पिछड़ी सोच पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तुरंत अनफॉलो करने की सलाह दी है।

कमेंट करने वाले को कहा- बदलाव प्राकृतिक है शमिता शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ट्रोलर की पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें यूजर ने लिखा था कि आपकी उम्र हो गई है और अब पहले वाली बात नहीं रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिता ने लिखा, 'हां, मैं अब अलग दिखूंगी। समय के साथ चीजें बदलती हैं और यह जीवन का प्राकृतिक नियम है। शारीरिक बनावट सहित कुछ भी हमेशा के लिए एक जैसा नहीं रहता। लेकिन अपनी उम्र के हिसाब से मैं पूरी तरह स्वस्थ, फिट और खुश हूं। मेरे लिए सिर्फ यही मायने रखता है।' यूजर ने शमिता की शादी को लेकर भी टिप्पणी की थी कि अगर समय पर शादी कर लेतीं तो आज बच्चे बड़े हो गए होते। इस पर शमिता ने तीखा पलटवार करते हुए पूछा, 'तो? आपने शादी करके क्या उखाड़ लिया है भाई? सबसे जरूरी बात यह है कि आप लोग सिंगल महिलाओं को फॉलो ही क्यों करते हैं? सिर्फ इसलिए ताकि उन्हें ऐज-शेम कर सकें और उन पर अपनी पुरुष-प्रधान और आदिमानव जैसी पिछड़ी सोच थोप सकें? कृपया मुझ पर एक अहसान करें और मुझे तुरंत अनफॉलो कर दें।'

बड़ी बहन शिल्पा शेट्टी से होती है तुलना

शमिता शेट्टी की बड़ी बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी 50 साल की हैं। शिल्पा शादीशुदा हैं और उनका एक 14 साल का बेटा है। शमिता ने पहले भी कई इंटरव्यू में साफ किया है कि वे सिर्फ शादी करने के नाम पर किसी से भी शादी नहीं करना चाहतीं।

फिर साथ दिख सकती है माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की सुपरहिट जोड़ी

हिंदी सिनेमा की मशहूर जोड़ी माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर ने 80 और 90 के दशक में कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर इस जोड़ी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने बताया कि आने वाले समय में माधुरी और अनिल कपूर एक बार फिर एक प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं। सुरेश त्रिवेणी इन दिनों अपनी नई सीरीज 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं। शो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह साल बेहद खास रहा, क्योंकि मुझे एक ही साल में दो बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। एक तरफ मैंने अनिल कपूर के साथ सीरीज 'सूबेदार' में काम किया, वहीं दूसरी तरफ अब मैं माधुरी दीक्षित के साथ 'मां बहन' में काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा अनुभव है।'' सुरेश त्रिवेणी ने माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, 'मैं दोनों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाना चाहता हूं। माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर कमाल लगती है, और अगर मुझे मौका मिला तो मैं जरूर दोनों को साथ लेकर कुछ नया बनाने की कोशिश करूंगा।

सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही कॉमेडी जॉनर में कदम रखना थी

मृणाल ठाकुर अब पहली बार डायरेक्टर डेविड धवन की कॉमेडी दुनिया का हिस्सा बनने जा रही हैं। उनकी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' एक फुल ऑन रोमांटिक-कॉमेडी एंटरटेनर है, जिसमें मृणाल का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अब तक मृणाल को ज्यादातर सीरियस, इमोशनल और थ्रिलर फिल्मों में देखा गया है। लेकिन इस बार वो कॉमेडी और मस्ती से भरी कहानी में नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि अगर उन्हें कॉमेडी जॉनर में कदम रखना था, तो वो सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही करना चाहती थीं। मृणाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'डेविड सर, काश मैं आपसे अपने करियर में बहुत पहले मिली होती। तब शायद मुझे आपके साथ और भी ज्यादा फिल्में करने का मौका मिलता। मेरे मन में तो यही चल रहा था कि सर कम से कम तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए।' एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इस फिल्म में काम करने के बाद उनकी कॉमिक टाइमिंग पहले से काफी बेहतर हो गई है। उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के लिए बेहद खास बताया। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, पूजा हेगड़े, मृणाल ठाकुर और मनीष कॉल पहली बार साथ नजर आने वाले हैं।

मिर्जापुर ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी

दिव्येंदु शर्मा जल्द ही तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' से टॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण भी हैं।

फिल्म की खास बात क्या लगी?

मुझे इस फिल्म में सबसे खास हमारे निर्देशक साहब लगे। जब मैं उनसे मिला, तो मुझे लगा कि मैं बहुत समय बाद किसी ऐसे इंसान से मिल रहा हूं, जो सच में एक कलाकार है और जिसका पूरा ध्यान सिर्फ एक अच्छी और ईमानदार फिल्म बनाने पर है। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरा जो किरदार है। वह इस फिल्म में उनका सबसे पसंदीदा किरदार है और वह चाहते हैं कि उसे मैं ही निभाऊं। उसी समय मैंने लगभग तय कर लिया था कि मैं यह फिल्म करूंगा।

रोल की तैयारी कैसे की थी

अगर तैयारी की बात करूं, तो मेरे लिए हर किरदार की प्रक्रिया लगभग एक जैसी रहती है। सबसे पहले मैं कहानी और अपने किरदार को बहुत ध्यान से पढ़ता हूं। जब आप किसी किरदार को पढ़ते हैं, तो धीरे-धीरे आपके दिमाग में उस इंसान की एक छवि बनने लगती है, वह कैसा होगा, कैसे बात करता होगा, उसकी सोच और व्यवहार कैसा होगा। उसके बाद कोशिश यही रहती है कि उस किरदार को पर्दे पर इस तरह उतारा जाए कि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें और उसे वास्तविक मानें। फिल्म में काम करके काफी मजा भी आया।

राम चरण के साथ काम करके आपको कैसा लगा

राम चरण के साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा। वह बहुत सहज, विनम्र और नर्मदिल इंसान हैं। जब मैं उनसे पहली बार मिला, तो मुझे बिल्कुल महसूस नहीं हुआ कि मैं इतने बड़े स्टार से मिल रहा हूं। उन्होंने कभी भी अपने स्टारडम को काम के बीच नहीं आने दिया और सेट पर हमेशा एक सहयोगी कलाकार की तरह पेश आए। उन्होंने मुझसे कहा कि वह प्यार का पंचनामा के समय से मेरा काम देखते आ रहे हैं।

भाषा पर कितना काम किया?

बिल्कुल, मुझे भाषा पर काफी काम करना पड़ा। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने पूरी तरह तेलुगु भाषा सीख ली, लेकिन अपने डायलॉग्स पर मैंने बहुत मेहनत की। मैं उन्हें बार-बार याद करता था और सही तरीके से बोलने की कोशिश करता था। मेरे पास एक कोच भी थे, जो मुझे बताते थे कि किसी लाइन को सही भाव और उच्चारण के साथ कैसे बोला जा सकता है। उन्हें समझाता था मैंने अपने किरदार को अपने दिमाग में किस तरह बनाया है और मैं किसी संवाद को किस अंदाज में कहना चाहता हूं, ताकि वह उसी हिसाब से मेरी मदद कर सकें। कोच के साथ घंटों प्रैक्टिस करता था।

वेब सीरीज मिर्जापुर ने जिंदगी किस तरह बदली

'मिर्जापुर' ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। उस सीरीज ने मुझे जितना प्यार और सम्मान दिया, वह मेरे लिए बहुत खास है। उसने मेरे अभिनय को देशभर के दर्शकों तक पहुंचाया और लोगों ने मेरे काम को दिल से सराहा। सबसे अच्छी बात यह रही कि सिर्फ दर्शकों से ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के लोगों से भी मुझे बहुत प्यार मिला। उसी सीरीज की वजह से मेरे पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आए और करियर में नए अवसर खुले। इसलिए मैं हमेशा उस शो का शुक्रगुजार रहूंगा।

फिल्मों में कंटेंट ही सब कुछ है

जी हां, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं। आज के समय में सिर्फ बड़ा नाम किसी फिल्म को सफल नहीं बना सकता। दर्शक अब बहुत जागरूक हो गए हैं और वे फिल्म देखने से पहले उसके ट्रेलर, कहानी और प्रस्तुति पर ध्यान देते हैं। अगर लोगों को ट्रेलर और कंटेंट पसंद आता है, तभी वे फिल्म देखने का मन बनाते हैं। उसके बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया और 'वर्ड ऑफ माउथ' बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। लोग एक-दूसरे को बताते हैं कि कौन-सी फिल्म देखने लायक है और कौन-सी नहीं।

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार हादसे में 55 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा मकान तबाह; राहत और बचाव कार्य जारी

यंगून, एजेंसी। म्यांमार के शान प्रांत में हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर चीन सीमा के निकट नामखाम टाउनशिप के काउंग तात गांव में हुआ। विद्रोही संगठन ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि विस्फोट खनन कार्यों के लिए कथित रूप से जमा किए गए विस्फोटक पदार्थों में लापरवाही से हुए धमाके के कारण हुआ। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, विस्फोट ने पूरे गांव में भारी तबाही मचाई है। मृतकों में 25 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि क्षतिग्रस्त इमारतों और तबाह मकानों से शव निकाले जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विस्फोट में 100 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। गांव का एक हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है और अनेक परिवार बेघर हो गए हैं। टीएनएलए के राजनीतिक संगठन पलाउंग स्टेट लिबरेशन फ्रंट ने टेलीग्राम पर जारी बयान में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना की जांच करने की जानकारी दी। संगठन ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों या संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीएनएलए ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियां नुकसान का आकलन करने में जुटी हैं, जबकि बचावकर्मी हादसे में जीवित लोगों की तलाश में अभियान चला रहे हैं।

अब क्या चाहते है ट्रंप?: माउंट रशमोर में जगह पाने की चाह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर की एआई से बनी तस्वीर

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर माउंट रशमोर में अपनी जगह बनाने की बहस को हवा दे दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक एआई से तैयार की गई तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका चेहरा अमेरिका के चार ऐतिहासिक राष्ट्रपतियों के साथ माउंट रशमोर स्मारक पर दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में ट्रंप को जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन के साथ दिखाया गया है। खास बात यह रही कि ट्रंप ने इस तस्वीर के साथ कोई टिप्पणी या संदेश साझा नहीं किया। माउंट रशमोर नेशनल मेमोरियल दक्षिण डकोटा के कीस्टोन स्थित ब्लैक हिल्स क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों पर उकेरा गया एक विशाल स्मारक है। यहां अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपतियों के 60 फुट ऊंचे चेहरे तराशे गए हैं। यह स्मारक अमेरिका के जन्म, क्षेत्रीय विस्तार, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। स्मारक के मूल मूर्तिकार गुटजोन बोर्ग्लम ने इन चार राष्ट्रपतियों का चयन अमेरिका के पहले 150 वर्षों के इतिहास को दर्शाने के उद्देश्य से किया था। जॉर्ज वॉशिंगटन को अमेरिकी गणराज्य की स्थापना और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक माना गया, जबकि थॉमस जेफरसन देश के क्षेत्रीय विस्तार का प्रतिनिधित्व करते हैं। थियोडोर रूजवेल्ट को राष्ट्रीय विकास और वैश्विक मंच पर अमेरिका के उभार के प्रतीक के रूप में शामिल किया गया था। वहीं, अब्राहम लिंकन को अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया।

पीएसजी के चैंपियन बनते ही सुलग उठा फ्रांस: आधी रात को रणक्षेत्र बनीं सड़कें, हिंसा बाद सैकड़ों हुड़दंगी गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग के फाइनल में आर्सेनल को हरा दिया। इस जीत के बाद पूरे फ्रांस में भारी दंगे भड़क गए। फुटबॉल फैंस और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इस हिंसा में कुल 219 लोग घायल हो गए हैं। आंतरिक मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि आठ लोगों की हालत बहुत गंभीर है। पेरिस में दंगाइयों ने बस, ट्रेन और रेल सेवा को रोक दिया। उपद्रवियों को काबू करने में 57 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा के आरोप में 780 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इनमें से 450 से ज्यादा लोग अभी पुलिस की हिरासत में हैं। दंगाइयों ने पेरिस के रिंग रोड को जाम करने की कोशिश की। इसी दौरान एक सड़क हादसे में 24 साल के एक युवक की मौत हो गई। गवाहों के अनुसार वह मोटरसाइकिल से कंक्रीट के ब्लॉक से टकरा गया था। एक अन्य इलाके में हुई लड़ाई में एक किशोर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। अकेले पेरिस से 480 लोग गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें 82 नाबालिग हैं। इन पर पुलिस पर हमला करने, संपत्ति तोड़ने, चोरी और हथियार रखने के आरोप हैं। मैच में पेनल्टी शूटआउट के जरिए जीत के बाद चांस-एलिजी सड़क पर हजारों फैंस जमा हो गए थे। वहां लोगों ने हुड़दंग मचाया, दुकानों के शीशे तोड़े और इलेक्ट्रिक बाइक जला दीं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

दबाव बढ़ेगा तो पुतिन करेंगे बातचीत', जेलेंस्की की रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया के देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उनका कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता की मेज तक लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव की जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और जेलेंस्की लगातार युद्ध समाप्त करने के लिए नए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले छह महीनों में अगर यूक्रेन युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करता है, तो भविष्य की किसी भी शांति वार्ता में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के आने से पहले किसी न किसी तरह कूटनीतिक रास्ता निकालकर बातचीत शुरू करनी होगी। उनका मानना है कि युद्ध को केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए भी खत्म किया जा सकता है। इस बीच, अमेरिकी थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के मोर्चे पर हालात धीरे-धीरे यूक्रेन के पक्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की बढ़त की गति धीमी पड़ रही है, जबकि यूक्रेनी सेना नई रणनीतियों और आधुनिक युद्ध तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूक्रेन पूरी तरह से युद्ध का रुख बदल पाएगा या नहीं। जेलेंस्की ने अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता की भी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र भेजकर पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए और इंटरसेप्टर मिसाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह मांग उस समय की गई जब रूस ने हाल ही में कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेन का कहना है कि मौजूदा उत्पादन क्षमता उसकी जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है और पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि हथियार और मिसाइल बनाने वाली कंपनियों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि यूक्रेन और उसके सहयोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें। हेगसेथ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देशों ने भी यूक्रेन की मदद के लिए काफी संसाधन उपलब्ध कराए हैं और अमेरिका इस सहयोग का स्वागत करता है। आईएसडब्ल्यू ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के पास वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए सीमित समय है। संस्था का मानना है कि रूस इस समय युद्धक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और यदि पश्चिमी देश अपनी सहायता बढ़ाते हैं तो यूक्रेन को महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस पर बढ़ता सैन्य और आर्थिक दबाव पुतिन को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीकार किया कि फिलहाल शांति वार्ता की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत के लिए कोई नया अवसर पैदा होता है तो अमेरिका फिर से सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार रहेगा। जेलेंस्की ने विश्वास जताया कि रूस अंततः किसी न किसी समझौते के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने कहा कि अतीत में अमेरिका की भागीदारी के साथ हुई बातचीत भविष्य की वार्ताओं का आधार बन सकती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी अधिकारियों मार्को रुबियो, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को कीव आने का निमंत्रण भी दिया है। उनका कहना है कि अमेरिकी प्रतिनिधियों को यूक्रेन आकर खुद हालात देखने चाहिए ताकि वे युद्ध की वास्तविक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकें। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि इस तरह की यात्रा पर चर्चा हुई है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जेलेंस्की का मानना है कि शांति वार्ता में केवल अमेरिका या केवल यूरोप की भूमिका पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सबसे प्रभावी बातचीत वही होगी जिसमें यूक्रेन, रूस, अमेरिका और यूरोपीय देश सभी शामिल हों। उनके अनुसार, यही ऐसा मंच होगा जो स्थायी शांति का रास्ता तैयार कर सकता है। उन्होंने यह भी दोहराया कि यदि पुतिन बातचीत के लिए तैयार हों तो वह उनसे सीधे मिलने के लिए भी तैयार हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए रूस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बढ़ाना जरूरी है। जेलेंस्की के मुताबिक अतिरिक्त प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय दबाव रूस को बातचीत के लिए मजबूर कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना को हर महीने लगभग 35 हजार सैनिकों के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, जिससे देश के भीतर भी दबाव बढ़ रहा है। रूस पर 2022 से कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं, लेकिन उन्होंने वैश्विक तेल कीमतों और कुछ विशेष परिस्थितियों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह झटका नहीं लगा। इसके बावजूद जेलेंस्की को उम्मीद है कि अमेरिका भविष्य में और सख्त आर्थिक कदम उठाएगा। सैन्य तकनीक के क्षेत्र में भी यूक्रेन नए समझौतों की तैयारी कर रहा है। जेलेंस्की ने बताया कि उनके देश ने कुछ मध्य-पूर्वी और यूरोपीय देशों के साथ ड्रोन संबंधी समझौते किए हैं।

होर्मुज में अमेरिकी सेना का बड़ा एक्शन: अब तक 118 व्यापारिक जहाज खदेड़े, पांच को किया पंगु

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया के समंदर में तनाव बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों को पूरी तरह घेर लिया है। अमेरिकी सैन्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने ईरान जाने और वहां से आने वाले 118 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया है। यही नहीं, अमेरिकी सेना की बात न मानने वाले पांच जहाजों को पूरी तरह अपाहिज यानी निष्क्रिय कर दिया गया है।

अमेरिका ने ईरान की यह नौसैनिक नाकेबंदी 13 अप्रैल को शुरू की थी। अमेरिकी सेना ने साफ चेतावनी दी है। वे ईरान के बंदरगाहों की तरफ आने-जाने वाले सभी जहाजों को रोकते रहेंगे। हैरत की बात यह है कि कार्रवाई तब हो रही है जब दोनों देश शांति की राह पर आने के लिए बातचीत भी कर रहे हैं।

ट्रंप ने पलटी बाजी, शर्तें की और कड़ी : कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग तय है। लेकिन अब मामला अटक गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ दो घंटे बैठक की। इसके बाद ट्रंप ने समझौते का ड्राफ्ट वापस कर दिया। ट्रंप अब इस समझौते में और ज्यादा कड़ी शर्तें चाहते हैं।

ट्रंप चाहते हैं कि ईरान के परमाणु

कार्यक्रम पर सख्ती बरती जाए। वे स्टेट ऑफ होर्मुज के रास्ते को हमेशा खुला रखने की गारंटी चाहते हैं। ट्रंप ईरान को कोई आर्थिक राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। वे ओबामा के समय हुए समझौते जैसी नरमी नहीं बरतना चाहते। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम को जब्त कर नष्ट करेगा। वहीं ईरान इस पर बात करने को भी तैयार नहीं है।

ईरान का दो टूक जवाब-हम नहीं झुकेंगे : ईरान ने भी अमेरिका के सामने झुकने से साफ मना कर दिया है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि जब तक उनके अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, वे कोई समझौता नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन के वादों पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। हमें ठोस नतीजे चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेटर क्रिस कून्स का कहना है कि ट्रंप की शर्तें कागजों पर अच्छी हैं, लेकिन इन्हें जमीन पर लागू करना बहुत मुश्किल होगा।

ईरान समझौते के मसौदे में ट्रंप ने मांगे बड़े बदलाव, परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज पर सख्त शर्तें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते के मसौदे को वापस भेजकर उसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव करने को कहा है। इससे दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत लंबी खिंच सकती है और समझौते को लेकर नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ हुई बैठक में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर और अधिक सख्त शर्तें जोड़ने की मांग की है। साथ ही उन्होंने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने को भी समझौते का अहम हिस्सा बनाने पर जोर दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ईरान को दिए जाने वाले आर्थिक राहत पैकेज को लेकर भी सतर्क हैं। उन्हें आशंका है कि अगर ईरान को ज्यादा वित्तीय रियायतें दी गईं तो इसकी तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर के परमाणु समझौते से की जा सकती है, जिसकी ट्रंप पहले भी आलोचना कर चुके हैं। कुछ दिन पहले ही ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है और दोनों देशों के बीच तनाव जल्द खत्म हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी संकेत दिए थे कि एक ऐसा समझौता तैयार किया जा रहा है जिससे संघर्ष रुकेगा, होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से पूरी तरह खुलेगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत का रास्ता बनेगा। हालांकि शुक्रवार को हुई करीब दो घंटे की बैठक के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिका ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अपने कब्जे में लेकर नष्ट करना चाहता है। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि मौजूदा वार्ता में उसके परमाणु कार्यक्रम के तकनीकी विवरण पर चर्चा नहीं हो रही है। वित्तीय मुद्दों पर भी दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं। ट्रंप का कहना है कि समझौते में धन के आदान-प्रदान पर कोई चर्चा नहीं हुई, जबकि ईरान का मानना है कि किसी भी समझौते में आर्थिक प्रावधान शामिल होना जरूरी है। इस बीच ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कालिबाफ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक ईरान के अधिकार और हित सुरक्षित नहीं किए जाते, तब तक अमेरिका के साथ किसी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान पर किए हवाई हमले; हिजबुल्ला पर लगे आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने ईरान पर मिसाइलें दागी हैं। वहीं ईरान में राष्ट्रपति पेजेश्कियन के इस्तीफे को लेकर विवाद हो रहा है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस्तीफे का खंडन किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तेहरान में हुए बवाल में कई लोग घायल हुए हैं। आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि हिजबुल्ला, इस्राइल के साथ युद्धविराम की कोशिशों को कमजोर कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि यह समूह हमले रोकने से इनकार कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हाल ही में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। यह बातचीत इस्राइल और लेबनान के बीच चल रहे कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, 'इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने एक साफ योजना दी। जिसके तहत पहले हिजबुल्ला को इस्राइल पर सभी हमले रोकने होंगे। इसके बदले में इस्राइल भी बेरूत में किसी तरह की और सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। इससे धीरे-धीरे तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने का रास्ता बनेगा।'

अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति जोसेफ आउन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाना चाहते थे और सभी पक्षों के बीच सहमति बनवाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन यह कोशिश लेबनान के संसद अध्यक्ष नबीह बेरी के जवाब के बाद रुक गई। नबीह हिजबुल्ला के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। अधिकारी के अनुसार, बेरी ने कहा कि वे हिजबुल्ला की तरफ से सीजफायर का भरोसा दिला सकते हैं, लेकिन उन्होंने शर्त रखी कि पहले इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी।

अमेरिका ने इस संघर्ष के लिए ईरान को भी जिम्मेदार ठहराया है। अधिकारी ने कहा, 'ईरान हिजबुल्ला को निर्देश दे रहा है। उसे लेबनान के लोगों की भलाई में कोई रुचि नहीं है। ईरान चाहता है कि यह संघर्ष लंबा चले ताकि वह बाद में स्थिति संभालने का श्रेय ले सके।'

ईरान का भी अमेरिका पर पलटवार का दावा : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बताया है कि अमेरिकी हमले के जवाब में उन्होंने भी अमेरिका के उन एयरबेस को निशाना बनाया है, जहां से ईरान पर हवाई हमले किए गए। हालांकि आईआरजीसी ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

कुवैत का दावा- उन पर हुए हवाई हमले : कुवैत ने दावा किया है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश की ओर बढ़ रहे ड्रोन और मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है। इन हमलों के दौरान कुवैत के कई इलाकों में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, जिन्हें कुवैती सेना ने इंटरसेप्शन ऑपरेशन का हिस्सा बताया। क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

ईरान पर अमेरिका ने किए हवाई हमले अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के रडार और ड्रोन कमांड ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। यह कार्रवाई तेहरान द्वारा अमेरिकी प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, हमले ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में किए गए। हमलों में ईरान के ड्रोन नियंत्रण और रडार प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा है कि उन्होंने ईरान के शहरों गोरुक और केशम में हमले किए हैं।

शादी के बाद हेलिकॉप्टर में भरी उड़ान, भारतीय मूल के युवक समेत पायलट की मौत; पत्नी बची

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हुए एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में भारतीय मूल के एक युवक और पायलट की मौत हो गई। यह हादसा युवक की शादी के कुछ घंटों बाद ही हुआ। हेलिकॉप्टर दुर्घटना में नवविवाहिता पत्नी घायल हो गई। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी सामने आई है।

डेल्टा एयर लाइंस में पायलट और अटलांटा निवासी 25 वर्षीय डेव फिजी बीते शुक्रवार को डॉसन काउंटी के डॉसनविल के पास एक पांच सीटों वाले रॉबिन्सन हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मारे गए। उनकी पत्नी जेस्नी घायल हो गईं और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

केरल से एर्नाकुलम से जाकर अमेरिका में बसा था परिवार : परिवार के अनुसार, डेव और जेस्नी ने उसी दिन डॉसनविल के पास स्थित द रिवेरे नाम के कार्यक्रम स्थल पर शादी की थी। समारोह में सैकड़ों मेहमान शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, डेव के माता-पिता जॉर्ज और फेबा फिजी कई वर्ष पहले केरल के एर्नाकुलम जिले से अमेरिका आकर बस गए थे। जेस्नी का परिवार भी केरल के अलप्पुझा जिले से जुड़ा हुआ है।

बेटे की मौत के बाद पिता जॉर्ज फिजी ने कहा, 'वह हमारे लिए बेहद अनमोल बच्चा था, वह भगवान का दिया हुआ उपहार था।' उन्होंने कहा, 'हम कह सकते हैं कि यह एक आदर्श शादी थी। हम इससे अधिक कुछ नहीं मांग सकते थे।' हालांकि, इसके बाद परिस्थितियां अचानक बदल गईं।

पिता ने बताया कैसे हुआ हादसा : पिता ने बताया कि नवविवाहित जोड़े को हेलिकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल से निकलकर पीचट्री-डीकाल्ब एयरपोर्ट जाना था। हालांकि, समारोह के अंत तक मौसम खराब हो गया था। जॉर्ज फिजी के अनुसार, रात करीब 9:30 बजे समारोह समाप्त हुआ। इसके बाद कोहरे और बारिश की वजह से दृश्यता काफी कम हो गई थी। अनुभवी कमर्शियल पायलट डेव ऐसे मौसम में उड़ान को लेकर सहज नहीं थे। उनके पिता ने बताया, 'उसने कहा था कि मैं ऐसी दृश्यता में उड़ान नहीं भरूंगा।'

इसके बावजूद हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी। बताया गया कि पायलट ने अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने का फैसला किया था। बाद में हेलीकॉप्टर डॉसनविल के दक्षिण-पश्चिम में घने जंगल और पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पत्नी को मलबे से निकालने में लग गए पांच घंटे : जॉर्ज फिजी ने बताया कि जेस्नी मलबे और गिरे हुए पेड़ों के नीचे करीब पांच घंटे तक फंसी रहीं, जिसके बाद बचाव दल उन्हें निकाल सका। उन्होंने कहा, 'उसने बताया कि जब उसे होश आया तो वह मलबे के नीचे थी।' उन्होंने आगे कहा, 'उसने देखा कि डेव उसकी छाती पर पड़े हुए थे। वह खुद नर्स है। जब उसने उन्हें छुआ और आवाज लगाई तो पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।' जेस्नी को कई जगह चोटें लगी हैं। हालांकि, डेव की मौत से वह गहरे सदमे में हैं। डॉसन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक संभावित हेलिकॉप्टर दुर्घटना की सूचना मिली थी। बाद में संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने पुष्टि की कि रात करीब 10:30 बजे डॉसनविल के पास एक रॉबिन्सन आर66 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें तीन लोग सवार थे।

लेबनान पर हमले रोके इस्राइल', ब्रिटेन ने हिजबुल्ला से भी की हथियार छोड़ने की मांग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने हिज्बुल्ला से पूर्ण रूप से हथियार छोड़ने और इस्राइल के खिलाफ हमले बंद करने का भी आग्रह किया है। यवेट कूपर ने एक्स पर जारी एक संदेश में पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा, 'इस्राइल की लेबनान में सैन्य बढ़ोतरी से नागरिकों की मौत हुई है, लोग विस्थापित हुए हैं, बुनियादी ढांचा तबाह हुआ है और कूटनीति के लिए जगह कम हुई है। इसे समाप्त होना चाहिए।

युद्धविराम का होना चाहिए सम्मान : यवेट कूपर : उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का सम्मान करना चाहिए और ईमानदारी से बातचीत की प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। इस बीच अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत ने भी लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे क्रूर आक्रामकता बताया और संघर्ष तत्काल रोकने की मांग की। अहमद अबुल गैत ने कहा कि इस्राइली बल लेबनानी क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। दक्षिणी गांवों और ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया गया है। इसके साथ ही नागरिकों को निशाना बनाए जाने से बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है। उनके अनुसार यह लेबनान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। अबुल गैत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से हस्तक्षेप कर इस्राइल की सैन्य कार्रवाई रुकवाने और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू कराने की मांग की। लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान से बढ़ी चिंता जर्मनी ने भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान के विस्तार पर चिंता जताई है। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि 'दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की आगे बढ़त गंभीर चिंता का विषय है।' उन्होंने कहा कि किसी भी अतिरिक्त सैन्य बढ़ोतरी से पहले से तनावपूर्ण हालात और बिगड़ेंगे। इससे नए सिरे से विस्थापन की स्थिति पैदा होगी। ब्रिटेन के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका मामलों के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने भी कहा कि लेबनान में लगातार बढ़ता संघर्ष कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर कर रहा है और नागरिकों पर अस्वीकार्य प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा, 'हिजबुल्ला को इस्राइल पर हमले बंद करने चाहिए और निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और अमेरिका की अगुवाई वाली वार्ता जारी रखनी चाहिए। कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप कर इस्राइल पर दबाव बनाने और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। इसी बीच कतर के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज बिन सालेह अल-खुलैफी और लेबनान के उपप्रधानमंत्री तारिक मित्री के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग और लेबनान की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।

पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद, नेपाल के विदेश मंत्रालय को देनी पड़ी सफाई

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के 'नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी 'दसगजा' यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा : नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देश इन मुद्दों को बातचीत और कूटनीतिक माध्यम से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

दसगजा और सीमा पार कब्जे का क्या मतलब है : नेपाल सरकार ने कहा कि

'दसगजा' उन नो-मैन्स लैंड क्षेत्रों को कहा जाता है जो सीमा स्तंभों के बीच खाली छोड़े जाते हैं। कई जगह सीमा स्तंभ टूट गए या गायब हो गए हैं, जिसके कारण जमीन को लेकर भ्रम की स्थिति बनती रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में भारतीय सीमा के लोग नेपाली जमीन का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में नेपाली लोग भारतीय जमीन का उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री का बयान इसी तरह के मामलों से जुड़ा था।

भारत-नेपाल के बीच विवाद किन इलाकों को लेकर है : भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। वहीं नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हाल ही में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी दोनों देशों के बीच बयानबाजी हुई थी। भारत ने नेपाल के दावों को 'एकतरफा कृत्रिम विस्तार' बताया था और कहा था कि ऐसे दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

क्या दोनों देश बातचीत से समाधान चाहते हैं : नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें लंबे समय से सीमा स्तंभों की मरम्मत, सीमा निर्धारण और जमीन के इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों पर काम कर रही हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल ऐतिहासिक दस्तावेजों, नक्शों और समझौतों के आधार पर विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेपाल ने साफ किया कि वह सीमा विवाद का समाधान शांति, संवाद और कूटनीतिक रास्ते से चाहता है।

नेपाल में बयान पर इतना विवाद क्यों हुआ : प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या नेपाल ने आधिकारिक तौर पर कभी भारतीय जमीन पर कब्जा स्वीकार किया है। मीडिया और विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा। इसी दबाव के बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर पूरे मामले को स्पष्ट करने की कोशिश की।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)